दैनिक नव प्रदेश
आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्
प्रदेश के साथ पूरा देश...
आप सभी को ईद-उल-फितर की दिली मुबारकबाद

अंदर के पृष्ठों पर ◆◆ 2 | छत्तीसगढ़ 4 | अभिव्यक्ति 11 | कारोबार/खेल

रायपुर, शनिवार, 21 मार्च 2026 कृष्ण पक्ष-तृतीया, विक्रम संवत -2082 / वर्ष-15 अंक- 41 पृष्ठ-12 मूल्य-4 रुपए रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

प्रदेश के विकास में सबसे बड़ी बाधा नक्सलवाद को 'डबल इंजन' की सरकार ने किया दूर : साय

विदेशी मेहमानों ने कहा-अद्भुत है छत्तीसगढ़, सुंदर स्मृतियों के साथ पूरी हुई यात्रा, नेशनल डिफेंस कॉलेज के प्रशिक्षु सैन्य और गैर सैन्य अधिकारियों ने की मुख्यमंत्री से मुलाकात

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ की हमारी धरती सघन वन, प्राकृतिक संसाधन, खनिज संपदा के विपुल भंडार, लोक संस्कृति की अमूल्य विरासत और नैसर्गिक सौन्दर्य का अद्भुत संगम है। इस सुंदर धरती के विकास की सबसे बड़ी बाधा नक्सलवाद को हमारे डबल इंजन की सरकार ने अब दूर कर दिया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज अपने निवास कार्यालय में नेशनल डिफेंस कॉलेज के सैन्य एवं सिविल सेवा अधिकारियों के अध्ययन दल से मुलाकात कर आत्मीय संवाद किया।

- राज्य की भौगोलिक, सांस्कृतिक और प्रशासनिक विशेषताओं की हुई सराहना
- नेशनल डिफेंस कॉलेज का 15 सदस्यीय अध्ययन दल 5 दिवसीय यात्रा पर पहुंचा है छत्तीसगढ़

इस दौरान उन्होंने देश-विदेश से आए अधिकारियों का स्वागत करते हुए शाल एवं प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। अध्ययन दल का नेतृत्व कर रहे एयर कमोडोर अजय कुमार चौधरी ने छत्तीसगढ़ ■ शेष पृष्ठ 6 पर

दो वर्षों में 3 लाख करोड़ निवेश प्रस्ताव

मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने संबोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ सघन वनों, खनिज संपदा, समृद्ध लोक संस्कृति और नैसर्गिक सौंदर्य का अद्वितीय संगम है। उन्होंने बताया कि राज्य का लगभग 46 प्रतिशत भू-भाग वनों से आच्छादित है, जिसमें एक पेड़ मां के नाम अभियान और कैम्पा योजना का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। श्री साय ने कहा कि राज्य खनिज संसाधनों से परिपूर्ण है- कोयले से लेकर हीरे तक यहां उपलब्ध हैं। छत्तीसगढ़ वर्तमान में विद्युत उत्पादन के क्षेत्र में सरप्लस राज्य है, जहां लगभग 30 हजार मेगावाट बिजली का उत्पादन हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले दो वर्षों में ऊर्जा क्षेत्र में 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए है, जिससे आने वाले समय में इतनी ही अतिरिक्त उत्पादन क्षमता विकसित होगी।

नक्सल समस्या समाप्ति की ओर

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से अब नक्सल समस्या समाप्ति की ओर है। इससे प्रदेश में शांति और विकास की गति और तेज होगी। कृषि क्षेत्र का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा कहा जाता है और यहां किसानों के लिए प्रभावी धान खरीदी नीति लागू है। प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से खरीदा जा रहा है, जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। महिला सशक्तिकरण की दिशा में 'महतारी वंदन योजना' का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि इसके तहत 15 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि महिलाओं को प्रदान की जा चुकी है। इसके अलावा 05 लाख 30 हजार से अधिक भूमिहीन कृषि मजदूरों को प्रतिवर्ष 10 हजार रुपये की सहायता दी जा रही है।

आज बेबाक

ये बढ़िया है। गधे पालो और लाखों में खेलो। वैसे हमारे देश में दो पैर वाले गधों की कमी नहीं है। एक ढूंढो हजार मिलते हैं, नगद ढूंढो उधार मिलते हैं। ऐसे गधे पालने वाले बड़े फक्र से गाते हैं - मेरा गधा गधों का लीडर कहता है दिल्ली जाकर अपनी मांगें मनवाऊंगा नहीं तो घास नहीं खाऊंगा..। इसके चलते चार पैर वाले गधों की पूछ परख कम होने से उनकी संख्या घट रही है। नतीजतन सरकार ने राष्ट्रीय पशुधन योजना अंतर्गत गधा पालने के लिए पचास लाख सब्सिडी देने का निर्णय लिया है। मतलब अब गधे भी जमकर खीर खाएंगे।

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण वैश्विक तेल कीमतों में उछाल

प्रीमियम पेट्रोल दो और औद्योगिक डीजल 22 रुपये महंगा

नई दिल्ली/ए.। तेल विपणन कंपनियों ने प्रीमियम पेट्रोल की कीमत में दो रुपये प्रति लीटर का इजाफा कर दिया है। औद्योगिक उपयोग वाले थोक डीजल की दरें भी करीब 22 रुपये प्रति लीटर बढ़ाई गईं। तेल विपणन कंपनियों ने कीमतों में यह इजाफा पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण वैश्विक तेल कीमतों में उछाल के बाद किया है। हालांकि, सामान्य पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। दिल्ली में प्रीमियम 95-ऑक्टेन पेट्रोल की कीमत 99.89 रुपये से बढ़कर 101.89 रुपये प्रति लीटर हो गई है। इसी तरह, दिल्ली में थोक औद्योगिक डीजल की कीमतें 87.67 रुपये से बढ़कर ■ शेष पृष्ठ 6 पर

सामान्य पेट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि नहीं

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने कहा कि सामान्य पेट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि प्रीमियम श्रेणी कुल पेट्रोल बिक्री का केवल दो से चार फीसदी है। सरकार आम आदमी पर कोई मूल्य वृद्धि का बोझ नहीं डालना चाहती है। तेल कंपनियां स्वतंत्र रूप से मूल्य निर्धारण का निर्णय लेती हैं। सरकार पेट्रोल और डीजल की कीमतों को विनियमित नहीं करती है। पेट्रोल और डीजल का मूल्य निर्धारण क्रमशः 2010 और 2014 में विनियमित किया गया था।

जोमैटो से खाना मंगवाना हुआ महंगा

नई दिल्ली। प्लेटफॉर्म फीस हर एक फूड ऑर्डर पर लागू होने वाला ऐडिशनल चार्ज हैं। ये जीएसटी, रेस्तरां चार्ज और डिलीवरी फीस से अलग है। फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो से खाना ऑर्डर करना अब महंगा हो गया है। कंपनी ने शुक्रवार से ऑर्डर पर प्लेटफॉर्म फीस में 19.2% बढ़ोतरी की है। यूजर्स को हर ऑर्डर पर 12.50 के बजाय अब 14.90 यानी 2.40 ज्यादा प्लेटफॉर्म फीस देनी होगी। जीएसटी जोड़ने के बाद यह राशि और बढ़ जाएगी। प्लेटफॉर्म फीस हर एक फूड ऑर्डर पर लागू होने वाला ऐडिशनल चार्ज हैं। ये जीएसटी, रेस्तरां चार्ज और डिलीवरी फीस से अलग है। बता दें कि जोमैटो प्लेटफॉर्म रोजाना ■ शेष पृष्ठ 6 पर

प्लेटफॉर्म फीस 19.2% बढ़ाई, हर ऑर्डर पर 12.50 के बजाय अब 14.90 देने होंगे

स्विगी के करीब पहुंचे प्लेटफॉर्म फीस के दाम

जोमैटो की मुख्य प्रतिद्वंदी कंपनी स्विगी अभी टैक्स समेत लगभग 14.99 प्लेटफॉर्म फीस वसूल रही है। आमतौर पर देखा गया है कि जब भी इन दोनों में से कोई एक कंपनी फीस बढ़ाती है, तो दूसरी कंपनी भी जल्द ही अपने दाम बढ़ा देती है।

जोमैटो ने 2 रुपए से की थी प्लेटफॉर्म फीस की शुरुआत

कंपनी ने 7 महीने में दूसरी बार प्लेटफॉर्म फीस बढ़ाई है। इससे पहले सितंबर-2025 में 20% का इजाफा किया गया था। अगस्त 2023 में जोमैटो ने अपना मार्जिन बढ़ाने और प्रॉफिटेबल बनने के लिए पहली बार 2 रुपए का प्लेटफॉर्म शुल्क शुरू किया था। कंपनी ने बाद में इसे बढ़ाकर 3 रुपए कर दिया और 1 जनवरी 2024 को 4 रुपए कर दिया।

मिडिल ईस्ट की तरफ बढ़ रहे तीन अमेरिकी वॉरशिपः 2200 सैनिक मौजूद

- खार्ग आइलैंड पर कब्जा करने का प्लान

वॉशिंगटन/ए.। मिडिल ईस्ट में अमेरिका अपनी सैन्य मौजूदगी तेजी से बढ़ा रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक सैटेलाइट इमेज से पता चला है कि 3 अमेरिकी वॉरशिप के साथ मरीन सैनिक मिडिल ईस्ट भेजे जा रहे हैं।

इनमें यूएसएस त्रिपोली, यूएसएस सैन डिएगो, यूएसएस न्यू ऑरलियंस शामिल हैं। इन पर करीब 2200 सैनिक तैनात हैं। ये सभी सैनिक 31st मरीन एक्सपेडिशनरी यूनिट का हिस्सा हैं, जिसे तुरंत एक्शन के लिए तैयार रखा जाता है।

इनमें से स्स त्रिपोली एक एम्फीबियस असॉल्ट शिप है, यानी ऐसा युद्धपोत जो मरीन सैनिकों, हेलीकॉप्टर और लड़ाकू विमानों (जैसे F-35B) को लेकर चलता है। ये तीनों वॉरशिप जापान के पास थे। अभी यह भारत के पास दक्षिणी हिंद महासागर में है।

'एक महीने तक हवाई हमले करने की जरूरत होगी'

रिपोर्ट में एक व्हाइट हाउस सूत्र के हवाले से कहा गया, हमें ईरान को और कमजोर करने के लिए लगभग एक महीने हवाई हमलों की जरूरत होगी, फिर द्वीप पर कब्जा किया जाएगा और उसे वार्ता के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। अगर इस प्लान को मंजूरी मिलती है तो और अधिक सैनिकों की जरूरत होगी। नौसेना की तीन अलग-अलग इकाइयां पहले ही क्षेत्र में जा रही हैं। व्हाइट हाउस और पेंटागन जल्द और अधिक सैनिक ■ शेष पृष्ठ 6 पर

रणनीतिक साझेदारी पर दूसरा रूस-भारत सम्मेलन होगा आयोजित

मॉस्को (वार्ता)। रूस-भारत संबंध साल दर साल तेजी से विकसित हो रहे हैं और कई संकेतकों में रिकॉर्ड परिणाम प्राप्त कर रहे हैं। रूसी अंतर्राष्ट्रीय मामलों की परिषद (आरआईएसी),23 मार्च को रूस में भारतीय दूतावास के साथ संयुक्त रूप से द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन रूस और भारतः एक नए द्विपक्षीय एजेंडा की ओर का आयोजन करेगी।

जंग के बीच खाड़ी देशों से 3 लाख लोग भारत लौटे

मिडिल-ईस्ट में जारी जंग के बीच 28 फरवरी से अब तक करीब 3 लाख लोग खाड़ी देशों से भारत वापस आ चुके हैं। विदेश मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव (गल्फ) असीम आर महाजन के मुताबिक यूएई से आज भी करीब 90 उड़ानें भारत आने-जाने वाली हैं। ओमान और सऊदी अरब से भी फ्लाइट ऑपरेशन जारी हैं। कतर का एयरस्पेस आंशिक रूप से खुलने के बाद कुछ उड़ानें शुरू हुई हैं, जबकि कुवैत और बहरीन का एयरस्पेस अभी भी बंद है। फंसे हुए भारतीयों की मदद के लिए कुवैत और बहरीन से विशेष फ्लाइट्स की व्यवस्था की जा रही है, ताकि उन्हें सुरक्षित भारत लाया जा सके।

इजराइल को धमकी देने के बाद ईरानी अफसर की मौत

ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के प्रवक्ता जनरल अली मोहम्मद नैनी की शुक्रवार को हवाई हमले में मौत हो गई। आईआरजीसी ने एक बयान जारी कर उनकी मौत की पुष्टि की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, नैनी को हालिया हमले में निशाना बनाया गया। नैनी ने अपने आखिरी बयान में कहा था कि इजराइल और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के लिए 'सरप्राइज' तैयार है। उन्होंने दावा किया था कि ईरान की मिसाइल क्षमता अपने चरम पर है और दुश्मन को जल्द ही इसका असर देखने को मिलेगा। नैनी ने यह भी कहा था कि युद्ध के बावजूद ईरान लगातार मिसाइल उत्पादन कर रहा है और उसके पास पर्याप्त भंडार मौजूद है।

पांच घंटे नहीं होगी टिकट बुकिंग, न होंगे कैंसिल

नई दिल्ली। उत्तर रेलवे ने दिल्ली क्षेत्र में पीआरएस (पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम) सेवाओं को बंद करने का निर्णय लिया है। यह सेवाएं 26 और 27 मार्च की रात को लगभग पांच घंटे के लिए उपलब्ध नहीं रहेगी। इस दौरान यात्रियों को टिकट बुकिंग और संबंधित कार्यों में असुविधा का सामना करना पड़ सकता है।

न टिकट बनेगी, न कैंसिल हो पाएगी: उत्तर रेलवे ने यह कदम प्रणाली में फाइलों के संपीड़न कार्य को ध्यान में रखते हुए उठाया है। 26 मार्च की रात 11:45 बजे से यह बंदी शुरू होगी।

जल क्रांति का नया अध्याय: जल जीवन मिशन 2.0 पर ऐतिहासिक एमओयू

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज छत्तीसगढ़ विधानसभा में जल जीवन मिशन 2.0 के तहत केन्द्र और राज्य के बीच एमओयू कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और केंद्रीय जलशक्ति मंत्री श्री सी आर पाटिल की वर्चुअल मौजूदगी में अधिकारियों ने एमओयू पर हस्ताक्षर कर एक्सचेंज किया। मुख्यमंत्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य की ग्रामीण पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में यह पहल ऐतिहासिक है। उन्होंने कहा कि हर घर जल के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए जल जीवन मिशन 2.0 के तहत हुये एमओयू से इन कार्यों में गति मिलेगी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 10 मार्च 2026 को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने जल जीवन मिशन के ■ शेष पृष्ठ 6 पर

ग्रामीण जल व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम : मुख्यमंत्री साय

राष्ट्रपति मुर्मू ने किए प्रेमानंद महाराज के दर्शन

मथुरा(वार्ता)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु अपने मथुरा दौरे के दूसरे दिन शुक्रवार को वृंदावन के परिक्रमा मार्ग स्थित श्री हित राधा केली कुंज आश्रम पहुँचीं। यहाँ उन्होंने प्रख्यात संत श्री प्रेमानंद महाराज जी से शिष्टाचार भेंट की और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। आश्रम पहुंचने पर राष्ट्रपति का भव्य स्वागत किया गया। इसके उपरांत, उन्होंने पूज्य महाराज जी के साथ एकांत में वार्तालाप किया। राष्ट्रपति मुर्मु ने महाराज जी के द्वारा दिए जा रहे सत्संग और मानवता के कल्याण के लिए उनके द्वारा किए जा रहे

विधानसभा बजट सत्र समाप्त

अफीम, धर्मांतरण, सहित कई मुद्दे गूंजे, कई विधेयक पारित

- नहीं लगेगे छातिम के पेड़, कर्मचारी चयन मंडल विधेयक सहित कई विधेयक पारित

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ विधानसभा में बजट सत्र के आखिरी दिन प्रश्नकाल में कई अहम मुद्दों की गूंज रही। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने अपशिष्ट उत्पन्न करने वाले उद्योगों का मामला उठाते हुए सरकार से विस्तृत जानकारी मांगी। इस पर मंत्री ओपी चौधरी ने जवाब देते हुए बताया कि प्रदेश में 665 खतरनाक ■ शेष पृष्ठ 6 पर

छत्तीसगढ़ परीक्षा गड़बड़ी रोकथाम बिल पास

सार्वजनिक परीक्षाओं में गड़बड़ी रोकने वाला बिल पास हुआ। बिल में अभ्यर्थियों के लिए सख्त नियम तय किए गए हैं। नकल करते पकड़े जाने पर उनका रिजल्ट रोका जाएगा और उन्हें 1 से 3 साल तक परीक्षा देने से बैन किया जाएगा। हालांकि, यह बैन स्थायी नहीं होगा और तय अवधि के बाद अभ्यर्थी फिर से परीक्षा में शामिल हो सकेंगे। अन्य दोषियों के लिए भी कड़ी सजा का प्रावधान है। ऐसे मामलों में 3 से ■ शेष पृष्ठ 6 पर

भविष्य में नहीं लगेंगे छातिम के पेड़

श्री चौधरी ने बताया कि, वर्तमान में छातिम का रोपण रोकने का कोई प्रस्ताव भी नहीं है।

इसके आगे उन्होंने कहा कि, पेड़ लोगों की सेहत और स्वास्थ्य के लिए लगाए जाते हैं, अगर किसी वृक्ष से नुकसान हो रहा होगा तो सकारात्मक निर्णय लेंगे।

गरमा-गरम

हाईकोर्ट सख्त — पुलिस की भूमिका पर उठे सवाल, कोर्ट के आदेश के बाद भी नहीं की कार्रवाई

बाप-बेटों को बंधक बनाकर पीटा, हाईकोर्ट ने डीजीपी से मांगा जवाब

बिलासपुर/नवप्रदेश। जादू-टोना के संदेह में एक ही परिवार के तीन लोगों के साथ की गई बर्बरता के मामले में हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने न्यायिक आदेशों का पालन नहीं करने और निष्पक्ष जांच में लापरवाही बरतने पर पुलिस की कार्यप्रणाली को गंभीरता से लिया है। डिवीजन बेंच ने मामले में पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को निर्देश दिया है कि दोषी अधिकारियों के खिलाफ चल रही विभागीय जांच की रिपोर्ट शपथपत्र के साथ पेश की जाए। मामले की अगली सुनवाई 28 अप्रैल को निर्धारित ■ शेष पृष्ठ 6 पर

हाईकोर्ट ने मामला रखा लंबित

हाईकोर्ट ने याचिका का आंशिक निपटारा करते हुए पुलिस अधिकारियों के आचरण से जुड़े पहलू को लंबित रखा है। अदालत ने कहा कि सार्वजनिक अपमान, भीड़ हिंसा और पुलिस की कथित लापरवाही जैसे गंभीर आरोपों को देखते हुए इस मामले की निगरानी जरूरी है। कोर्ट ने डीजीपी को निर्देश दिया है कि दोषी अधिकारियों के खिलाफ विभागीय जांच का परिणाम नए शपथपत्र के रूप में पेश करें।

कोर्ट के आदेश को किया दरकिनार

कोर्ट के स्पष्ट निर्देश के बावजूद पुलिस ने 21 आरोपियों के खिलाफ केवल जमानती धाराओं में मामला दर्ज किया। इस पर पीड़ित पक्ष ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की। हाईकोर्ट ने इस घटना को मॉब लिंचिंग से जुड़ा गंभीर मामला मानते हुए एसपी, आईजी और डीजीपी से जवाब तलब किया। पिछली सुनवाई में डीजीपी ने शपथपत्र में स्वीकार किया कि मामले के निपटारे में पुलिस स्तर पर चूक की आशंका है, जिसके चलते विभागीय जांच शुरू की गई है।

वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य में भारत लिख रहा निर्णायक अध्याय: पीएम मोदी

नई दिल्ली/वार्ता। पीएम मोदी ने शुक्रवार को कहा कि वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य में भारत एक निर्णायक अध्याय लिख रहा है, जो कि विद्युतीकरण की तरफ रुझान, स्वच्छ ऊर्जा और मैन्युफैक्चरिंग पर केंद्रित है। पीएम मोदी ने विद्युत एवं नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री श्रीपद येसो नाइक द्वारा लिखित एक आर्टिकल शेयर किया, जिसमें भारत के ऊर्जा क्षेत्र में हो रहे तेज बदलाव के बारे में बताया गया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पीएम मोदी ने कहा कि देश का ऊर्जा परिवर्तन व्यावहारिक नीतिगत निर्णयों और आत्मनिर्भरता पर ध्यान केंद्रित करने के द्वारा निर्देशित है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ ऊर्जा क्षमता बढ़ाने, विद्युतीकरण को बढ़ावा देने और घरेलू विनिर्माण को मजबूत करने के भारत के प्रयास इसे वैश्विक ऊर्जा क्षेत्र में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में उभरने में मदद कर रहे हैं। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, केंद्रीय राज्य मंत्री श्रीपद नाइक ने बताया है कि भारत का ऊर्जा परिवर्तन व्यावहारिक नीति और आत्मनिर्भरता की दिशा में स्पष्ट प्रयास से प्रेरित है।

न्यूज गैलरी

स्वास्थ्य सेवा में आर्टिफिसीयल इंटेलिजेंस पर दो दिवसीय कार्यशाला

भाटापारा/नवप्रदेश। कमलाकांत शुक्ला इंस्टीट्यूट में स्वास्थ्य सेवा में ए.आई. के बढते अनुप्रयोग पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉ. सुदीप पॉल सहायक प्राध्यापक डिपार्टमेंट ऑफ बायोमेडिकल इंजीनियरिंग एन.आई.टी. रायपुर उपस्थित है। कार्यक्रम की शुरूआत माँ सरस्वती के चरणों में द्वीप प्रज्जवलित कर की गई। कार्यशाला का प्रारंभ संस्थान के संचालक मनीष शुक्ला द्वारा ए.आई. के संदर्भ में उद्बोधन कर की गई। दो दिवसीय कार्यशाला में डॉ. सुदीप पॉल ने ए.आई. के स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में वर्तमान प्रासंगिकता बढते प्रयोग एवं मानव जीवन में उपयोगिता तथा साथ ही बढते प्रयोग एवं सीमाओं पर विस्तार से चर्चा की तथा व्यावहारिक उदाहरण द्वारा विद्यार्थियों के ज्ञान में वृद्धि की। कार्यशाला के द्वितीय दिवस में विद्यार्थियों की ए.आई. के संबंध में विभिन्न प्रश्नों एवं जिज्ञासाओं के विस्तार से उत्तर दिया गया तथा महाविद्यालय के सभी संकाय के विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र वितरण किया गया। कार्यशाला में संचालक मनीष शुक्ला द्वारा विषय विशेषज्ञ डॉ. सुदीप पॉल को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका स्वागत किया गया। साथ ही उनके साथ उपस्थित रिसर्च स्कॉलर को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. वंदना चैहान सभी सहायक प्राध्यापक एवं सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे तथा ए.आई. से संबंधित व्याख्यान हेतु विद्यार्थियों में उत्साह देखी गई। दो दिवसीय कार्यशाला का सफ्ल मंच संचालन महाविद्यालय की सहायक प्राध्यापक सुश्री नेहा सिंह के द्वारा किया गया।

गणगौर उत्सव श्री आदिगौड़ ब्राह्मण महासभा ने धूमधाम से मनाया

भाटापारा / नवप्रदेश। कुंदन भवन में श्री आदिगौड़ ब्राह्मण महासभा महिला शाखा द्वारा गणगौर पर्व का आयोजन बड़े धूमधाम एवं उत्साह के साथ किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाओं की उपस्थिति रही और पूरे कार्यक्रम में हर्ष एवं उल्लास का वातावरण बना रहा। कार्यक्रम के दौरान महिला शाखा की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें बबिता शरद भृगु को अध्यक्ष और प्रीति मुकेश तिवारी को उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई।

भाजपा सरकार आवास के नाम पर भ्रमित कर रही: विनोद

महासमुंद/ नवप्रदेश। पूर्व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर ने उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा की आवास योजना संबंधी घोषणा पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि एक माह पहले कवर्धा में बिना पट्टा वाले काबिज हितग्राहियों को भी पीएम आवास योजना का लाभ देने की बात कही गई थी, लेकिन अब तक किसी भी नगरीय निकाय में इसका क्रियान्वयन शुरू नहीं हुआ। चंद्राकर ने आरोप लगाया कि इस घोषणा से हजारों गरीब परिवारों में उम्मीद जगी, पर जमीनी स्तर पर न आदेश जारी हुआ और न ही कोई प्रक्रिया शुरू हुई। उन्होंने भाजपा सरकार पर जनता को भ्रमित करने और पूर्व स्वीकृत आवासों का श्रेय लेने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में किस्तों के भुगतान में देरी से हितग्राही परेशान हैं और कर्ज के बोझ तले दब रहे हैं। ऐसे में सरकार को शहरी गरीबों के लिए भी पट्टे की अनिवार्यता समाप्त कर, वर्षों से टैक्स अदा कर रहे पात्र परिवारों का सर्वे कर तत्काल आवास योजना का लाभ देना चाहिए। चंद्राकर ने कहा कि सरकार को घोषणाओं के बजाय ठोस कार्रवाई कर गरीबों को उनका अधिकार देना चाहिए।

मधुमक्खी पालन पर सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

कवर्धा/नवप्रदेश। कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड के सहयोग से ÷मधुमक्खी पालन पर सात दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम÷ का शुभारंभ 18 मार्च 2026 को किया गया। यह प्रशिक्षण 18 से 24 मार्च 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण में कबीरधाम जिले के विभिन्न ग्रामों पोलमी, बोड़ला, कुकदुर, भंगीटोला एवं लखनपुर से कुल 28 प्रशिक्षणार्थी को सात दिनों तक कृषि विज्ञान केन्द्र परिसर में आवासीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

अधिकारी-कर्मचारी फेडरेशन ने 11 सूत्रीय मांगों को लेकर किया प्रदर्शन

महासमुंद/ नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन ने 11 सूत्रीय मांगों को लेकर सरकार के प्रति गहरा आक्रोश जताते हुए बुधवार को जोरदार प्रदर्शन किया। फेडरेशन के पदाधिकारियों ने भोजनोपरांत अवकाश के दौरान कलेक्टोरेट पहुंचकर मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव के नाम ज्ञापन सौंपा। इस दौरान डिप्टी कलेक्टर मनोज खांडे ने ज्ञापन प्राप्त किया।

जिला संयोजक टेकराम सेन ने कहा कि जुलाई 2025 से अब तक कर्मचारी-अधिकारी चार चरणों में ज्ञापन, धरना और प्रदर्शन कर चुके हैं, लेकिन सरकार की ओर से अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई है। इससे प्रदेश के लगभग 5 लाख कर्मचारियों में निराशा और असंतोष लगातार बढ़ता जा रहा है। उन्होंने प्रमुख मांगों का उल्लेख करते हुए कहा कि जुलाई 2016 से लंबित महंगाई भत्ता (डीए) एरियर्स को जीपीएफ खाते में समायोजित किया जाए, मध्यप्रदेश की तर्ज पर चार स्तरीय पदोन्नति दी जाए, 300 दिन का अवकाश नगदीकरण लागू हो, पिंगुआ कमेटी की रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए तथा शिक्षकों की सेवा गणना प्रथम नियुक्ति तिथि से की जाए। इसके अलावा सहायक शिक्षकों एवं पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारियों को तृतीय समयमान वेतन देने सहित अन्य मांगें भी लंबे समय से लंबित हैं। फेडरेशन के प्रांतीय संयोजक कमल वर्मा के नेतृत्व में पिछले एक वर्ष से लगातार आंदोलनरत कर्मचारियों ने सरकार पर उनकी जायज मांगों की अनदेखी का आरोप लगाया। राजपत्रित अधिकारी संघ के अरुण कुमार प्रधान ने कहा कि सरकार को चाहिए कि वह कर्मचारियों की मांगों को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र निराकरण करे, ताकि विकास कार्यों में कर्मचारी पूरी प्रतिबद्धता के साथ सहयोग दे सकें। महामंत्री दिलीप तिवारी ने चेतावनी दी कि यदि 11 सूत्रीय मांगों पर जल्द निर्णय नहीं लिया गया, तो प्रांतीय स्तर पर अनिश्चितकालीन आंदोलन की घोषणा की जाएगी। इस दौरान फेडरेशन के पदाधिकारियों ने 'हल्ला बोल' के नारों के साथ कलेक्टोरेट तक रैली निकालकर अपनी ताकत का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में टेकराम सेन, उमेश भारती गोस्वामी, डॉ. रामकुमार चंद्राकर, एस.पी. ध्रुव, अरुण कुमार प्रधान, दिलीप तिवारी, राकेश थवाईत, राजेश चंद्राकर, दीपक तिवारी, ईश्वर चंद्राकर, एम.एल. ध्रुव, भागवत जगत, भगोलीराम साहू, डी. बसंत साव, उमेश साहू, मुकेश साहू, सुनील साहू, एम.डी. वर्मा सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी-अधिकारी उपस्थित थे।

महापंचायत में फैसला चालीसगांव के समर्थन से नगरवासियों ने शुरू की आंदोलन की तैयारी

कृषि महाविद्यालय भवन निर्माण में आ रही दिक्कत को लेकर करेंगे आंदोलन

■ कृषि मंत्री एवं विधायक के रवैया से क्षेत्र वासीयो में आक्रोश

फिंगेश्वर/ नवप्रदेश। नगर विकास सर्वदलीय सेवा एवं संघर्ष समिति के नेतृत्व में कृषि महाविद्यालय भवन एवं हॉस्टल निर्माण को लेकर 1 वर्ष से कभी विधायक कभी मंत्री कभी कुलपति के बंगले में जा जा कर आवेदन निवेदन करते आ रहे हैं धरना प्रदर्शन चक्का जाम पुतला दहन नगर बंद जैसे सभी जन आंदोलन के तरीके भी अपना चुके किंतु आज भी कॉलेज निर्माण के रास्ते खुल नहीं पाए हैं अंतिम धरना प्रदर्शन चक्का जाम के बाद जिला शासन प्रशासन के अधिकारियों की पहल पर कृषि मंत्री राम विचार नेताम की उपस्थिति में रास्ता निकलने के प्रयास के उद्देश्य से अंतिम बैठक हेतु समिति के एवं नगर पंचायत के लगभग 25 सम्माननीय वरिष्ठ जनों ने 2 घंटा बंगले में मंत्री का इंतजार करने के बाद कृषि मंत्री राम विचार नेता राजीम विधायक रोहित साहू एसडीम महाराणा पटवारी फिंगेश्वर की उपस्थिति में फिंगेश्वर में कॉलेज निर्माण के मुद्दे पर कोई समन्वय नहीं हो पाया नहीं विधायक और मंत्री द्वारा प्रयास किया गया पूर्व नियोजित तरीके से नगर से आए किसी भी सदस्य के साथ सलाह मसूवरा विचार नहीं किया गया समिति के अध्यक्ष भागवत हरित रामू राम साहू अशोक साहू उपस्थित सभी सदस्यों ने 15 करोड़ की लागत से फिंगेश्वर में बनने वाला कृषि महाविद्यालय अब तक क्यों नहीं बन पा रहा है इस पर चर्चा करना एवं निर्णय का उद्देश्य से अपनी बात रखना चाह रहे थे किंतु मंत्री विधायक बिना किसी की परवाह किए सब की उपेक्षा करते हुए चले गए समिति के पदाधिकारी ने इसे अपना अपमान फिंगेश्वर वालों का अपमान मानते हुए अपने अधिकार की लड़ाई आगे भी उग्र रूप में जारी रखने का निर्णय आज 19 मार्च को नवरात्रि के दिन स्थानीय रेस्ट हाउस में प्रस्ताव किया समिति के द्वारा महापंचायत बुलाने की तैयारी एवं चालीसगांव के पंचायत के समर्थन का स्वागत करते हुए आगामी रूपरेखा हेतु बड़ी बैठक बुलाने का निर्णय किया गया।

जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित सिद्धार्थ की हुई सफल सर्जरी

■ बच्चे के लिए जिन आंखें में कभी चिंता से भरी थीं, चिरायु टीम ने जिंदगी बदल दी

महासमुंद/ नवप्रदेश। नगर के तांडी परिवार के लिए वह समय किसी दु:स्वप्न से कम नहीं था, जब उनका मात्र 1 वर्ष 2 माह का मासूम बेटा सिद्धार्थ एक गंभीर जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित पाया गया। नाजुक हालत और आर्थिक तंगी ने परिवार को गहरे संकट में डाल दिया था। हर दिन उम्मीद और डर के बीच गुजर रहा था—क्या उनका बेटा फिर से सामान्य जीवन जी पाएगा। इसी अंधेरे में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की शहरी चिरायु टीम उम्मीद की किरण बनकर सामने आई। आंगनबाड़ी केंद्र में नियमित स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान टीम ने सिद्धार्थ की गंभीर स्थिति को तुरंत पहचान लिया और बिना समय गंवाए उसे नि:शुल्क उपचार के लिए चिन्हित किया। चिरायु टीम के मार्गदर्शन में सिद्धार्थ को रायपुर स्थित नारायणा एमएमआई हॉस्पिटल में रेफर किया गया, जहां विशेषज्ञ डॉक्टरों ने जांच के बाद ओपन हार्ट सर्जरी की आवश्यकता बताई। यह पल परिवार के लिए बेहद भावुक था, लेकिन इस बार उनके साथ था, सरकारी योजना का सहारा और डॉक्टरों का भरोसा।

गर्मी के मौसम में बिजली व्यवस्था दुरुस्त रखने मेंटेनेंस कार्य समय पर पूरा करें : कलेक्टर

■ कलेक्टर ने की सीएसपीडीसीएल के कार्यो की समीक्षा

भाटापारा / नवप्रदेश। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने बुधवार को सीएसपीडीसीएल के अधिकारियों की बैठक लेकर कार्यो की समीक्षा की। उन्होंने गर्मी के मौसम में बिजली व्यवस्था दुरुस्त रखने ट्रांसफार्मर एवं अन्य मेन्टनेन्स कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिये।

कलेक्टर ने कहा कि डिमांड जारी होने के बाद नया ट्रांसफार्मर शीघ्र लगाएं, बिजली से सम्बधित शिकायत का त्वरित निराकरण करें। इसके साथ ही बारिश के पूर्व पेड़ों का शाखा कर्तन का कार्य भी पूरा कराएं ताकि बारिश के समय कोई दुर्घटना न हो। उन्होंने अवैध रूप से हुकिंग कर बिजली का उपयोग पर कार्यवाही करने एवं अस्थाई कनेक्शन से रबी फसल के लिए पानी हेतु बोर का उपयोग पर रोक लगाने के निर्देश दिये।

लक्की का विश्व पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्रिक्स में चयन

महासमुंद/ नवप्रदेश।। ग्राम तुमाडबरी निवासी दृष्टिबाधित खिलाड़ी लक्की यादव ने यह साबित कर दिया है कि हौसलों के आगे कोई भी बाधा बड़ी नहीं होती। दृष्टिबाधित होने के बावजूद लक्की ने कभी हार नहीं मानी। बचपन से ही चुनौतियों से जूझते हुए उन्होंने अपने सपनों को अपनी ताकत बना लिया। उनके पिता कुमार यादव का सहयोग उनके संघर्ष का सबसे मजबूत आधार बना। समाज कल्याण विभाग द्वारा अनुदानित संस्था फॉर्चुन फाउंडेशन के पूर्व छात्र लक्की ने एथलेटिक्स में अपना भविष्य देखा और लगातार मेहनत के दम पर राष्ट्रीय स्तर तक अपनी पहचान बनाई। वर्ष 2020-21 में 400 मीटर और 1500 मीटर दौड़ में रजत पदक, वर्ष 2021-22 में 100 मीटर दौड़ में कांस्य पदक, साल 2026 में दिल्ली में आयोजित विश्व पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्रिक्स में छत्तीसगढ़ से एकमात्र खिलाड़ी के रूप में उनका चयन हुआ। प्रतियोगिता में 1500 मीटर दौड़ में शानदार प्रदर्शन के बावजूद वे पदक से चूक गए, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी।

12 मार्च 2026 को 400 मीटर दौड़ में रजत पदक जीतकर उन्होंने जिले, प्रदेश और देश का नाम गर्व से ऊंचा कर दिया। आज लक्की यादव न सिर्फ एक सफल खिलाड़ी हैं, बल्कि हजारों युवाओं के लिए प्रेरणा बन चुके हैं—यह संदेश देते हुए कि अगर हौसले बुलंद हों, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं।

एनीमिया मुक्त अभियान से महिलाओं में बढ़ा जागरूकता और सशक्तिकरण

कवर्धा/नवप्रदेश। कबीरधाम जिले में ÷एनीमिया मुक्त भारत÷ अभियान अब सिर्फएक स्वास्थ्य कार्यक्रम नहीं, बल्कि महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और एनआरएलएम की संयुक्त पहल से गांव-गांव की महिलाएं अपनी सेहत को लेकर जागरूक हो रही हैं, समय पर जांच और उपचार अपना रही हैं और एक स्वस्थ, आत्मविश्वासी जीवन की ओर कदम बढ़ा रही हैं।जिले में एनीमिया की रोकथाम के लिए 'टेस्ट, ट्रीट और टॉक' रणनीति के तहत विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत मार्च और अप्रैल माह में महिला स्व-सहायता समूहों और संकुल कैडर को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस पहल की शुरुआत 18 मार्च को लोहारा विकासखंड के ओडियाकला संकुल से की गई, जो जिले के सभी विकासखंडों में क्रमशः जारी है। प्रशिक्षण सत्रों में डॉक्टरों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों द्वारा एनीमिया की पहचान, उसके लक्षण, महिलाओं के स्वास्थ्य पर उसके प्रभाव, जांच प्रक्रिया और उपचार की विस्तृत जानकारी दी जा रही है।

जिले में भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ की संभागीय बैठक संपन्न

■ संगठन मजबूती और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर जोर

राजनांदगांव/नवप्रदेश। भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय राजनांदगांव में प्रदेश सहकारिता प्रकोष्ठ की संभागीय परिचयात्मक बैठक उत्साहपूर्वक संपन्न हुई। बैठक में पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का परिचय कराया गया तथा संगठन की आगामी रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में सहकारिता के माध्यम से किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने पर विशेष जोर दिया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश संयोजक प्रवीण दुबे ने संगठनात्मक संरचना पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रत्येक सहकारी समिति में सहकार मित्र तैयार कर किसानों को दुग्ध उत्पादन, मछली पालन जैसे व्यवसायों से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। इससे किसानों की आय में वृद्धि के साथ आर्थिक समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा। जिला भाजपा अध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत ने सहकार से समृद्धि के सिद्धांत को रेखांकित करते हुए सहकारिता के महत्व को समझाया। वहीं महापौर मधुसूदन यादव ने उपस्थित सहकारी बंधुओं से सौजन्य भेंट कर नव-निर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई दी। दुर्ग संभाग प्रभारी जयनारायण सिंह ने संगठन की कार्यप्रणाली और सहकारिता की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए सभी कार्यकर्ताओं से सक्रिय भागीदारी की अपील की।

सुनियोजित तरीके से सुने मकान को बनाते थे निशाना

ताला तोड़कर 4 लाख से ज्यादा की चोरी का हुआ खुलासा

आरोपियो के कब्जे से 100 प्रतिशत आभुषण बरामद

डोंगरगाँव /नवप्रदेश। : प्रवीण कुमार सिंह निवासी राजीव नगर डोंगरगांव द्वारा थाना डोंगरगांव में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि, किसी अज्ञात चोर के द्वारा प्रार्थी के घर में प्रवेश कर आलमारी एवं लॉकर का ताला तोड़कर लॉकर में रखे दो नग सोने के कंगन, 01 नग सोने का मंगलसूत्र, 01 नग सोने की ईयरिंग को चोरी कर ले गया है। रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध थाना डोंगरगांव में अपराध क्रमांक 61/2026 धारा 305(ए), 331(1),317, 3(5) बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

पुलिस अधीक्षक महोदय सुश्री अंकिता शर्मा, के द्वारा तत्काल वैधानिक कार्यवाही करने हेतु निर्देशित करने पर श्रीमान अति पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर व नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती मंजूलता बाज के दिशा-निर्देश में थाना प्रभारी डोंगरगांव प्रशिक्षु आई.पी.एस. आदित्य कुमार एवं निरीक्षक आशीर्वाद राहटगांवकर एवं टीम के द्वारा थाना डोंगरगांव की टीम गठित कर अज्ञात चोर की पतासाजी शुरू की गई।

पतासाजी के दौरान घटना स्थल का निरीक्षण, आसपास के लोगो से पूछताछ तथा आस-पास लगे सी.सी.टी.व्ही. कैमरो के फुटेजों का अवलोकन किया गया। इसके आलावा प्रकरण में मुखबिर लगाकर संम्भावित पुराने आरोपियों की गतिविधियों पर निगाह रखी गई।

संदेह के आधार पर थाना डोंगरगांव पुलिस टीम को घटना में सलिप्त आरोपियों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होने पर थाना डोंगरगांव पुलिस द्वारा आरोपी 1- नमीत निर्मलकर उर्फ सन्नी 2- राहुल कुमार मालेकर दोनो निवासी वार्ड नं. 01 किल्लापारा डोंगरगांव थाना डोंगरगांव जिला राजनांदगांव (छ.ग.) को हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर चोरी की घटना स्वीकार किये एवं चोरी किये गये आभूषणों को तुलीका रायकर एवं आशिष रायकर दोनो निवासी वार्ड नं. 06 चिखली पुलिस चौकी चिखली जिला राजनांदगांव (छ0ग0) को बेचने हेतु दे दिया गया था।

मारवाड़ी युवा मंच 'ग्रेन सिटी की नई टीम घोषित

■ सिद्धार्थ गोलछा अध्यक्ष और आशीष टोडर कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त

भाटापारा / नवप्रदेश। मारवाड़ी युवा मंच, ग्रेन सिटी शाखा भाटापारा की नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया है।जिसमें सिद्धार्थ गोलछा को सर्वसम्मति से अध्यक्ष और आशीष टोडर को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है,वही साकेत माहेश्वरी को सचिव, भावेश अग्रवाल एवं अभिषेक टाटिया को उपाध्यक्ष , वरुण भूसानिया को सहसचिव के पर पर महत्वपूर्ण दायित्व की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

इस नई नियुक्ति पर मारवाड़ी युवा मंच के प्रांतीय अध्यक्ष प्रशांत गांधी* ने हर्ष व्यक्त करते हुए नई टीम को अपनी शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि सिद्धार्थ गोलछा के नेतृत्व में ग्रेन सिटी शाखा सेवा और संगठन के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करेगी। वर्तमान शाखा अध्यक्ष कैलाश बंसल* ने नवीन पदाधिकारियों को बधाई और उनका स्वागत करते हुए कहा,, नया सत्र नया नाम नई ऊर्जा के साथ ज्यादा काम अब होगा। इस अवसर पर शाखा के प्रमुख सदस्यों—गिरधर अग्रवाल, गोपाल शर्मा, आकाश अग्रवाल, अभिषेक टाटिया, वरुण भूसानिया, तुषार अग्रवाल, साकेत माहेश्वरी, कृष्णकांत गोयल, विनोद अग्रवाल , सोनू सिंघानिया,कुशल अग्रवाल , कृष्णकांत गोयल, आदर्श अग्रवाल, विपुल भूसानिया, सुधीर अग्रवाल, भावेश अग्रवाल, राहुल अग्रवाल, अमिताभ शर्मा,मनीष कुमार और संतोष सहित सभी साथियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए नवनियुक्त अध्यक्ष एवं कार्यकारी अध्यक्ष को बधाई देते हुए उनके सफ्ल कार्यकाल की कामना की।

ईद-उल-फितर पर विशेष व्यवस्थाओं के निर्देश, सफाई व सुविधाएं सुनिश्चित करने के आदेश

रायपुर/नवप्रदेश। ईद-उल-फित्तर के मद्देनजर रायपुर नगर निगम ने शहर में विशेष व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए हैं। निगम आयुक्त श्री विश्वदीप ने सभी जोन कमिश्नरों को 21 मार्च 2026 को होने वाले इस पर्व के लिए व्यापक तैयारियां करने के निर्देश दिए हैं।

आयुक्त ने कहा कि शांति समिति की बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार ईद का पर्व शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाया जाना है। इसे ध्यान में रखते हुए शहर की प्रमुख मस्जिदों और ईदगाहों के आसपास विशेष साफ-सफाई, कीटनाशक दवाइयों का छिड़काव, पानी के टैंकरों की व्यवस्था तथा स्ट्रीट लाइट की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

निर्देशों के तहत ईदगाहभाठा मस्जिद, मौदहापारा, छोटापारा, मोमिनपारा, तात्यापारा, पंडरी इरानीडेरा सहित अन्य प्रमुख स्थलों पर विशेष व्यवस्थाएं करने को कहा गया है। साथ ही मुस्लिम बहुल वार्डों में भी साफ-सफाई, पेयजल एवं प्रकाश व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए हैं।

इसके अलावा सीरत मैदान और शास्त्री बाजार क्षेत्र में चूने की लाइनिंग, पानी के टैंकर और पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है, ताकि नमाजियों और आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

ईद-उल-फितर पर नगरवासियों को दी बधाई, स्वच्छ सर्वेक्षण में सहभागिता की अपील

ईद-उल-फित्तर के पावन अवसर पर 21 मार्च 2026 को रायपुर नगर निगम के जनप्रतिनिधियों ने शहरवासियों को मुबारकबाद देते हुए सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की है। साथ ही राष्ट्रीय स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में रायपुर को देश का नंबर-1 स्वच्छ शहर बनाने के लिए नागरिकों से सक्रिय भागीदारी की अपील की गई है।

रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे, सभापति सूर्यकान्त राठौड़, संस्कृति विभाग अध्यक्ष अमर गिदवानी, स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष श्रीमती गायत्री सुनील चंद्राकर सहित सभी एमआईसी सदस्य, जोन अध्यक्षगण और वार्ड पार्षदों ने मुस्लिम धर्मावलम्बियों सहित समस्त नगरवासियों को ईद-उल-फित्तर की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कामना की कि यह पर्व सभी के जीवन में सुख, शांति, स्वास्थ्य और समृद्धि लेकर आए तथा पूरे छत्तीसगढ़ में खुशहाली का संदेश दे।

जनप्रतिनिधियों ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत राष्ट्रीय स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में बेहतर प्रदर्शन के लिए नागरिकों से स्वच्छता एप पर अधिकाधिक संख्या में फीडबैक देने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि शहर को स्वच्छता रैंकिंग में प्रथम स्थान दिलाने के लिए जनसहभागिता बेहद जरूरी है।

नगर निगम ने नागरिकों से अपील की है कि वे स्वच्छता के प्रति जागरूक रहकर और फीडबैक देकर रायपुर को स्वच्छता में देश का अग्रणी शहर बनाने में अपना योगदान दें।

न्यूज गैलरी

आम आदमी पार्टी के सागर क्षीर सागर बने रायपुर जिला कार्यकारी अध्यक्ष

रायपुर/नवप्रदेश। आम आदमी पार्टी ने छत्तीसगढ़ संगठन में बड़ा बदलाव करते हुए अपने समर्पित और अनुभवी कार्यकर्ता सागर क्षीरसागर को रायपुर जिला कार्यकारी अध्यक्ष की महत्वपूर्ण

जिम्मेदारी सौंपी है। इस नियुक्ति के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह और खुशी का माहौल देखने को मिल रहा है। सागर क्षीरसागर लंबे समय से पार्टी के साथ जुड़े हुए हैं और इससे पूर्व रायपुर की दक्षिण विधानसभा अध्यक्ष और रायपुर लोकसभा संगठन मंत्री के पद पर भी रह चुकें हैं। संगठन के प्रति उनकी निष्ठा, ईमानदारी और लगातार मेहनत को देखते हुए पार्टी नेतृत्व ने उन्हें यह अहम जिम्मेदारी सौंपी है। उनकी नियुक्ति की खबर सामने आते ही प्रदेशभर के कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाई दी और विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में रायपुर जिले का संगठन और भी ज्यादा मजबूती से पार्टी का कार्य करेगा और अपने नए दायित्व निभाते हुए पार्टी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे।

एमएमयू-3 के उपचार से 60 वर्षीय बुजुर्ग को दर्द से राहत, दोबारा शुरू किया काम

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी रायपुर के इंदिरा आवास, त्रिमूर्ति नगर स्थित एमएमयू-3 मेडिकल यूनिट द्वारा किए गए उपचार से 60 वर्षीय बुजुर्ग को लंबे समय से हो रहे शरीर और पैरों के तेज दर्द से राहत मिली है। उपचार के बाद उन्होंने दोबारा अपना काम शुरू कर दिया है। जानकारी के अनुसार, रायपुर निवासी श्री बंशी विभार बीते कई दिनों से असहनीय शारीरिक एवं पैरों के दर्द से परेशान थे। दर्द की वजह से उन्हें कामकाज भी बंद करना पड़ा था। इस दौरान एमएमयू-3 की मेडिकल टीम ने उनकी जांच कर आवश्यक दवाइयां एवं चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराया।

लगातार 3 से 4 सप्ताह तक चले उपचार के बाद उनकी सेहत में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। अब वे सामान्य रूप से चल-फिर पा रहे हैं और अपने कार्य में भी वापस लौट चुके हैं। श्री बंशी विभार ने बताया कि घर के नजदीक इस तरह की स्वास्थ्य सुविधा मिलना विशेष रूप से बुजुर्गों और असहाय लोगों के लिए बेहद लाभकारी है, जो दूर जाकर इलाज कराने में सक्षम नहीं होते। उन्होंने उपचार से लाभान्वित होने पर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय, उपमुख्यमंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग श्री अरुण साव, रायपुर नगर निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे तथा एमएमयू-3 इंदिरा आवास, त्रिमूर्ति नगर के मेडिकल टीम स्टाफके प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

वीरांगना अवन्ति बाई लोधी को बलिदान दिवस पर दी गई आदरांजलि

रायपुर/नवप्रदेश। वीरांगना अवन्ति बाई लोधी के बलिदान दिवस पर राजधानी रायपुर में श्रद्धा और सम्मान के साथ उन्हें याद किया गया।

पंडरी स्थित जिला अस्पताल परिसर में उनकी प्रतिमा के समक्ष आयोजित संक्षिप्त पुष्पांजलि कार्यक्रम में नगर निगम के जनप्रतिनिधियों एवं समाज के लोगों ने उन्हें सादर नमन किया। रायपुर नगर पालिक निगम के संस्कृति विभाग के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने राजधानीवासियों की ओर से वीरांगना अवन्ति बाई लोधी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि अवन्ति बाई लोधी का बलिदान देशभक्ति, साहस और स्वाभिमान की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर नगर निगम संस्कृति विभाग अध्यक्ष अमर गिदवानी, एमआईसी सदस्य भोलाराम साहू, पूर्व पार्षद डॉ. प्रमोद साहू, पूर्व पार्षद मोहन उपारकर सहित लोधी क्षत्रिय समाज के पदाधिकारी, महिलाएं, सामाजिक कार्यकर्ता, नवयुवक एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सभी उपस्थित लोगों ने वीरांगना की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उनके योगदान को स्मरण किया और उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

सभी के सहयोग से सफलता पूर्वक संपन्न हुआ विधानसभा का बजट सत्र

- मुख्यमंत्री ने सभी सदस्यों और अधिकारियों को दिया धन्यवाद

रायपुर/नवप्रदेश। विधानसभा के बजट सत्र के सफल समापन पर मंत्रीगण एवं विधायकगण ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से विधानसभा स्थित उनके कार्यालय में भेंट कर उन्हें बधाई दी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर सभी जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया और सफल सत्र के लिए सभी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि सभी के समन्वय और सहयोग से ही यह सत्र सार्थक और सफल बन पाया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि विधानसभा लोकतंत्र का पावन मंदिर है और लोकतांत्रिक मूल्यों को सशक्त बनाना ही इसका मूल दायित्व है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इस बजट सत्र के दौरान लगभग 585 आत्मसमर्पित नक्सलियों ने विधानसभा की कार्यवाही का अवलोकन किया जो एक अत्यंत प्रेरणादायक पहल है। इससे यह संदेश गया है कि राज्य सरकार भटके हुए युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए गंभीरता से कार्य कर रही है, जिसका सीधा संबंध राज्य की आंतरिक सुरक्षा, शांति और समृद्धि से है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बजट सत्र में कुल 15 बैठकें आयोजित हुईं और यह सत्र अत्यंत महत्वपूर्ण एवं परिणामकारी रहा। सत्र के दौरान माननीय राज्यपाल के अभिभाषण पर सदन द्वारा कृतज्ञता व्यक्त की गई तथा वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट पारित किया गया। इसके साथ ही कई महत्वपूर्ण विधायी कार्य भी सम्पन्न हुए।

उन्होंने कहा कि इस सत्र में छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य विधेयक-2026, छत्तीसगढ़ नगर एवं ग्राम निवेश (संशोधन) विधेयक-2026 तथा छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल (संशोधन) विधेयक-2026 जैसे महत्वपूर्ण विधेयक पारित किए गए। साथ ही भर्ती परीक्षाओं में नकल रोकने संबंधी विधेयक तथा छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल विधेयक भी सर्वसम्मति से पारित हुए, जो युवाओं के भविष्य और पारदर्शी भर्ती प्रणाली के लिए मील का पत्थर साबित होंगे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सत्र के दौरान सदन के सदस्यों ने अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की, प्रश्न पूछे और अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याओं को प्रभावी ढंग से उठाया, जो लोकतंत्र की मजबूती का प्रमाण है।

अबुझमाड़िया युवाओं ने देखी विधानसभा में सदन की कार्रवाई

रायपुर/नवप्रदेश। नारायणपुर जिले के सुदूर संवेदनशील एवं पूर्व नक्सल प्रभावित क्षेत्रों से आए अबुझमाड़िया युवाओं ने आज नया रायपुर स्थित नवीन विधानसभा में सदन की कार्यवाही का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। लोकतंत्र के इस जीवंत मंदिर में पहुंचकर युवाओं ने शासन-प्रशासन की विधायी कार्यप्रणाली को करीब से समझा और जनप्रतिनिधियों की भूमिका को अनुभव किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा एवं वनमंत्री श्री केदार कश्यप ने इन युवाओं से मुलाकात की।

स्वामी विवेकानंद युवा प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत आयोजित इस भ्रमण में नारायणपुर के कुतुल, ओरछा, कलमानार, झारावाही, कोडकानार, मुरेहनार, गुमियाबेड़ा, मुरहानार और नेडनार जैसे अति संवेदनशील क्षेत्रों से आए विशेष पिछड़ी जनजाति के अबूझमाड़िया समुदाय के लगभग 147 युवा शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि इन युवाओं में से अधिकांश ने पहली बार रायपुर शहर का भ्रमण किया, जो उनके लिए एक नया और उत्साहजनक अनुभव रहा। विधानसभा पहुंचकर युवाओं ने प्रश्नकाल, चर्चा और निर्णय प्रक्रिया को प्रत्यक्ष रूप से देखा, जिससे उनके भीतर लोकतंत्र के प्रति समझ और जागरूकता का विस्तार हुआ।

कृष्ण कुमार ठाकुर ने एनएमडीसी के निदेशक का पदभार ग्रहण किया

रायपुर/हैदराबाद/नवप्रदेश। भारतीय रेलवे कार्मिक सेवा (आईआरपीएस) के 1998 बैच के अधिकारी श्री कृष्ण कुमार ठाकुर ने भारत के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक एनएमडीसी लिमिटेड में निदेशक (कार्मिक) के रूप में गुरुवार को कार्यभार संभाला। भारतीय रेलवे और केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में ढाई दशक की सेवा के साथ श्री ठाकुर मानव संसाधन प्रबंधन और प्रशासन का व्यापक अनुभव रखते हैं। आपने सोलापुर, भोपाल और मुंबई सहित प्रमुख रेलवे डिवीजनों में महत्वपूर्ण मानव संसाधन कार्यो को संभाला है, और पश्चिमी रेलवे के भर्ती प्रकोष्ठ के अध्यक्ष के रूप में बड़े पैमाने पर भर्ती का नेतृत्व किया है, जिसमें लगभग 12,000 कर्मचारियों की भर्ती की गई है। आपके नेतृत्व में बड़े पैमाने पर भर्तियां करने, जटिल औद्योगिक संबंधों का प्रबंधन तथा उत्पादकता और कर्मचारी कल्याण को बढ़ाने के उद्देश्य से प्रगतिशील मानव संसाधन पहलें प्रारम्भ की गई हैं। राइट्स(आरआईटीईएस) में अपने कार्यकाल के दौरान, वह सऊदी अरब में एक अंतरराष्ट्रीय ट्रेन संचालन परियोजना से जुड़े थे। उन्होंने कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड (केआरसीएल) में मानव संसाधन विभाग का नेतृत्व भी किया, जहां आपने मानव संसाधन नीतियों और प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। एनएमडीसी में कार्य ग्रहण करने से पूर्व, बीएचईएल में निदेशक (एचआर) के रूप में, श्री ठाकुर ने एचआर, विधि और एचएसई में कई पहलों का नेतृत्व किया, जिसमें कार्यप्रणालियों का पुनर्गठन, नीतिगत

सुधार, एक समान प्रोत्साहन योजना की शुरुआत, और कार्यबल की क्षमता बढ़ाने और उन्हें कंपनी में बनाए रखने के लिए बहु-कौशल पहल शामिल हैं। आपने कामगारों की तैनाती में गतिशीलता को बढ़ाने, और उसे बनाए रखने के लिए श्रम शेड के मानक दिशानिर्देश जारी किए गए। आपने तिलका मांझी विश्वविद्यालय, भागलपुर से साहित्य में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की है और टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (टीआईएसएस) से मानव संसाधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीएम-एचआर) किया है। भारतीय रेलवे और बड़े सीपीएसई में मानव संसाधन में श्री ठाकुर का अनुभव एनएमडीसी के जन- केंद्रित पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने में सहायक होगा, साथ ही संगठनात्मक लक्ष्यों के साथ कर्मचारी विकास को संरेखित करेगा।

खेलो इंडिया ट्रायबल गेम्स 2026: तैयारियों को लेकर संभागायुक्त महादेव कांवरे ने ली बैठक

रायपुर/नवप्रदेश। संभागायुक्त श्री महादेव कांवरे की अध्यक्षता में कार्यालय आयुक्त रायपुर संभाग, रायपुर में स्थित सभाकक्ष में खेलो इंडिया ट्रायबल गेम्स 2026 के आयोजन को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में अधिकारियों द्वारा आयोजन की जानकारी एवं रूपरेखा प्रस्तुत की गई। उल्लेखनीय है कि यह प्रतियोगिता 25 मार्च से 3 अप्रैल 2026 तक आयोजित होगी, जिसमें लगभग 3800 प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। संभागायुक्त ने अन्य अधिकारियों सहित अंतर्राष्ट्रीय स्वीमिंग पूल, कोटा स्टेडियम में जाकर आयोजन की तैयारियों का जायज़ा लिया। बैठक में संभागायुक्त श्री कांवरे ने प्रतिभागियों एवं उनके साथ आने वाले सहयोगी स्टाफ की सुविधा के लिए विशेष टीम गठित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और एयरपोर्ट पर स्टॉल स्थापित कर ड्यूटी लगाई जाए, ताकि आगंतुकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने पर्याप्त संख्या में वॉलन्टियर्स की नियुक्ति करने तथा उन्हें आयोजन में अधिक से अधिक भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों जैसे 'बेस्ट वॉलन्टियर' को मेडल, वॉलन्टियर सर्टिफिकेट एवं आयोजन के प्रचार-प्रसार में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सुविचार

शरीर में कोई सुंदरता नहीं होती। सुंदर होते हैं व्यक्ति के कर्म, उसके विचार, उसका व्यवहार, उसका चरित्र और संस्कार। जिसमें यह सब है वह दुनिया में सबसे सुंदर है।

विश्व युद्ध भड़कने का खतरा

विश्व युद्ध भड़कने का खतरा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हटधर्मिता के चलते दुनिया तीसरे विश्व युद्ध के मुहाने पर पहुंचती जा रही है। पिछले 21 दिनों से अमेरिका और इजराइल मिलकर ईरान पर लगातार हमले कर रहे हैं लेकिन ईरान भी झुकने का नाम नहीं ले रहा है। उसने भी इजराइल पर अपने हमले तेज कर दिये हैं। चूंकि ईरान सीधे अमेरिका के खिलाफ हमले नहीं कर सकता इसलिए उसने खाड़ी देशों से लेकर उन मुल्कों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है जो अमेरिका परस्त हैं और वहां अमेरिका ने अपने सैन्य अड्डे बना रखे हैं। ऐसे नौ इस्लामिक मुल्कों पर ईरान पर अपने हमले तेज कर दिये हैं जिससे अमेरिका के सैन्य अड्डे तो तबाह हो रहे हैं उन मुल्कों को भी भारी नुकसान पहुंच रहे हैं। वे सभी देश तेल और गैस उत्पादक हैं और अब ईरान ने उनके तेल भंडारों और गैस संयंत्रों को भी निशाने पर लेना शुरू कर दिया है। इसकी वजह से अब पूरी दुनिया पर तेल और गैस पर संकट गहराने लगा है कई देशों में तो इसे लेकर हाहाकार मच गया है। यदि यह युद्ध और लंबा चला और दुर्भाग्य से विश्व युद्ध के रूप में तब्दिल हो गया तो भयवाह स्थिति निर्मित हो सकती है। यही वजह है कि अब दुनिया के तमाम देश इस जंग को रोकने की अपील कर रहे हैं लेकिन न तो अमेरिका अपनी सनक छोड़ने को तैयार है और न ही ईरान झुकने के लिए राजी है। इस जंग के चलते खुद अमेरिका को भी भारी नुकसान उठाना पड़ा है अमेरिका का रक्षा बजट दुनिया में सर्वाधिक आठ सौ अरब डॉलर है और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संसद में प्रस्ताव पेश किया है कि 200 अरब डॉला अतिरिक्त वार फंड दिया जाए। जिसका अमेरिका की विपक्षी पार्टी ने कड़ा विरोध किया है। उनका कहना है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जंग के नाम पर अमेरिका की अर्थव्यवस्था को चौपट कर रहे हैं। पहले ही अमेरिका का शेयर बाजार गिर गया है और इस जंग की वजह से वहां के लोगों का 76 लाख करोड़ डूब चूका है। इजराइल को भी इरान के हमलों से अरबों रूपये की क्षति पहुंच गई है। वहीं अन्य खाड़ी देशों को भी इस जंग के चलते भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है किन्तु जहां तक ईरान की बात है तो उसके सामने करो या मरो की स्थिति बन गई है और उसने तय कर लिया है कि हम तो डूबेंगे सनम सबको ले डूबेंगे। वाकई इस जंग के चलते पूरी दुनिया को तेल और गैस संकट के रूप में इसके गंभीर दुस्परिणाम भुगतने पड़ रहे हैं। वैसे भी ईरान के पास अब खोने के लिए कुछ नहीं बचा है। इसलिए ईरान ने इजराइल और खाड़ी देशों के ऊपर अपना हमला तेज कर दिया है। ईरान अब चुन चुन कर अमेरिका परस्त खाड़ी देशों के तेल और गैस भंडारों को निशाना बना रहा है। ताकि पूरी दुनिया में तेल और गैस का संकट खड़ा हो और इसके लिए अमेरिका तथा इजराइल को जिम्मेदार मानकर पूरी दुनिया उनके खिलाफ हो जाये। ईरान ने एलान कर दिया है कि वह किसी भी कीमत पर अमेरिका और इजराइल के आगे नहीं झुकेगा और इस जंग को आगे बढ़ाएगा। ईरान के पास अभी भी हथियारों का इतना बड़ा जखीरा है की वह कई महीनों तक जंग लड़ सकता है और अब तो उसे चीन ने भी चोरी छिपे हथियारों की मदद पहुंचानी शुरू कर दी है। ऐसे संकेत मिलें हैं कि रूस भी ईरान की मदद के लिए आगे का सकता है। यदि ऐसा हुआ तो दुनिया में तीसरा विश्व युद्ध होकर रहेगा जो समुचि मानव जाति के लिए बेहदद नुकसानदेह सिद्ध होगा। समझ में नहीं आता कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद अभी तक हाथ पर हाथ धरें क्यों बैठा हुआ है। ईधर कतर ने मांग की है कि यह जंग विनाशकारी सिद्ध हो इसके पहले ही इसे रोकने के लिए प्रभावी पहल की जाये। किन्तु लाख टके का सवाल यह है कि बिल्ली के गले में घंटी बांधे कौन। दुनिया के अधिकांश देश जिसमें सउदी अरब भी शामिल है वे उम्मीद भरी नजरों से भारत की ओर देख रहे हैं कि वह इस युद्ध को विश्व के रूप में तब्दिल होने से बचा सकता है। इसकी वजह यह है कि भारत के ईरान के साथ बेहतर संबंध है और इजराइल के अलावा तमाम खाड़ी देशों के साथ ही भारत की मित्रता है। ऐसे में यदि भारत आगे आता है तो यह जंग रूक सकती है। इस बारे में भारत ने न काहू से दोस्ती न काहू से बैर वाली नीति अपना रखी है। यदि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद अनुरोध करेगा तो शायद भारत आगे आ सकता है।

मोदी-वरुण मुलाकात: सियासत की बर्फ पिघली या सिर्फ औपचारिकता?

भाजपा में लंबे समय से हाशिए पर चल रहे पूर्व सांसद वरुण गांधी की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से हालिया मुलाकात केवल औपचारिक शिष्टाचार थी या इसके पीछे कोई गहरे राजनीतिक संकेत छिपे हैं,यह सवाल राजनीतिक गलियारों में प्रमुख चर्चा का विषय बन गया है। इस मुलाकात ने न सिर्फ उनके व्यक्तिगत राजनीतिक भविष्य को लेकर अटकलों को हवा दी है, बल्कि गांधी परिवार के संभावित पुनर्मिलन की चर्चाओं पर भी फिलहाल विराम लगा दिया है। मुलाकात के बाद वरुण गांधी द्वारा सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर साझा की गई भावनात्मक प्रतिक्रिया विशेष ध्यान खींचती है।

अशोक कुमार साहू

प्रधानमंत्री के प्रति "पितृवत स्नेह और संरक्षण " जैसे शब्दों का प्रयोग केवल औपचारिक कूटनीति नहीं माना जा सकता, बल्कि इसे एक प्रकार के राजनीतिक संदेश के रूप में भी देखा जा रहा है। भारतीय राजनीति में शब्दों और संकेतों की अपनी अलग भाषा होती है, और इस मुलाकात ने उसी भाषा में कई नए प्रश्न खड़े कर दिए हैं। दरअसल, पिछले कुछ वर्षों में वरुण गांधी भाजपा के भीतर एक 'अलग स्वर' के रूप में उभरे थे। किसान आंदोलन, बेरोजगारी, अग्निवीर योजना और ग्रामीण अर्थव्यवस्था जैसे मुद्दों पर उन्होंने खुलकर अपनी ही सरकार की आलोचना की। यह रुख उन्हें आम जनता के एक वर्ग के करीब तो ले गया, लेकिन पार्टी नेतृत्व के साथ उनके संबंधों में दूरी भी बढ़ाता गया। यही कारण रहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में उनका टिकट काट दिया गया।पार्टी का एक ऐसा निर्णय जिसने उनके राजनीतिक भविष्य को अनिश्चितता के घेरे में ला खड़ा किया।

वरुण गांधी का राजनीतिक सफर भी कम दिलचस्प नहीं रहा है। वर्ष 2004 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में भाजपा से जुड़ने वाले वरुण ने बहुत कम उम्र में सक्रिय राजनीति में कदम रखा। शुरुआती दौर में वे एक आक्रामक हिंदुत्ववादी छवि के साथ उभरे और 2009 में पीलीभीत से पहली बार सांसद बने।

हालांकि, 2016 के बाद उनके राजनीतिक विचारों में एक उल्लेखनीय बदलाव आया और उन्होंने खुद को किसानों, युवाओं और ग्रामीण भारत के मुद्दों से जोड़ना शुरू किया। उनकी पुस्तक 'रूरल मेनिफेस्टो' इसी सोच का प्रतिबिंब है, जिसमें उन्होंने कृषि संकट और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर गंभीर चिंतन प्रस्तुत किया। इस बीच उनकी मां मेनका गांधी की राजनीति भी उल्लेखनीय रही।वह 2014 में मोदी सरकार में कैबिनेट मंत्री थी,लेकिन 2019 में सुलतानपुर से सांसद चुने जाने के बाद उन्हे मंत्रिमंडल में जगह नही मिली।सुलतानपुर से सांसद रहते हुए उन्होंने क्षेत्रीय विकास पर निरंतर ध्यान केंद्रित किया और पार्टी के केन्द्रीय एवं राज्य नेतृत्व के सीमित राजनीतिक समर्थन के बावजूद प्रशासनिक स्तर पर प्रभावी कार्य कराए। लेकिन वरुण गांधी के साथ पार्टी नेतृत्व की बढ़ती दूरी का असर मेनका गांधी पर भी पड़ा। उन्हें राष्ट्रीय कार्यसमिति से बाहर किया गया और 2024 में उन्हें भी चुनावी पराजय का सामना करना पड़ा।

भाजपा में उपेक्षा के चलते वरुण गांधी की कांग्रेस से संभावित नजदीकियों की चर्चाएं भी तेज हो गई थीं। उनके गांधी परिवार से रिश्ते और खासकर प्रियंका गांधी के साथ उनके अच्छे संबंधों को देखते हुए यह अटकलें लगाई जा रही थीं कि वे कांग्रेस का रुख कर सकते हैं। हालांकि,राहुल गांधी ने पिछले लोकसभा चुनावों के दौरान ही स्पष्ट किया था कि व्यक्तिगत संबंध अपनी जगह हैं, लेकिन विचारधारात्मक स्तर पर उनके बीच गहरी दूरी है। यही कारण है कि इन संभावनाओं को कभी ठोस आधार नहीं मिल पाया। साथ ही, सोनिया गांधी के रुख को लेकर भी यह माना जाता रहा है कि वे वरुण और मेनका के कांग्रेस में प्रवेश को लेकर पूरी तरह आश्वस्त नहीं थीं।

इसके पीछे पार्टी के भीतर संभावित शक्ति संतुलन और नेतृत्व को लेकर भविष्य की चुनौतियों की आशंका को एक बड़ा कारण माना जाता है। इन सभी परिस्थितियों के बीच प्रधानमंत्री मोदी से हुई यह मुलाकात कई मायनों में निर्णायक संकेत देती है। 2024 में टिकट कटने और तमाम अटकलों के बावजूद वरुण गांधी ने भाजपा के खिलाफकोई खुला मोर्चा नहीं खोला। उनकी यह 'संयमित चुप्पी' अब उनके लिए एक राजनीतिक पूंजी के रूप में देखी जा रही है।

वर्तमान में भाजपा संगठन में भी बदलाव की प्रक्रिया चल रही है और नए नेतृत्व के तहत कार्यकारिणी के पुनर्गठन की संभावनाएं हैं। ऐसे में वरुण गांधी के लिए पार्टी में पुनः सक्रिय भूमिका मिलने की संभावनाओं से इनकार नहीं किया जा सकता। उनकी वक्तृत्व क्षमता, जनसरोकारों से जुड़ाव और युवाओं के बीच उनकी पकड़ उन्हें एक उपयोगी राजनीतिक चेहरा बना सकती है,यदि पार्टी नेतृत्व उन्हें पुनः अवसर देने का निर्णय लेता है।

आखिरकार यह मुलाकात केवल एक व्यक्तिगत शिष्टाचार भेंट नहीं, बल्कि संभावनाओं और संकेतों से भरी एक सियासी घटना है। आने वाले समय में यह स्पष्ट होगा कि यह मुलाकात वरुण गांधी के राजनीतिक पुनरुत्थान की भूमिका बनती है या फिर यह भी भारतीय राजनीति की उन कई घटनाओं में शामिल हो जाएगी, जो चर्चा तो बहुत बटोरती हैं, लेकिन परिणाम सीमित ही देती हैं।

पृथ्वी पर जीवन के आधार स्तंभ हैं वन

योगेश कुमार गोयल

पृथ्वी पर जीवन की निरंतरता केवल मनुष्य या अन्य जीवों के अस्तित्व पर निर्भर नहीं करती बल्कि वृक्षों और वनों की उपस्थिति भी उतनी ही अनिवार्य है। प्रकृति के संतुलन को बनाए रखने में जंगलों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। वन केवल हरियाली का प्रतीक नहीं हैं बल्कि वे असंख्य जीव-जंतुओं के प्राकृतिक आवास, भोजन और सुरक्षा के आधार भी हैं। पृथ्वी पर जीवन के लिए सबसे आवश्यक तत्व ऑक्सीजन है और इसका सबसे बड़ा स्रोत वन ही हैं। पेड़-पौधे वातावरण से कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर उसे ऑक्सीजन में परिवर्तित करते हैं, जिससे पृथ्वी का पर्यावरण संतुलित बना रहता है।

वनों का महत्व केवल ऑक्सीजन तक सीमित नहीं है। वे वर्षा चक्र को बनाए रखने, तापमान को नियंत्रित करने, मिट्टी के कटाव को रोकने और जैव विविधता को संरक्षित रखने में भी बड़ी भूमिका निभाते हैं। वृक्षों की जड़ें मिट्टी को मजबूती से थामे रखती हैं, जिससे भारी वर्षा के दौरान भी भूमि का क्षरण कम होता है और बाढ़ जैसी आपदाओं की संभावना घटती है। जंगलों की उपस्थिति पृथ्वी की जैव विविधता को जीवंत बनाए रखने में भी अहम है क्योंकि अनेक वनस्पतियां और जीव-जंतु केवल जंगलों में ही पनप सकते हैं। दुर्भाग्य से बीते कुछ दशकों में दुनिया भर में वनों की अंधाधुंध कटाई ने इस प्राकृतिक संतुलन को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। बढ़ती आबादी, औद्योगिकीकरण, शहरीकरण और विकास परियोजनाओं के कारण जंगलों का क्षेत्र लगातार सिकुड़ता जा रहा है। इसके साथ ही जंगलों में लगने वाली भीषण आग भी वनों के विनाश का बड़ा कारण बन रही है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्टों के अनुसार पिछले लगभग तीन दशकों में विश्व भर में करीब एक अरब एकड़ वन क्षेत्र समाप्त हो चुका है। एक समय पृथ्वी की लगभग आधी भूमि वनों से आच्छादित थी लेकिन आज यह क्षेत्र घटकर लगभग 30 प्रतिशत रह गया है। वनों के लगातार घटते क्षेत्र का असर मानव जीवन पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। जलवायु परिवर्तन, असामान्य मौसम, सूखा, बाढ़ और तापमान में वृद्धि जैसी समस्याएं उसी का परिणाम हैं। यदि वनों की संख्या कम होती रही तो भविष्य में स्वच्छ वायु, उपजाऊ मिट्टी और शुद्ध जल जैसी बुनियादी आवश्यकताओं का संकट भी गहरा सकता है।

इन्हीं चिंताओं को ध्यान में रखते हुए पूरी दुनिया में लोगों को वनों के महत्व के प्रति जागरूक करने और उनके संरक्षण के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से हर वर्ष 21 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2012 में इस दिवस को औपचारिक रूप से घोषित किया था। इसके बाद से हर वर्ष यह दिवस संयुक्त राष्ट्र वन मंच और खाद्य एवं कृषि संगठन के सहयोग से मनाया जाता है। कुछ इतिहासकारों का मानना है कि यूरोप में वनों की तेजी से हो रही कटाई को लेकर चिंता के कारण 1971 में यूरोपीय कृषि परिसंघ की बैठक में वन दिवस मनाने का विचार सामने आया था। अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस के अवसर पर हर वर्ष एक विशेष विषय भी निर्धारित किया जाता है, जिसके माध्यम से वनों के महत्व को नए दृष्टिकोण से समझने का प्रयास किया जाता है। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस की थीम 'वन और अर्थव्यवस्थाएं' रखी गई है, जिसका उद्देश्य यह रेखांकित करना है कि वन केवल पर्यावरण संरक्षण तक सीमित नहीं हैं बल्कि वैश्विक आर्थिक समृद्धि के महत्वपूर्ण आधार भी हैं।

वन जल संसाधनों की रक्षा करते हैं, मिट्टी की उर्वरता बनाए रखते हैं और अनेक परागण करने वाले जीवों को आश्रय देते हैं, जो कृषि उत्पादन के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। विशेष रूप से वन-आधारित समुदायों और आदिवासी समाजों के जीवन में जंगलों का महत्व अत्यधिक है। इसके साथ ही जंगल कार्बन को अपने भीतर संग्रहित करके जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने में भी सहायक होते हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि पूरी दुनिया मिलकर वनों के संरक्षण के लिए ठोस कदम उठाए। 2021 में ग्लासगो में आयोजित जलवायु सम्मेलन में सौ से अधिक देशों ने वर्ष 2030 तक वनों की कटाई को रोकने का संकल्प लिया था। यदि इस संकल्प को गंभीरता से लागू किया जाए और बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण तथा वन संरक्षण को बढ़ावा दिया जाए तो पृथ्वी के पर्यावरणीय संतुलन को काफी हद तक सुरक्षित रखा जा सकता है। वास्तव में वन केवल प्राकृतिक संपदा नहीं, पृथ्वी पर जीवन के आधार स्तंभ हैं। यदि इन्हें बचाने के लिए समय रहते प्रभावी प्रयास नहीं किए गए तो आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ पर्यावरण और सुरक्षित भविष्य की कल्पना करना कठिन हो जाएगा।

सद्गुरू बोधामृतम्

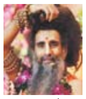

सदगुरू ऋतेश्वर

◆ आदमी का चित्त अशांत, परेशान बाहर वाले के कारण होता है क्योंकि चित्त का अपना स्वभाव तो सदा आनंदित रहना है।

◆ तुम जब तक दूसरों के मन को अपने पक्ष में करने का प्रयत्न करते रहोगे तब तक तुम भिखारी की तरह दु:खी रहोगे और जिस दिन तुम्हें यह समझ में आ गया मैं अपने मन की बात करता हूं, लोग अपने मन की बात करते हैं, मुझे मौज में रहना है, उन्हें अपनी मौज में रहना है, तो आप सु:खी हो जाओगे।

आज का इतिहास

नई दिल्ली वार्ता। 1791 ब्रिटिश सेना ने बेंगलुरू को टीपू सुल्तान से छीन लिया। 1836 कोलकाता में पहले सार्वजनिक पुस्तकालय की शुरुआत, अब इसका नाम नेशनल लाइब्रेरी है। 1857 जापान की राजधानी टोक्यो में आए विध्वंसक भूकंप में करीब एक लाख सात हजार लोगों की मौत हो गई। 1858 - लखनऊ में अंग्रेजों के खिलाफ बगावत की मशाल जलाने वाले सिपाहियों ने आत्मसमर्पण किया। 1887 बम्बई में प्रार्थना समाज की स्थापना। 1954 पहले फिल्मफेयर पुरस्कार समारोह का आयोजन। 1977 जून 1975 में देश में लगाए गए आपातकाल को समाप्त किया गया। 1999 ब्रिटिश हास्य अभिनेता एर्नीवाइस का निधन। 2000 ताइवान की संसद ने चीन के साथ सीधे तौर पर व्यापार और परिवहन पर पिछले 50 सालों से चले आ रहे प्रतिबंध को समाप्त किया। 2000 गिरिजा प्रसाद कोइराला नेपाल के नये प्रधानमंत्री नियुक्त। 2006 रूस और चीन ने रक्षा व ऊर्जा के क्षेत्र में तीन बड़े समझौते किये। 2008 वैज्ञानिकों ने शनि ग्रह के चंद्रमा टाइटन पर महासागर होने के नये साक्ष्य प्राप्त किये।

पाठकों की बात — पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

ढलती शाम देती ये पैगाम, ख्वाहिशों को मिला विराम। फिर नई इक भोर आएगी, ख्वाबों को पंख दे जाएगी। धरा और दूर वो आकाश, मिले न मिलें पर है आस। हर आगाज़ का अंत होता, जन्म लेता वो खत्म होता। बचपन,जवानी या बुढ़ापा चमके सूरज फिर चंद्र आता। समय बदलता,मौसम बदलें, बदलाव प्रकृति है समझ लें। हर रंग,रुप और हाल में जीएं, कभी खुशी कभी ग़म भी पीएं। सुबह के बाद शाम भी आएगी, उम्र का कोई पड़ाव न दोहराएगी।
- कामनी गुप्ता

ग़म में इंसान है , रमज़ान चला जाएगा छोड़कर रोता ये मेहमान चला जाएगा ईद की दे के खुशी मोमिनों को, दूर बहुत ले के रहमत की ये दुक्कान चला जाएगा ये तो अल्लाह का पैग़ाम ले के आया था दे के लब पे हमें मुस्कान चला जाएगा इससे रहमत है मिली और मिली है बरकत ये लुटाते हुए फ़ैज़ान चला जाएगा माँग लो रब से दुआओं में जहन्नम से नजात मोमिनों छोड़ के रमज़ान चला जाएगा ताज़ा ईमान किया और दिया राहे-जन्नत दे के हाथों में ये गुलदान चला जाएगा मोमिनों के लिए ही आया था माहे-रमज़ाँ ये पढ़ाकर हमें कुरआन चला जाएगा आया था आसमाँ से रहमतें लेकर 'ऐनुल' सबको बख्शिश दे के मेहमान चला जाएगा । **- 'ऐनुल' बरौलवी**

कहते हैं कि युद्ध और प्रेम में सब जायज़ है । इस कहावत में सबसे पहले जो प्रतिध्वनित होता है, वह यह है कि प्रेम करना भी युद्ध करने से कम नहीं है । यानी प्रेम युद्ध के समतुल्य है उक्त कहावत की मानें, तो इन दोनों ही प्रक्रियाओं में साम, दाम, दण्ड, भेद में से किसी भी तरीके का उपयोग किया जाए, वह सब उचित ही माना जाएगा । **- कमल मेहर**

कितना आसान हो गया है , अँधेरो में देखना , जब एक चराग़ जलता था , तो कुछ धुधलाता था , वो जलता तो था , पर थरथराता था , डरता था थोड़ा-थोड़ा , मैं भी घबराता था , बुझ गया है तो , कुछ मैं संभल गया हूँ , बेहिचक चलना सिख गया हूँ , नही टकराता अब मैं दीवारों से , गिरता भी नही ,घबराता भी नही , रुकता जरुर हूँ ,पर चलना सिख गया हूँ ।
- नमन कुमार मिश्रा

"रिद्धि दे, सिद्धि दे, वंश में वृद्धि दे, ह्रदय में ज्ञान दे, चित्त में ध्यान दे, अभय वरदान दे, दु:ख को दूर कर, सुख भरपूर कर, आशा को संपूर्ण कर, सज्जन जो हित दे, कुटुंब में प्रीत दे, जग में जीत दे, माया दे, साया दे, और निरोगी काया दे, मान-सम्मान दे, सुख समृद्धि और ज्ञान दे, शान्ति दे, शक्ति दे, भक्ति भरपूर दें..."??
- वंदना गोयल

माता जी का आगमन, खुशियाँ लाता संग। संवत्सर नव देखिये, खिलते कितने रंग॥ खिलते कितने रंग, कनक सम चमके बाली। धान्य होगा भरपूर, भरेगी सबकी थाली। सुमन खिले हर बाग, महक हर जीवन जाता। नवल धवल सा वर्ष, हर्ष ले आती माता॥
- सुमन ओमानिया

राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

मेषः आज आपको किसी ना किसी कारण मानसिक क्लेश बना रहेगा। प्रत्येक कार्य को देख-भाल कर ही करेंगे फिर भी सफलता निश्चित नहीं रहेगी। सरकारी दखल बढ़ने से कार्य क्षेत्र पर दवाब रहेगा।

वृषः आज घर एवं सामाजिक क्षेत्र पर आपके विचारों को पसंद किया जाएगा। अनजान लोग भी आपकी बातों से प्रभावित होंगे नए मित्र एवं जनसंपर्क बनेंगे। परिजन सहयोग करेंगे।

मिथुनः आज का दिन आपकी अपेक्षाओं के अनुसार रहेगा। सामाजिक एवं पारिवारिक क्षेत्र पर आज आप भाग्यशाली माने जाएंगे। आपके अधिकांश कार्य सरलता से बनते चले जाएंगे।

कर्कः आज आप शारीरिक एवं मानसिक रूप से बेहतर अनुभव करेंगे। दिन के आरम्भ में किसी इच्छित कार्य के बनने से मन में उत्साह बढेगा। परिवार में आपसी मतभेद उभर सकते है।

सिंहः आज के दिन आप अपने ही गैरजिम्मेदार व्यवहार के कारण कष्ट उठाएंगे। कार्यो में लापरवाही भी अधिक रहेगी। हर कार्य में शक करने के कारण परिवार अथवा कार्य क्षेत्र पर तनातनी हो सकती है।

कन्याः आज का दिन आनंददायक रहेगा। आज आप लगभग प्रत्येक क्षेत्र पर सफल रहेंगे। सफलता के पीछे परिजनों का भी विशेष योगदान रहेगा फिर भी आज स्वार्थ की मनोवृत्ति अधिक रहने से किसी का अहसान नहीं मानेंगे।

तुलाः आपका आज का दिन भी थोड़ा उतार चढ़ाव वाला रहेगा। संबंधो में चाह कर भी मधुरता नहीं रख पाएंगे। परिजनों से बात-बात पर मतभेद बनेंगे। गलतफहमियां भी आज अधिक परेशान करेंगी।

वृश्चिकः आज के दिन आपके अपने ही बनते कार्यो में अड़चन डाल सकते है जिससे नया विवाद खड़ा होगा। परिजनों के लिए समय निकालें।

धनुः आज के दिन आपको संयमित व्यवहार करने की सलाह है। स्वाभाव में उग्रता रहने से स्वयं जनों से मन दुःख के प्रसंग बन सकते है। आध्यात्म से जुड़े शांति मिलेगी।

मकरः आज के दिन कार्य क्षेत्र के साथ साथ घरेलु कार्य अधिक रहने से व्यस्तता बढ़ेगी। मध्यान का समय धन लाभ के अवसर भी मिलेंगे परन्तु आशा के अनुसार सफलता नहीं मिल पाएगी।

कुंभः आज का दिन आपको मिश्रित फलदायी रहेगा। दिन के पूर्वार्ध में शारीरिक रूप से असमर्थ रहेंगे आलस्य अधिक रहने से उत्साह की कमी रहेगी। सेहत भी धीरे-धीरे सामान्य हो जायेगी।

मीनः आज आपके मन के विचार थोड़ी-थोड़ी देर में बदलते रहेंगे जिससे कोई भी ठोस निर्णय लेने में दिक्कत आएगी।

QUIZ TIME

1) एशिया का सबसे बड़ा ग्रास लैण्ड कौन-सा है?

2) बाल गंगाधर तिलक को लोकमान्य की उपाधि कब मिली?

3) आसमान में सबसे बड़ा नक्षत्र कौन सा है?

4) अप्रैल 2025 में रक्षा साहित्य महोत्सव कलम एंड कवच 2.0 का आयोजन कहाँ हुआ?

5) हाल ही में, पैलास की बिल्ली को भारत के किस राज्य में देखा गया है?

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) बन्नी ग्रास लैण्ड (2) होमरूल आन्दोलन के दौरान (3) हाइड्रा (4) नई दिल्ली (5) हिमाचल प्रदेश

पहेली

शब्द सामर्थ्य -348

मर्डर केस में 6 साल बाद फैसला : 7-7 साल की सजा

भिलाई/नवप्रदेश। जिले के खुर्सीपार क्षेत्र में हुए हत्या की कोशिश के एक मामले में सत्र न्यायालय ने 6 साल बाद फैसला सुनाया है। सत्र न्यायाधीश के. विनोद कुजूर की कोर्ट ने 2 आरोपी लक्ष्मीनारायण उर्फ राजेन्द्र सिंह और इंदर सिंह उर्फटकली को दोषी करार देते हुए 7-7 साल की कठोर कैद की सजा सुनाई है। यह घटना 26 जुलाई 2020 की रात करीब 9:30 बजे खुर्सीपार स्थित बाबा बालकनाथ मंदिर के पास हुई थी। एक मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया, जब आरोपियों ने पीड़ित जितेंद्र सिंह के साथ गाली-गलौज की।

जब जितेंद्र सिंह अपने दोस्तों चिन्नी कृष्णा और रमजान अली के साथ आरोपियों से बात करने पहुंचे, तो विवाद बढ़ गया। आरोपियों ने अचानक चाकू निकालकर हमला कर दिया। लक्ष्मीनारायण ने चिन्नी कृष्णा के हाथ पर वार किया, जबकि इंदर सिंह ने रमजान अली के पेट और पसलियों पर गंभीर हमला किया। हमले में लगी चोटें इतनी गंभीर थीं कि यदि समय पर इलाज न मिलता तो दोनों पीड़ितों की जान जा सकती थी। घटना के तुरंत बाद खुर्सीपार पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की। विवेचना के दौरान पुलिस ने दोनों आरोपियों से हमले में प्रयुक्त चाकू बरामद किए। घटनास्थल का नक्शा तैयार किया गया और गवाहों के बयान दर्ज किए गए, जो अदालत में ठोस साक्ष्य के रूप में प्रस्तुत किए गए। अदालत ने पाया कि अभियोजन पक्ष आरोपों को संदेह से परे साबित करने में सफल रहा। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने स्पष्ट किया कि आरोपियों की मंशा जान से मारने की थी। रमजान अली के पेट और पसलियों पर चाकू से हमला करना स्पष्ट रूप से हत्या के प्रयास की श्रेणी में आता है। अदालत ने धारा 307/34 (हत्या का प्रयास) और 326/34 (गंभीर चोट) के तहत दोनों आरोपियों को दोषी ठहराया। सत्र न्यायाधीश के. विनोद कुजूर ने अपने फैसले में यह भी कहा कि ऐसे गंभीर अपराधों में नरमी न्याय व्यवस्था के लिए घातक साबित हो सकती है। अदालत ने दोनों आरोपियों को हत्या के प्रयास के लिए 7-7 वर्ष के सश्रम कारावास और 1-1 हजार रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई। वहीं, गंभीर चोट पहुंचाने के अपराध में 5-5 वर्ष की अतिरिक्त सजा दी गई। हालांकि, सभी सजाएं एक साथ चलेंगी। जुर्माना नहीं देने की स्थिति में अतिरिक्त 6 महीने की सजा भुगतनी होगी। अदालत ने यह भी आदेश दिया कि आरोपियों को केंद्रीय जेल दुर्ग भेजा जाए।

न्यायालय की टिप्पणी: अपराध पर सख्ती जरूरी

सजा तय करते समय अदालत ने सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि कम सजा देना समाज में कानून के प्रति विश्वास को कमजोर करता है। अपराध की गंभीरता और पीड़ितों को लगी चोटों को देखते हुए कठोर दंड आवश्यक है।

निगम की सख्ती ने रंग लाई : सिलबंद की डर से 2.25 लाख तत्काल जमा

दुर्ग/नवप्रदेश। नगर पालिक निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश पर निगम की लाइसेंस शाखा एवं राजस्व विभाग की टीम न्यू बस स्टैंड स्थित पंजाब बार को सीलबंद करने पहुंची। निगम की कार्रवाई से बार संचालक में हड़कंप मचा और सीलबंदी की कार्रवाई से बचने उसने तत्काल 5 वर्षों का लंबित अनुज्ञा शुल्क कुल 2 लाख 25 हजार मौके पर ही जमा कर दिया। पंजाब बार द्वारा पिछले पांच वर्षों से अनुज्ञा शुल्क जमा नहीं किया गया था। निगम द्वारा इस संबंध में तीन बार नोटिस जारी किए गए, लेकिन संचालक की ओर से न तो कोई जवाब दिया गया और न ही शुल्क जमा करने की पहल की। लगातार अनदेखी के चलते निगम प्रशासन को सख्त कदम उठाते हुए निगम की टीम सीलबंदी की कार्रवाई के लिए मौके पर पहुंची थी। कार्रवाई से नगर निगम अब बकायादारों के खिलाफ किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं करेगा। आयुक्त अग्रवाल ने स्पष्ट कहा कि नगर निगम की आय से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जाएगी। सभी बकायादारों को समय पर अपने कर एवं अनुज्ञा शुल्क जमा करना अनिवार्य है, अन्यथा उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाही के दौरान राजस्व निरीक्षक चंदन मनहरे, अतिक्रमण अधिकारी परमेश्वर, पवन नायक, तिलक नवरंग, आशीष तिवारी, मुकेश पटेल सहित निगम का अमला उपस्थित रहे।

न्यूज गैलरी

निगम की वसूली अभियान ने बकाया जलकर 4 लाख जमा कराया

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा बकाया जलकर वसूली को लेकर अभियान चलाया जा रहा है। निगम प्रशासन ने आज 4 लाख निगम कोष में जमा कराये। आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देश पर राजस्व विभाग की टीम द्वारा बकायेदारों के विरूद्ध लगातार कार्यवाही की जा रही है। टीम ने घर-घर संपर्क कर जलकर जमा कराने के लिए प्रेरित किया, वहीं लम्बे समय से बकाया रखने वाले उपभोक्ताओं को नोटिस भी जारी किये है। शहर में जलकर वसूली को और तेज करने के लिए विशेष अभियान जारी रहेगा। साथ ही नागरिकों से अपील है कि वे समय पर जलकर का भुगतान करें, ताकि दंडात्मक कार्यवाही से बजा जा सके और शहर की जल व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित होती रहे। निगम द्वारा आगे भी इसी तरह की सख्त कार्यवाही जारी रहेगा, जिससे राजस्व में वृद्धि हो सके और विकास कार्यो को गति मिले। इस दौरान राजस्व अधिकारी जेपी तिवारी, बेदखली प्रभारी विनय शर्मा, सहायक हरिओम गुप्ता सहित वसूलीकर्ता एजेंसी के कर्मचारी उपस्थित रहे।

निगम का विशेष बजट सम्मेलन 25 को

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई का वार्षिक बजट महापौर परिषद की बैठक में 17 मार्च 2026 को प्रस्तुत किया गया। निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने महापौर नीरज पाल के समझ आगामी वित्तीय वर्ष का बजट प्रस्तुत किया। बैठक में बजट के विभिन्न प्रावधानों और शहर के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर महापौर परिषद में चर्चा की गई। जिसमें निगम प्रशासन द्वारा बजट में शहर के आधारभूत ढांचे, सफाई व्यवस्था, जल आपूर्ति एवं अन्य आवश्यक सेवाओं को प्राथमिकता देने की बात कही गई है। प्रस्तुत बजट पर विस्तृत चर्चा के लिए विशेष बजट सत्र का आयोजन दिनांक 25 मार्च को किया जाएगा। इस सत्र में पार्षदों द्वारा बजट के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श कर आवश्यक सुझाव दिये जायेगें, जिसके बाद बजट को अंतिम रूप दिया जाएगा।

आईटीआई में 24 को जॉब फेयर

दुर्ग। आदर्श शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था भिलाई द्वारा 24 मार्च 2026 को एक दिवसीय जॉब फेयर का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन जी.ई. रोड पावर हाउस परिसर में होगा, जिसमें विभिन्न कंपनियां आईटीआई, 10वीं और 12वीं पास युवाओं की भर्ती करेंगी। आदर्श औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था से मिली जानकारी के अनुसार इच्छुक अभ्यर्थी सुबह 9.30 बजे से 11 बजे तक रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। उम्मीदवारों को अपने साथ 10वीं, 12वीं एवं आईटीआई की मार्कशीट, प्रमाण पत्र और रिज्यूम लेकर उपस्थित होना होगा। इस जॉब फेयर में कई उद्योग/प्रतिष्ठित कंपनियां भाग ले रही हैं। कर्टेल लाईफसाईस प्राईवेट लिमिटेड द्वारा आईटीआई पास उम्मीदवारों के लिए ट्रेनी ऑपरेटर के पद पर भर्ती की जाएगी। जॉब लोकेशन अकोला दुर्ग रहेगी। वहीं सत्या ट्रकिंग प्रा.लि. द्वारा डीजल मैकेनिक, ट्रैक्टर मैकेनिक, मोटर मैकेनिक, इलेक्ट्रिशियन और फिटर के कुल 36 पदों पर भर्ती की जाएगी। इन पदों की जॉब लोकेशन रायपुर निर्धारित की गई है। इसके अलावा रैंडस्टैण्ड इंडिया जैसी बड़ी कंपनियों में भी भर्ती का अवसर मिलेगा।

क्राइम कंट्रोल की कार्ययोजना: एसएसपी बोले- लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी

भिलाई। जिले में अपराध नियंत्रण के लिए पुलिस ने व्यापक कार्ययोजना बनाई। भिलाई के पुलिस कंट्रोल रूम में एसएसपी विजय अग्रवाल ने सभी राजपत्रित अधिकारियों और थाना प्रभारियों के साथ समीक्षा बैठक की, जिसमें स्पष्ट संदेश दिया गया कि लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और अपराधों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित होगी। बैठक में अपराध नियंत्रण, जांच की गुणवत्ता और प्रशासनिक अनुशासन पर विस्तार से चर्चा हुई। लंबित मामलों को जल्द निपटाने के लिए ठोस रणनीति बनाई गई। वर्ष 2024 से पहले के लंबित अपराध, चालान, मर्ग और शिकायतों को प्राथमिकता पर समाप्त करने के निर्देश दिए गए। थानों में अनावश्यक बोझ कम करने और रिकॉर्ड व्यवस्थित रखने के लिए लावारिस और जब्त संपत्तियों का शीघ्र निराकरण करने पर जोर दिया गया। सभी गंभीर अपराधों में तत्काल एफआईआर दर्ज करने और विवेचना शुरू करने के निर्देश दिए गए। सूचना को नजरअंदाज न करने और वरिष्ठ अधिकारियों को समय पर जानकारी देने पर जोर रखा गया। बाहरी टीम भेजने की आवश्यकता होने पर बिना देरी कार्रवाई सुनिश्चित करनी होगी। जिले में बढ़ते नशे और अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। एनडीपीएस और आबकारी अधिनियम के तहत सख्त कार्रवाई करनी होगी। जुआ-सट्टा मामलों में विशेष टीम गठित कर स्थायी वारंटियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करनी होगी। ईद और नवरात्रि पर्व को देखते हुए पुलिस को विशेष सतर्क रहने के निर्देश दिए गए। संवेदनशील मामलों में अतिरिक्त निगरानी और शांति समिति के पुनर्गठन पर जोर रखा गया। थाना स्तर पर विशेष ड्यूटी लगाकर माहौल शांतिपूर्ण बनाए रखना अनिवार्य होगा।

झूलेलाल मंदिर में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की लगी भीड़, शरबत व प्रसादी का वितरण

भगवान झूलेलाल की शोभायात्रा में उमड़े लोग

दुर्ग/नवप्रदेश। वरुणदेव भगवान झूलेलाल जी की जयंती शुक्रवार को सिंधी समाज द्वारा पूरे श्रद्धा व आस्था के साथ मनाई गई। इस अवसर पर सिंधी कॉलोनी स्थित झूलेलाल मंदिर में सुबह से ही भगवान झूलेलाल और बाराणा साहेब के दर्शन के लिए सिंधी समाज के अलावा अन्य समाज के लोगों का तांता लगा रहा। लोगों ने यहां भगवान झूलेलाल के भजनों पर नाच गाकर अपनी आस्था-भक्ति प्रकट की। जनप्रतिनिधि भी दर्शन के लिए झूलेलाल मंदिर पहुंचे। उन्होने दर्शन कर भगवान झूलेलाल से शहर की सुख समृद्धि एवं खुशियाली के लिए कामना की। इस अवसर पर शदाणी युवा मंडल द्वारा सिंधी कॉलोनी स्टेशन रोड में प्रसाद एवं शरबत का वितरण किया गया। प्रसादी व शरबत वितरण में शदाणी युवा मंडल के अध्यक्ष राजू पाहुजा, अमर बख्तियार, दर्शन किंगरानी, मुकेश मोहनानी, रवि शादीजा, विक्रम अंदानी, जितेन्द्र बत्रा, दिलीप अंदानी, सोना मोहनानी, सर्वानंद पंजवानी, अनिल बदानी, नानक मेघवानी, रोशन गणेशानी, नरेश हितलानी, हीरा जसवानी, अजित खत्री, मनीष मंगलानी, राम रत्नानी एवं अन्य सदस्यों ने सेवा दी, वहीं पूज्य सिंधी जनरल पंचायत और सिंधुड़ी सेवा समिति ने सिंधी धर्मशाला में भंडारा का आयोजन किया। महाप्रसाद वितरण के दौरान पूज्य सिंधी जनरल पंचायत, सिंधुड़ी सेवा समिति के पदाधिकारी व्यवस्था बनाने में जुटे रहे। सिंधी समाज द्वारा शाम को बाराणा साहेब की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा गाजे बाजे के साथ सिंधी कॉलोनी से प्रारंभ होकर पोलसायपारा, इंदिरा मार्केट, पुराना बस स्टैण्ड पहुंची। शाम को शिवनाथ नदी घाट में दीपों से महाआरती का आयोजन किया गया। जहां महाआरती उपरांत बाराणा साहेब का विसर्जन किया गया। इस दौरान शोभायात्रा में शामिल लोगों को शरबत बांटे गए। शोभायात्रा में पूर्व विधायक अरुण वोरा, आर एन वर्मा, कांग्रेस अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल, महापौर अलका बाघमार, राजेश यादव, नीलेश अग्रवाल, शेखर चंद्राकर, नेता प्रतिपक्ष संजय कोहले, जिला भाजपा प्रवक्ता नितेश साहू, कांग्रेस नेता दीपक दुबे, पूज्य सिंधी जनरल पंचायत अध्यक्ष आसनदास मोहनानी सचिव शंकर गणेशानी, झूलेलाल सेवा मंडल अध्यक्ष विक्रम सचदेव, जगदीश सवानी, महेश गणेशानी, डॉ. श्यामदास राजपाल, किशन आहुजा, हशमराम, नरेश तेजवानी आदि उपस्थित थे।

भाजपा व्यापारी प्रकोष्ठ के प्रदेश कार्य समिति के सदस्य बने रणजीत

भिलाई/नवप्रदेश। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश नेतृत्व द्वारा रणजीत सिंह ठाकुर 'राजा' को भाजपा व्यापारी प्रकोष्ठ छत्तीसगढ़ का प्रदेश कार्य समिति सदस्य नियुक्त किया है। श्री ठाकुर पूर्व में भारतीय जनता युवा मोर्चा में प्रदेश स्तर पर विभिन्न पदों पर दायित्व निभा चुके हैं। उनके संगठनात्मक अनुभव और सक्रिय कार्यशैली को देखते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस दायित्व के लिए पार्टी के प्रदेश नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे संगठन की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का पूर्ण प्रयास करेंगे तथा व्यापारी वर्ग की समस्याओं के समाधान हेतु सक्रिय भूमिका निभाएंगे। उन्होंने विशेष रूप से सांसद विजय बघेल, प्रदेश मंत्री अमित साहू एवं प्रमोद सिंह के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए उनके मार्गदर्शन को अपनी कार्यशैली की प्रेरणा बताया। श्री ठाकुर ने कहा कि वे पार्टी की रीति-नीति एवं विचारधारा को व्यापारी जन तक पहुंचाने के साथ ही संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य करेंगे।

खाद्य विभाग ने गोल्डन भारत गैस एजेंसी ने गड़बड़ी मिलने पर जप्त किये सिलेंडर

दुर्ग/नवप्रदेश। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण संचालनालय के निर्देश पर जिले में घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडरों तथा पेट्रोल-डीजल की उपलब्धता एवं आपूर्ति व्यवस्था की सतत निगरानी की जा रही है। इसी परिपेक्ष्य में पद्मनाभपुर स्थित गोल्डन भारत गैस की निरंतर शिकायतें प्राप्त होने पर खाद्य विभाग के जांच दल द्वारा जांच की गई। खाद्य नियंत्रक से प्राप्त जानकारी के अनुसार गोल्डन गैस एजेंसी एक भागीदार फर्म है जिसके 2 भागीदार मोहन लाल धुव्र एवं अंशुमन मढरिया है। जांच में भौतिक सत्यापन में स्टॉक में अंतर पाये जाने के आधार पर घरेलू गैस सिलेंडर (14.2 किग्रा) खाली 838 नग एवं भरे 48 नग, व्यावसायिक सिलेंडर (19 किग्रा) खाली 63 नग तथा 5 किग्रा सिलेंडर 22 नग (खाली) भागीदार अंशुमन मढरिया से जप्त किया गया। प्रशासन द्वारा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि जिले में एलपीजी गैस तथा पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति व्यवस्था सुचारू रूप से बनी रहे, जिससे आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

पानी समस्या पर सख्ती, महापौर ने ली अधिकारियों की बैठक

■ अवैध पानी खींचने पर कड़ी कार्रवाई, कनेक्शन काटने और जुर्माने की चेतावनी

दुर्ग/नवप्रदेश। वार्ड 59 हरी नगर में जल आपूर्ति से जुड़ी समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए महापौर अलका बाघमार द्वारा जल कार्य प्रभारी लीना दिनेश देवांगन, देवनारायण चंद्रकार, ज्ञानेश्वर ताम्रकर, पार्षद गोविंद्र देवांगन, शिवेंद्र परिहार सहित संबंधित अधिकारी प्रभारी कार्यपालन अभियंता प्रकाश चंद थावनी, सहायक अभियंता गिरीश दिवान, विनोद मांझी, जल कार्य निरीक्षक नारायण सिंह ठाकुर के साथ बैठक ली गई। बैठक में वार्ड के विभिन्न क्षेत्रों में पानी की समस्या, अनावश्यक जल बहाव एवं वितरण व्यवस्था की समीक्षा की गई। महापौर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि वार्ड क्षेत्र में जहां-जहां अनावश्यक रूप से पानी बह रहा है, वहां सार्वजनिक नलों में टोटी लगवाकर पानी की बर्बादी को तत्काल रोका जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पानी की समस्या को प्राथमिकता के साथ लेते हुए शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम नागरिकों को राहत मिल सके। महापौर ने आगे कहा कि शहर के ऐसे क्षेत्र जहां अब तक पाइपलाइन नहीं पहुंच पाई है, वहां जल्द से जल्द पाइपलाइन विस्तार की कार्ययोजना बनाकर क्रियान्वयन किया जाए। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि नलों से टुल्लू पंप लगाकर अवैध रूप से पानी खींचने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। ऐसे मामलों में पंप जप्त करने के साथ संबंधित नल कनेक्शन को काटा जाएगा और नियमानुसार जुर्माना भी वसूला जाएगा। अधिकारियों से कहा कि जल प्रबंधन को लेकर पूरी गंभीरता और जवाबदेही के साथ कार्य करें तथा वार्ड में किसी भी प्रकार की पानी की समस्या लंबित न रहे, इसका विशेष ध्यान रखा जाए।

बीएसपी के सिंटर प्लांट-3 को मिला प्रोत्साहन

भिलाई/नवप्रदेश। इस्पात संयंत्र में सतत एवं पर्यावरण अनुकूल इस्पात उत्पादन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए सिंटर प्लांट-3 के मशीन-1 में हॉट एयर फैन (अनक्लीन-1 एवं 2) का सफ्लतापूर्वक पुनः संचालन एवं लोकार्पण किया गया। उल्लेखनीय है कि ये फैन पिछले 12 वर्षों से निष्क्रिय थे, जिन्हें संयंत्र के डीकार्बोनाइजेशन प्रोजेक्ट के अंतर्गत पुनर्जीवित किया गया है। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (एम एंड यू) बीके बेहेरा ने हॉट एयर फैन का उद्घाटन किया। इस दौरान मुख्य महाप्रबंधक (मेकैनिकल) प्रमोद सिंह, मुख्य महाप्रबंधक (शॉप्स) एच.के सचदेव, मुख्य महाप्रबंधक (ओएचपी एवं एसपी-3) सजीव वर्गीज तथा महाप्रबंधक (ऑपरेशन) एससी चंवारिया सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है हॉट एयर फैन के कमिशन कर पुनः संचालन से वायु संचार में सुधार होगा तथा अपशिष्ट ऊष्मा का प्रभावी उपयोग संभव हो सकेगा। इससे प्रक्रिया की स्थिरता एवं तापमान नियंत्रण में सुधार होने के साथ-साथ प्रति टन सिंटर में कोक की खपत लगभग 0.5 किलोग्राम तक कम होगा, जिससे संयंत्र के समग्र कार्बन फुटप्रिंट में भी कमी आएगी। इस उपलब्धि को महाप्रबंधक (एमएम) आई.वी. रमणा के मार्गदर्शन में सफ्लतापूर्वक प्राप्त किया। जिनकी टीम ने योजना निर्माण, पुनर्नवीनीकरण एवं कमीशनिंग तक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सेवा संकल्प समिति सदस्यों ने जनहित के मुद्दों को लेकर पालिका में सौंपा ज्ञापन

कुम्हारी/नवप्रदेश। सेवा संकल्प समिति द्वारा नगर की विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर मुख्य नपा अधिकारी एवं नपा अध्यक्ष को ज्ञापन सौंपा। समिति ने नगर में व्याप्त गंभीर समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए इसके त्वरित समाधान की मांग की है। समिति के सदस्यों ने बताया कि समिति हमेशा से धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों में सक्रिय रही है और नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर प्रयासरत रहती है। इसी कड़ी में नगर की ज्वलंत समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया है। सदस्यों ने कहा कि नगर के अधिकांश वार्डों में नालियां जाम, जगह-जगह गंदगी का अंबार लगा हुआ है। गर्मी बढ़ने के साथ मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ है, जिससे संक्रामक बीमारियों का खतरा मंडरा रहा है। नियमित सफाई, कीटनाशक छिड़काव और फॉगिंग की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की। समिति ने चेतावनी दी कि इन समस्याओं पर शीघ्र कोई ठोस एवं सकारात्मक कार्रवाई नहीं की गई, तो आम जनता के हितों की रक्षा के लिए समिति के सदस्यों द्वारा नगर पालिका का घेराव एवं उग्र धरना प्रदर्शन होगा। इस दौरान प्रणव श्रीवास्तव, सुजीत यादव, आलोक दुबे, हीरा सिन्हा, सुरेंद्र शर्मा, पुरेंद्र साहू, हरीश सोनी, भूपेंद्र मानिकपुरी, गोविंद बघेल, दीपक बैस आदि मौजूद थे।

सामूहिक हनुमान चलीसा के साथ हुई महाआरती : हजारों की संख्या में युवाओं ने भगवा रैली में दी सहभगिता

हिन्दू नववर्ष पर सेक्टर-9 चौक में लहराया विशाल भगवाध्वज

भिलाई नगर/नवप्रदेश। हिन्दू नववर्ष विक्रम संवत 2083 के पावन अवसर पर श्रीराम जन्मोत्सव समिति भिलाई द्वारा आज सेक्टर-09 चौक में भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर विशाल भगवा ध्वजारोहण किया और सामूहिक रूप से श्री हनुमान चालीसा का पाठ हुआ और श्रद्धालुओं ने मिलकर भव्य महाआरती की। आयोजन स्थल पर उमड़े जनसैलाब ने पूरे वातावरण को भक्तिमय और ऊर्जावान बना दिया। कार्यक्रम पश्चात समिति के सदस्यों एवं पदाधिकारियों द्वारा हनुमान मंदिर सेक्टर 09 में बजरंग बली का आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम की शुरुआत सिविक सेंटर से निकली विशाल भगवा रैली से हुई। इस रैली में विभिन्न प्रखंडों से आए श्रीराम भक्तों और युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। भगवा ध्वजों और जयघोष से पूरा मार्ग गूंज उठा। रैली में नगर के अनेक सामाजिक संगठनों के सदस्य भी शामिल हुए, जिन्होंने अपनी उपस्थिति से आयोजन को और अधिक भव्य बना दिया। रैली के दौरान श्रद्धालुओं ने (जय श्रीराम) के नारों से वातावरण को धर्ममय कर दिया। रैली पश्चात सेक्टर-09 चौक पर विशाल भगवा ध्वजारोहण किया गया। ध्वजारोहण के साथ ही श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से श्री हनुमान चालीसा का पाठ किया। हजारों की संख्या में उपस्थित भक्तों ने एक स्वर में चालीसा का पाठ कर आस्था और ऊर्जा का अद्वितीय संगम प्रस्तुत किया। इसके बाद भव्य महाआरती संपन्न हुई, जिसमें श्रद्धालुओं ने दीप जलाकर प्रभु श्रीराम और हनुमान जी के चरणों में अपनी श्रद्धा अर्पित की।

इस अवसर पर समिति के युवा विंग अध्यक्ष मनीष पाण्डेय ने सभी को हिन्दू नववर्ष की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि हिन्दू नववर्ष केवल कैलेंडर का बदलाव नहीं है, बल्कि यह हमारी संस्कृति, परंपरा और आध्यात्मिकता का उत्सव है। उन्होंने बताया कि श्रीराम जन्मोत्सव समिति पिछले 40 वर्षों से लगातार श्रीरामनवमी महाउत्सव का आयोजन करती आ रही है, जो आज भिलाई ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश में आस्था और एकता का प्रतीक बन चुका है। पाण्डेय ने कहा कि समिति का उद्देश्य समाज में एकता, आस्था और संस्कृति का संदेश देना है। उन्होंने युवाओं से विशेष रूप से अपील की कि वे इस आयोजन में शामिल होकर अपनी ऊर्जा और उत्साह से वातावरण को और अधिक भव्य बनाएँ। कार्यक्रम को समिति के प्रांतीय महामंत्री बुद्धन ठाकुर ने भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज को जोड़ने और युवाओं को अपनी संस्कृति से जोड़ने का माध्यम हैं। श्रद्धालुओं से कहा कि वे आगामी श्रीरामनवमी महाउत्सव में भी अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर इसे भव्यता प्रदान करें। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति की परंपराओं को जीवंत बनाए रखना समिति का संकल्प है। आयोजन में विभिन्न सामाजिक संगठनों के सदस्य, युवा और महिलाएँ बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सामूहिक हनुमान चालीसा और महाआरती ने वातावरण को आलोकित कर दिया।

भारतीय नववर्ष पर 'स्वर्वेद यात्रा' में शामिल हुईं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष रंजना साहू

कुरूद/नवप्रदेश। भारतीय नववर्ष के पावन अवसर पर श्यामनगर, बठेना वार्ड धमतरी में आयोजित 'स्वर्वेद यात्रा' कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं धमतरी की पूर्व विधायक श्रीमती रंजना डीपेंद्र साहू शामिल हुईं। विहंगम योग संत समाज जिला धमतरी द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं नागरिक उपस्थित रहे, कार्यक्रम में स्वर्वेद के महत्व एवं उसके आध्यात्मिक संदेशों का विस्तार से वर्णन किया गया। इस दौरान उपस्थित जनसमूह को स्वर्वेद के माध्यम से जीवन में सकारात्मकता, आत्मज्ञान एवं आध्यात्मिक उन्नति की दिशा में आगे बढ़ने का संदेश स्वर्वेद यात्रा निकाल कर दिया गया। इस अवसर पर श्रीमती रंजना डीपेंद्र साहू ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारतीय संस्कृति में नववर्ष का विशेष महत्व है, जो हमें नए संकल्प और सकारात्मक ऊर्जा के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि स्वर्वेद केवल एक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक सशक्त दिशा है, जो व्यक्ति को आत्मज्ञान और सत्य के मार्ग पर अग्रसर करता है। श्रीमती साहू ने विहंगम योग के सिद्धांतों की सराहना

करते हुए कहा कि ऐसे आध्यात्मिक आयोजनों से समाज में नैतिक मूल्यों का संवर्धन होता है और आपसी सद्भाव को बढ़ावा मिलता है। श्रीमती रंजना साहू ने आगे कहा कि वर्तमान समय में समाज को आध्यात्मिक मार्गदर्शन की आवश्यकता है, जिससे व्यक्ति अपने जीवन में संतुलन और शांति स्थापित कर सके। श्रीमती रंजना साहू ने विहंगम योग संत समाज जिला धमतरी को इस सफल कार्यक्रम के लिए बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज को एक नई दिशा देने का कार्य करते हैं।

कार्यक्रम में विहंगम योग संत समाज के पदाधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही। सभी ने भारतीय नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए समाज में सद्भाव, शांति और समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर पार्षद श्यामलाल नेताम, पार्षद भारती साहू, एच.एल. चक्रधारी, नारायण साहू, टिकेश्वर साहू, उमेश साहू, संजय साहू, धनंजय साहू, दुर्योधन साहू, बलीराम साहू, गैंदलाल साहू, श्रीमती लक्ष्मी साहू, श्रीमती महालक्ष्मी बघेल, श्रीमती महेश्वरी चक्रधारी, फलेंद्र गंगापले, व्यास नारायण साहू, हीरा निषाद, विजय कुमार ध्रुव, गोपाल निषाद, सुश्री अर्चना बघेल, दीनदयाल साहू, परमेश्वर साहू सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

ढाबा के करीब खेत से मिली शराब

महासमुंद। पिथौरा पुलिस ने बरतुंगा ढाबा के खेत से शराब जब्त कर अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि बरतुंगा ढाबा/होटल के बगल खेत में लावरिस हालत में एक थैला मिला, जिसमें से 35 नग शोले देशी प्लेन शराब (कीमत 2800 रुपए) व 03 नग व्हिस्की (कीमत 360 रुपए) बरामद कर अज्ञात के विरूद्ध धारा 34 (2) आबकारी एक्ट के तहत जुर्म दर्ज किया गया है।

न्यूज गैलरी

नेत्र सहायक अधिकारी ने दी जानकारी लक्षण दिखते ही कराएं उपचार

डोंगरगांव/नवप्रदेश। गर्मी का मौसम अपने साथ जहां तेज धूप

और लू लेकर आता है वहीं यह आंखों से जुड़ी समस्याओं को भी बढ़ा देता है। विशेष रूप से कंजंक्टिवाइटिस जिसे आम भाषा में रेड आई या आई फ्लू कहा जाता है इन दिनों तेजी से फैलने वाली बीमारी बन जाती है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गैंदाटोला में पदस्थ नेत्र सहायक अधिकारी डॉ. मुकेश साहू ने लोगों को इस बीमारी के प्रति सतर्क रहने की सलाह दी है। उन्होंने बताया कि समय पर पहचान और सही सावधानी से इस संक्रमण से बचा जा सकता है। यह आंख की पारदर्शी झिल्ली कंजंक्टिवा में सूजन होने की स्थिति है जिसमें आंखें लाल हो जाती हैं जलन होती है और स्राव डिस्चार्ज निकलता है। यह समस्या सामान्यतः 1 से 2 सप्ताह तक रह सकती है। डॉ. साहू के अनुसार इसके मुख्य कारण हैं वायरल संक्रमण सबसे आम, अक्सर सर्दी-जुकाम के साथ बैक्टीरियल संक्रमण जैसे स्टैफिलोकोकस या स्ट्रेप्टोकोकस एलर्जी धूल, परागकण, पालतू जानवर या कॉन्टैक्ट लेंस जलन पैदा करने वाले तत्व धूल, धुआं, रसायन, गर्म हवा।

देवपुर नेचर कैंप में फोटोग्राफी कार्यशाला सम्पन्न

कसडोल/नवप्रदेश। वनमण्डलाधिकारी धम्मशील गणवीर के

निर्देशानुसार बलौदाबाजार वनमण्डल अंतर्गत देवपुर नेचर कैंप में 18 से 19 मार्च तक वाइल्ड लाइफ एंड नेचर फोटोग्राफी वर्कशॉप का आयोजन किया गया । इस दो दिवसीय कार्यशाला में वनकर्मियों, युवान वॉलेंटियर्स एवं विद्यार्थियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला में बलौदाबाजार वनमण्डल के विभिन्न परिक्षेत्रों से वनकर्मी, युवान वॉलेंटियर्स तथा एएएफटी यूनिवर्सिटी से आए छात्र-छात्राओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को फोटोग्राफी की मूल अवधारणाएँ, कैमरा एवं लेंस का उपयोग, प्रकाश की समझ, मोबाइल फोटोग्राफी तकनीक,डीएसएलआर एवं मिररलेस कैमरों के आधारभूत सिद्धांत, एक्सपोज़र ट्रायंगल, फोकस एवं कैमरा हैंडलिंग जैसे विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई।इसके साथ ही प्रकृति एवं वन्यजीव फोटोग्राफी के दौरान अवलोकन की तकनीक, फ्रेमिंग, रूल ऑफ थर्ड्स, प्राकृतिक प्रकाश का उपयोग एवं रचनात्मक कम्पोज़िशन पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिभागियों को नेचर ट्रेल पर ले जाकर वास्तविक परिस्थितियों में फोटोग्राफी का अभ्यास कराया गया, जिससे उन्हें प्रकृति के बीच सीखने का अनुभव प्राप्त हुआ।

भाऊराम ने प्रज्जवलित की मनोकामना ज्योति

महासमुंद/नवप्रदेश। चैत्र नवरात्रि के प्रथम दिवस नगर के प्रसिद्ध कुलदेवी माँ महामाया मंदिर में भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा

के जिला उपाध्यक्ष एवं पार्षद भाऊराम साहू ने मनोकामना ज्योति प्रज्वलित कर नगरवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा। मंदिर समिति अध्यक्ष कन्हैया शुक्ला, सदस्य राजेश नायक, कमलेश चंद्राकर, पुणेन चंद्राकर एवं सागर चंद्राकर ने भी श्रद्धापूर्वक ज्योति जलाकर माता का आशीर्वाद प्राप्त किया।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बुजुर्ग की मौत

महासमुंद/नवप्रदेश। बसना पुलिस ने अज्ञात वाहन की टक्कर से एक बुजुर्ग की मौत के मामले में आरोपी वाहन चालक के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक तोषगांव निवासी जनक नाग (52) 08 मार्च को अलेख प्रधान के घर शादी में शामिल होने गया था। रात करीब 9.30 बजे पैदले घर वापस जा रहा था। सतपत पब्लिक स्कूल तोषगांव के सामने पहुंचने पर पीछे से अज्ञात वाहन के चालक उन्हें ठोकर मार दिया। जिससे जनक नाग की मौत हो गई। रिपोर्ट पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ बीएनएस की धारा 106(1) के तहत अपराध दर्ज कर लिया गया है।

नपाध्यक्ष ने शोभायात्रा का किया स्वागत

महासमुंद/नवप्रदेश। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी हिंदू नव वर्ष

के अवसर पर तुमगाँव रोड स्थित माँ शारदा भवानी मंदिर से माँ दुर्गा मंदिर बरोंडा चौक तक भव्य शोभायात्रा निकाली गई। जिसका स्थानीय कचहरी चौक स्थित अटल परिसर के समीप नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू ने स्वागत किया। तथा शोभायात्रा में शामिल लोगों को आइस्क्रीम का वितरण किया। शोभायात्रा के दौरान मुख्य मार्ग पूरी तरह आध्यात्मिक और उत्साहपूर्ण रंगों में डूबा नजर आया। जिसमें हजारों की संख्या में सनातन प्रेमियों और विभिन्न हिंदूवादी संगठनों ने हिस्सा लिया। इस दौरान आकर्षक झांकियों की प्रस्तुति ने लोगों को आकर्षित किया। पालिकाध्यक्ष ने नगर जनों को हिन्दू नववर्ष की बधाई दी। इस अवसर पर प्रमुख रूप से रिन्कू चंद्राकर, पार्षद नीरज चंद्राकर एवं बड़ी संख्या में युवा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पुलिस चेकिंग में 5 दिन में 1.47 करोड़ की बरामदगी

75 लाख कैश और 2 लग्जरी कारें जब्त

महासमुंद/नवप्रदेश। जिले में अंतरराज्यीय सीमा पर चलाए जा रहे चेकिंग अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। बसना और थाना बलौदा पुलिस ने अलग-अलग कार्रवाइयों में कुल 75 लाख 20 हजार रुपये की नगदी और लग्जरी वाहन जब्त की है।

पहली कार्रवाई में बसना पुलिस ने ओडिशा के पदमपुर से छत्तीसगढ़ की ओर आ रही एक संदिग्ध टोयोटा हाईराइडर कार (सीजी 04 क्यू यूं 6591) को पलसापाली नाका पर घेराबंदी कर रोका। तलाशी के दौरान वाहन से 32 लाख 50 हजार रुपये नकद बरामद हुए। कार में सवार आरोपियों की पहचान आशु बंसल (मुरैना/रायपुर) और चालक महेंद्र चौहान (बालाघाट) के रूप में हुई।

वहीं दूसरी कार्रवाई में बलौदा थाना पुलिस ने सिरपुर नाका पर चेकिंग के दौरान एक एक्सयूवी कार (ओडी 08 एए 4159) से 15 लाख रुपये नकद बरामद किए। वाहन में सवार केशव अग्रवाल और गोविंद चंद मुंड (दोनों ओडिशा निवासी) रकम के संबंध में कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके।

पुलिस ने दोनों मामलों में आरोपियों से पूछताछ के दौरान रकम के स्रोत और परिवहन से जुड़े दस्तावेज मांगे, लेकिन संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर बीएनएस की धारा 106 के तहत नगदी और वाहनों को जब्त कर लिया गया। कार्रवाई में बसना पुलिस ने 32.50 लाख रुपये नकद और करीब 17.5 लाख कीमत की कार, जबकि बलौदा पुलिस ने 15 लाख रुपये नकद, 10 लाख की ङ्गङ्क कार और एक मोबाइल फोन जब्त किया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आयकर विभाग को भी सूचना देकर विस्तृत जांच के लिए रिपोर्ट भेज दी है। बता दें कि जिले में पिछले 5 दिनों में पुलिस कुल 1 करोड़ 47 लाख 50 हजार 480 रुपये नकद जब्त किए जा चुके हैं, जिससे अवैध नगदी परिवहन पर सख्ती साफ नजर आ रही है।

90 हजार के गांजा के साथ 2 युवक गिरफ्तार

महासमुंद। जिले में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस को एक और बड़ी सफलता मिली है। सिटी कोतवाली पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो युवकों को गांजा बेचते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली थी कि नयापारा स्थित दलदली रोड काली मंदिर के पास दो युवक सफेद प्लास्टिक थैले में गांजा रखकर बिक्री के लिए ग्राहक तलाश रहे हैं। सूचना पर तत्काल पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और दोनों आरोपियों को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान आरोपियों के कब्जे से 1.800 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ, जिसकी कीमत करीब 90 हजार रुपये आंकी गई है। इसके अलावा एक मोबाइल फोन (कीमत 4 हजार रुपये) और 460 रुपये नगद भी जब्त किए गए।

सीएम विष्णु देव साय एवं उप सीएम अरुण साव जल्द आएँगे धमतरी

■ भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष रंजना साहू ने धमतरी आने का दिया निमंत्रण

धमतरी/नवप्रदेश। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं उपमुख्यमंत्री अरुण साव जल्द आएंगे हैं धमतरी,दरअसल भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष पूर्व विधायक रंजना डीपेंद्र साहू ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं उपमुख्यमंत्री अरुण साव को धमतरी आने का निमंत्रण दिया है,जिसपर सहमति देते हुए उन्होंने जल्द धमतरी आने का आश्वासन दिया है,श्रीमती साहू ने बताया कि प्रदेश में भाजपा की विष्णु देव साय की सरकार बनने के बाद से लगातार अब विकास को गति मिल रही है मुख्यमंत्री जी का धमतरी के प्रति भी विशेष स्नेह रहा है और उन्होंने धमतरी को अनेक सौगातें दी हैं आने वाले समय में भी वे धमतरी को कई बड़ी सौगातें देकर धमतरी को विकसित जिला बनाएँगे,सरकार बनते ही धमतरी के लिए कई कार्य स्वीकृत हुए जिनका लोकार्पण एवं भूमिपूजन मुख्यमंत्री एवं उपमुख्यमंत्री जी के करकमलों द्वारा होना है जिसमें आमदी एवं धमतरी के करोड़ों रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण होना है,साथ ही ब्राह्मण समाज को नवीन भवन की सरकार द्वारा मिलने जा रहा है,इसके लिए हमने उन्हें धमतरी आने के लिए आमंत्रित किया है जिसपर उन्होंने सहर्ष आने की सहमति दी है।

डोंगरगांव पुलिस ने चोरी की वारदात का किया खुलासा, शातिर आरोपी गिरफ्तार

डोंगरगांव/नवप्रदेश। थाना डोंगरगांव क्षेत्र अंतर्गत ग्राम रूदगांव साकरीपार में हुई चोरी की घटना का पुलिस ने सफलतापूर्वक खुलासा करते हुए एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से चोरी गया सामान भी बरामद कर लिया गया है।

प्रार्थिया मौसमी निषाद (35 वर्ष), निवासी ग्राम रूदगांव साकरीपार, ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि दिनांक 29 जनवरी 2026 को अज्ञात आरोपी द्वारा उनकी दुकान से करीब 25,000 रुपये

नगद चोरी कर लिए गए। इसी रात गांव के जीतेश्वर साहू के ट्रैक्टर से एक्साईज कंपनी की बैटरी एवं हाइड्रोलिक पट्टी सहित कुल 31,500 रुपये की सामग्री चोरी कर ली गई थी।

मामले में थाना डोंगरगांव में अपराध क्रमांक 83/2026 धारा 305(ए), 331(2) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देश पर ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ती चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने हेतु त्वरित कार्रवाई की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर एवं नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती मंजूलता बाज के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी प्रशिक्षु आईपीएस आदित्य कुमार एवं निरीक्षक आशीर्वाद राहटगांवकर के नेतृत्व में टीम गठित कर विवेचना की गई।

वन मंडल परिक्षेत्र परसुली में भारी भ्रष्टाचार

छुरा/नवप्रदेश। वनविभाग का दूसरा नाम भ्रष्टाचार विभाग कहा जाय तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी, जिले के श्रमिकों के हाथ खाली हैं राजस्थान के लोगों को काम देकर भ्रष्टाचार कर अतिरिक्त कमाई करना वन अमले शान समझते हैं। गरियाबंद पूर्व वन मंडल अन्तर्गत परसुली वन परिक्षेत्र में लाखों रुपए की स्वीकृति से जंगलों में जंगली जानवरों के प्यास बुझाने एवं बरसाती पानी कों रोककर जल स्तर को बनाए रखने के उद्देश्य से डबरी तालाब निर्माण कार्य मजदूरों से कराकर वन समितियों के ग्रामीण वनवासियों को मजदूरी

मुहैय्या करायें जाने के लिए विभाग की दूरगामी सोच को स्थानीय वन अमला अपने लिए अतिरिक्त कमाई का साधन समझकर जेसीबी मशीन से तालाब डबरी का निर्माण कार्य किये है, उक्त निर्माण कार्य से छत्तीसगढ़ के श्रमिकों को लाभ तो नहीं मिला , दूसरे राज्य हरियाणा, राजस्थान के ट्रेक्टर जेसीबी मशीन वालो को लाभ मिला मस्टररोल में स्थानीय लोगों का नाम दर्ज कर बैंक खाते में ई भुगतान कर वन अमले ने मजदूरों एक दिन का मज़दूरी देकर शेष रकम वापस लेकर राजस्थानी, हरियाणा के तालाब निर्माण करने वालो को भुगतान करने के बाद मोटी रकम का आपस में बंदरबांट किया गया इसी तरह जगंलो की सुरक्षा के लिए सीपीटी खोदाई कार्य भी जेसीबी मशीन से करवा गया और वहीं प्रक्रिया अपनाकर भारी भ्रष्टाचार परसुली वन परिक्षेत्र में किया गया है।

खरोरा में शिक्षकों द्वारा गौ सेवा हेतु सराहनीय पहल

■ गौधाम में कराया पौष्टिक चारे का प्रबंध

खरोरा /नवप्रदेश। श्री हरि एनिमल केयर संस्थान केशला, खरोरा द्वारा सेवा भाव से संचालित गौधाम में पीएम श्री भरत देवांगन शासकीय उत्कृष्ट हिन्दी अंग्रेज़ी माध्यम विद्यालय खरोरा के शिक्षकगणों ने गौ सेवा के प्रति प्रेरणादायक पहल की। प्राचार्य रजनी मिंज, वरिष्ठ व्याख्याता शाहिना परवीन, सेवानिवृत्त डोमार सिंह यादव, संगीता नायक, चमेली ठाकुर, मोंगरा साहू, गीतांजली पान, योगेंद्र

त्रिपाठी, प्रवीण पाटिल, अमर बर्मन, यश अमलानी, यतिराम कन्नौजे, कविता देवांगन, अरविंद नायक, नीलम वर्मा, निकिता वर्मा, कल्याणी साहू, संकुल समन्वयक रामकरण वर्मा, मोहित साहू द्वारा गौवंश के लिए पौष्टिक चारे की व्यवस्था कर मानवीय संवेदनाओं का उत्कृष्ट परिचय दिया गया। शिक्षकों की इस पहल से न केवल गौधाम में रह रहे गौवंश को लाभ मिला, बल्कि समाज में सेवा और सहयोग की भावना को भी बल मिला है। उपस्थितजनों ने शिक्षकों के इस कार्य की सराहना करते हुए इसे अनुकरणीय बताया। गौरतलब है कि इस प्रकार के सेवा कार्य समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं और अन्य लोगों को भी गौ सेवा के लिए प्रेरित करते हैं। इस अवसर पर प्राचार्य रजनी मिंज, वरिष्ठ व्याख्याता शाहिना परवीन, व्याख्याता डोमार सिंह यादव, योगेंद्र त्रिपाठी सहित अन्य शिक्षकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी शिक्षकों ने एक स्वर में इस सेवा कार्य को समाज के लिए प्रेरणादायक बताया। प्राचार्य रजनी मिंज ने अपने उद्बोधन में कहा कि गौ सेवा भारतीय संस्कृति की मूल भावना से जुड़ी हुई है और इस प्रकार के सेवा कार्य समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षकों का यह प्रयास न केवल विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा है।

बठेना पीएम श्री विद्यालय को 10 लाख की सौगात

धमतरी/नवप्रदेश। शहर के बठेना पीएम श्री विद्यालय में विद्यार्थियों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रार्थना स्थल पर शेड निर्माण एवं बैडमिंटन कोर्ट के लिए 10 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस महत्वपूर्ण पहल के लिए विद्यालय परिवार ने महापौर श्री रामू रोहरा का पुष्प गुच्छ व मोमेंटो भेंट कर सम्मान किया और आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में प्राचार्य एवं शिक्षकगणों ने कहा कि शेड निर्माण एवं बैडमिंटन कोर्ट केवल एक सुविधा नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे बच्चों को धूप और बारिश से राहत मिलेगी तथा विद्यालय में शैक्षणिक, सांस्कृतिक और खेल गतिविधियों को नया प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने महापौर के इस निर्णय को दूरदर्शी सोच और जनहितैषी नेतृत्व का प्रतीक बताया। इस अवसर पर महापौर रामू रोहरा ने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ खेल गतिविधियां भी बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक हैं।

50 वर्ष पूर्व बागबाहरा ब्लॉक के मुनगाशेर गांव से हुई थी शुरुआत, ताकि शादी में कर्ज, फिजूल खर्ची व बाहरी आडंबर से बचे रहे

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया आदर्श विवाह एवं कर्मा जयंती

नवापारा राजिम/नवप्रदेश। संत माता कर्मा जयंती पापमोचनी एकादशी के शुभ अवसर पर ग्राम पोड़ में आदर्श विवाह परिक्षेत्र साहू समाज चंपारण (नवागांव) एवं ग्राम साहू समाज पोड़ के तत्वावधान में संपन्न हुआ। सर्वप्रथम मंदिर में कर्मा माता मूर्ति को स्नान करा कर नए वस्त्र से श्रृंगार कर समाज के लोगों द्वारा पूजा अर्चना यज्ञ हवन किया गया फिर खिचड़ी का भोग लगाया गया एवं प्रसादी वितरण किया गया। इसके बाद समाज के सैकड़ो महिलाएं सर पर कलश लेकर कर्मा रथ के साथ शोभा यात्रा पर निकले। साथ ही दो जोड़ा वर वधु को भी राउत नाचा एवं डीजे के धुन में नाचते गाते गली भ्रमण कराया गया। लोग अपने-अपने घर के सामने कर्मा माता की आरती उतार कर श्रीफल भेंट कर पूजा किए। गली भ्रमण के

पश्चात बाराती घराती सहित सभी स्वजातीय बंधुओं के लिए भंडारा में भोजन की व्यवस्था किया गया था। तत्पश्चात वर वधु को विवाह मंडप पर सादर आमंत्रित कर पंडित द्वारा पूरे विधि विधान से विवाह संपन्न कराया गया।

शादी की खास बात यह रही की गोधूलि बेला में पाणिग्रहण किया गया। सैकड़ो की संख्या में ग्रामीण विवाह स्थल पर जुटे रहे और सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर परिक्षेत्र साहू समाज चंपारण नवागांव के पदाधिकारियों द्वारा पचहर बर्तन, पलंग, गद्दा तकिया, ड्रेसिंग टेबल आदि उपहार स्वरूप प्रदान किया साथ ही तहसील एवं ग्राम साहू समाज के अनेक लोगों ने उपहार प्रदान किये और अपना आशीर्वाद प्रदान किया। तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत उद्बोधन का कार्यक्रम चालू हुआ इसी क्रम में अतिथियों का तिलक व फूलमाला बुके द्वारा स्वागत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्रीय विधायक इंद्र कुमार साहू ने किया उन्होंने अपने उद्बोधन में बताया कि मां कर्मा, माता राजिम एवं दानवीर भामाशाह हमारे तेली कुल के गौरव है जिन्होंने अपने कर्मों से तेली कुल का मान बढ़ाया जिनके नाम से राजिम पड़ा। कर्मा माता के हाथों की बना हुआ खिचड़ी खाने श्री जगन्नाथ भगवान स्वयं चलकर आए। आदर्श विवाह भी हमारे समाज के बुजुर्गों द्वारा आज से 50 वर्ष पूर्व बागबाहरा ब्लॉक के मुनगाशेर गांव से शुरुआत किया ताकि शादी में कर्ज, फिजूल खर्ची, व बाहरी आडंबर से बचे रहे। आज सरकार भी हर वर्ष हजारों जोड़ों का विवाह महिला बाल विकास विभाग के माध्यम से करवाता है।

कोकपुर मे परिक्षेत्र स्तर कर्मा जयंती संपन्न

डोंगरगांव/नवप्रदेश। कोकपुर मे परिक्षेत्र स्तरीय कर्मा जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाया गया, कार्यक्रम मे मुख्य अतिथी जिला साहू संघ के पूर्व महामंत्री व तहसील साहू संघ डोंगरगांव के संरक्षक अमरनाथ साहू थे, कार्यक्रम की अध्यक्षता शिवराम साहू तहसील अध्यक्ष डोंगरगांव ने की, विशेष अतिथी के रूप मे तहसील के पूर्व अध्यक्ष व संरक्षक हेमंत साहू, सम्मिलित हुए।
भक्त माता कर्मा का विधिवत पूजा अर्चना कर सामूहिक आरती किया गया, परिक्षेत्र कार्यालय मे ध्वजारोहण किया गया। मुख्य अतिथी की आसंदी से पूर्व महामंत्री अमरनाथ साहू ने संबोधित करते हुए कहा कि आज समाज का शैक्षणिक, आथिर्क, सामाजिक व राजनीतिक विकास तेजी से हो रहा है, पर अपने समाज की संस्कार संस्कृति को बचाए रखना जरूरी है।

विधानसभा में एमएलए भावना ने उठाया कृषि विकास व किसान कल्याण का मुद्दा

कवर्धा/नवप्रदेश। विधायक भावना बोहरा ने विधानसभा सत्र के अंतिम दिन कबीरधाम जिला व प्रदेश से जुड़े प्रमुख विषयों से जुड़े प्रश्न किए। इस दौरान उन्होंने कृषि विकास व किसानों के कल्याण, आदिवासी आश्रम एवं छात्रवास में रिक्त पदों की आपूर्ति तथा मतस्य पालन को बढ़ावा देने सरकार की योजनाओं और प्रदेश के प्रमुख ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक स्थलों के संरक्षण का मुद्दा उठाया।

पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी के विषय में प्रश्न किया कि पंडरिया विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत कुल कितना कृषि रकबा है? वित्तीय वर्ष 2023-24, 2024-25 तथा 2025-26 में उर्वरक (खाद) एवं प्रमाणित बीज की मांग, उनके भंडारण तथा किसानों को किए गए वितरण की वास्तविक स्थिति की वर्षवार जानकारी देवें? जिसके लिखित उत्तर में आदिम जाति विकास मंत्री श्री रामविचार नेताम जी ने बताया कि कृषि रकबे की जानकारी का संधारण विकासखण्डवार किया जाता है। कार्यालय भू-अभिलेख, जिला-कबीरधाम से प्राप्त जानकारी अनुसार पंडरिया विधान सभा क्षेत्र से सम्बद्ध विकासखंड कवर्धा, पंडरिया एवं सहसपुर लोहारा अंतर्गत कुल कृषि रकबा 1,46,124 हेक्टेयर है। जिसमें कवर्धा अंतर्गत 43727, पंडरिया में 54315तथा सहसपुर लोहारा में कुल कृषि रकबा 48082 है। वित्तीय वर्ष 2023-24 खरीफ मौसम में 49430

क्विंटल लक्ष्य के तहत 58226 क्विंटल भण्डारण किया गया और 53308 क्विंटल वितरण किया गया वहीं रबी मौसम में में 9466 क्विंटल लक्ष्य के तहत 18169 क्विंटल भण्डारण किया गया और 8309 क्विंटल वितरण किया गया। वित्तीय वर्ष 2024-25 खरीफ मौसम में 52230 क्विंटल लक्ष्य के तहत 60289 क्विंटल भण्डारण किया गया और 55523 क्विंटल वितरण किया गया वहीं रबी मौसम में में 12270 क्विंटल लक्ष्य के तहत 20964 क्विंटल भण्डारण किया गया और 13299 क्विंटल वितरण किया गया। वित्तीय वर्ष 2025-26 खरीफ मौसम में 53890 क्विंटल लक्ष्य के तहत 65115 क्विंटल भण्डारण किया गया और 59780क्विंटल वितरण किया गया वहीं रबी मौसम में में 14850 क्विंटल लक्ष्य के तहत 13161 क्विंटल भण्डारण किया गया और 7687 क्विंटल रासायनिक ऊर्वरक वितरण किया गया।

उन्होंने कबीरधाम जिले के आदिवासी आश्रम, शालाओं एवं छात्रावासों में रिक्त पदों की भर्ती के विषय में प्रश्न किया कि कबीरधाम जिले में आदिम जाति विकास मंत्रालय अंतर्गत संचालित आश्रम, शालाओं एवं छात्रावासों में शिक्षकों व अधीक्षकों के कितने पद रिक्त हैं? जिले में आदिवासी विद्यार्थियों को मिलने वाली छात्रवृत्ति एवं अन्य प्रोत्साहन राशि पिछले दो वर्षों से विलंब से क्यों मिल रही है? इस विलंब के लिए कौन जिम्मेदार हैं तथा भविष्य में समय पर नियमित भुगतान सुनिश्चित करने हेतु क्या व्यवस्था की गई है?

न्यूज गैलरी

नवोदय विद्यालय परीक्षा मे जिले से 34 छात्रछात्राओं ने मारी बाजी

खैरागढ़/नवप्रदेश। नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा मे खैरागढ़ जिले को इस बार बेहतर परिणाम मिला है । चयन परीक्षा के घोषित परिणामों मे खैरागढ़ जिले से एकमुश्त पहली बार 34 होनहार छात्रछात्राओ का चयन नवोदय विद्यालय की कक्षा 6 मे प्रवेश के लिए हुआ है । प्रवेश परीक्षा का आयोजन जनवरी माह मे किया गया था । राजनांदगांव जिले के डोंगरगढ़ स्थित नवोदय विद्यालय मे कक्षा के 80 सीटो के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा का आयोजन खैरागढ़ जिले के 25 परीक्षा केन्द्रों मे किया गया था । नवोदय चयन परीक्षा मे खैरागढ़, राजनांदगांव, मोहला मानपूर चौकी जिले के परीक्षार्थियों ने हिस्सा लिया था । परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद खैरागढ़ जिले के दो विकासखंडो के ही होनहारो ने 80 मे 24 सीटो पर प्रवेश पाने मे सफ्लता पाई । इसमे खैरागढ़ विकासखंड से 25 और छुईखदान से 9 परीक्षार्थी शामिल है । खैरागढ़ ब्लाक के ग्राम देवरी स्थित केजऊ राम चौरे स्कूल से एकमुश्त मे 14 छात्रछात्राओ का चयन नवोदय के लिए हुआ है । बेहतर परिणामों के बाद कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल, जिला जिपं सीईओ प्रेमकुमार पटेल, जिलाशिक्षा अधिकारी लालजी द्विवेदी सहित अधिकारियो ने होनहार चयनित छात्रो के उज्जवल भविष्य की कामना की ।

बाजार अतरिया मे अवंती बाई लोधी बलिदान दिवस पर दी श्रद्धांजलि

खैरागढ़/नवप्रदेश। ग्राम बाजार अतरिया मे वीरांगना अवंती बाई लोधी के बलिदान दिवस पर जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की । इस दौरान हरप्रसाद वर्मा, संतराम नैनदास, चिंता, अमरेन्द्र परगनियां, दयाराम, राकेश पूर्णचंद गुप्ता सहित विभिन्न सामाजिक प्रतिनिधि भी मौजूद रहे । गांव मे स्थित वीरांगना अवंती बाई की प्रतिमा मे माल्यार्पण कर उनके बलिदानो को याद किया गया । हरप्रसाद वर्मा ने कहा कि 20 मार्च 1858 को जब वीरांगना अवंती बाई लोधी ने अंग्रेजी अत्याचारों के विरुद्ध संघर्ष करते हुए अपने प्राणों का बलिदान दे दिया। उन्होंने न केवल युद्ध किया, बल्कि अपने साहस, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति से यह सिद्ध कर दिया कि मातृभूमि की रक्षा के लिए एक नारी भी रणचंडी बन सकती है। इस दौरान वीरांगना के जयकारो से वातावरण गुंज उठा । इस दौरान उपस्थित सामाजिक लोगो ने कहा कि वीरांगना अवंती बाई का बलिदान हमें राष्ट्र एकता, स्वाभिमान और देशभक्ति का संदेश देता है। इस दौरान उनके त्याग और बलिदान को कभी व्यर्थ नहीं जाने देंने, अपने कर्मों से राष्ट्र की सेवा करते हुए भारत माता का मान बढ़ाने का संकल्प लिया गया ।

चिल्फी पुलिस के नाक के नीचे ढाबे पर चल रहा था अवैध अफीम डोडा चूरा की सप्लाई

कवर्धा/नवप्रदेश। जिले के चिल्फी क्षेत्र में अवैध अफीम डोडा चूरा के बड़े कारोबार का खुलासा होने के बाद कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं

चिल्फी घाटी में खुलेआम ढाबे पर नशे का कारोबार लंबे समय से फल-फूल रहा था, लेकिन स्थानीय पुलिस को इसकी भनक तक नहीं लगी। मामले का पर्दाफाश तब हुआ जब दुर्ग पुलिस टीम ने पालक-चिल्फी रोड स्थित एक राजस्थानी ढाबे पर छापा मारकर आरोपी को गिरफ्तार किया? यह घटना साफदर्शाती है कि चिल्फी घाटी पुलिस के नाक के नीचे अवैध नशे का कारोबार बेखौफजारी था, और स्थानीय स्तर पर निगरानी पूरी तरह फेल रही।जिला कांग्रेस अध्यक्ष नवीन जायसवाल ने इस पूरे मामले पर कहा* कि यह सिर्फ एक कार्रवाई नहीं बल्कि पूरे सिस्टम की नाकामी का सबूत है।

अगस्त ऋषि के आश्रम के पहाड़ी पर स्थित है गंगा मैया का पवित्र स्थल

नगरी / नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ का धमतरी जिला अपने वनांचल क्षेत्र, धार्मिक आस्था और प्राकृतिक रहस्यों के लिए विशेष पहचान रखता है। महानदी के उद्गम स्थल सिहावा अंचल को सप्तऋषियों की तपोभूमि के रूप में भी जाना जाता है, जहां आज भी प्राचीन मान्यताओं और आस्था की गूंज सुनाई देती है। इसी अंचल के ग्राम हरदीभाट्ठा व मुकुंदपुर की बीच पहाड़ी पर अगस्त ऋषि का आश्रम स्थित है। इस पहाड़ी पर एक पवित्र स्थल है, जिसे स्थानीय लोग गंगा मैया का स्थान मानते हैं। चैत्र नवरात्रि के अवसर पर यहां श्रद्धालुओं द्वारा दीप प्रज्वलित किए गए, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया है। वही बड़ी संख्या में दूर-दूर से लोग यहां दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। स्थानीय पुजारी प्रेमलाल नेताम ने बताया कि इसी पहाड़ी पर अगस्त ऋषि के शिष्य सुतीक्षण मुनि की एक प्राचीन गुफा भी है। वर्ष 2008 में चैत्र नवरात्रि के दौरान जब यहां आस्था का दीप जलाया गया, तब एक अद्भुत संकेत मिला। संकेत के आधार पर पहाड़ी के ऊपर खोजबीन की गई, जहां एक पत्थर से ढका हुआ कुंड मिला है जिसमे मेरे को उस समय सहयोग बिहारी कुंजाम कर्राघाटी के द्वारा प्रदान किया गया था आज जिसका निधन हो गया है

चैत्र नवरात्रि पर्व पर गन्ना किसानों को मिली बड़ी सौगात

उप मुख्यमंत्री के विशेष प्रयासों से भोरमदेव शक्कर कारखाने ने जारी किए 5.97 करोड़

■ **अब तक गन्ना किसानों को मिला 57.48 करोड़ का भुगतान**

कवर्धा/नवप्रदेश। चैत्र नवरात्रि के पावन पर्व पर गन्ना किसानों को बड़ी सौगात मिली है। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के विशेष प्रयासों से भोरमदेव सहकारी शक्कर उत्पादक कारखाना मर्यादित, राम्हेपुर (कवर्धा) द्वारा गन्ना किसानों को 5.97 करोड़ की राशि जारी की गई है। इसके साथ ही कारखाना द्वारा अब तक गन्ना किसानों को 57.48 करोड़ का भुगतान पूर्ण किया जा चुका है। नियमित और समयबद्ध भुगतान से क्षेत्र के किसानों में उत्साह, संतोष और प्रसन्नता का वातावरण बना हुआ है।

कलेक्टर एवं कारखाने के प्राधिकृत अधिकारी श्री गोपाल वर्मा के मार्गदर्शन में भुगतान प्रक्रिया निरंतर जारी है, जिससे सहकारी व्यवस्था में किसानों का विश्वास और अधिक मजबूत हुआ है। कारखाना प्रबंधन ने बताया कि यह निरंतरता किसानों की आर्थिक मजबूती के साथ-साथ कारखाने के सुचारु संचालन को भी स्थायित्व प्रदान कर रही है। कारखाना प्रबंधन द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार चालू पेराई सत्र में 255818 मीट्रिक टन गन्ने की पेराई तथा 3,09,120 क्विंटल शक्कर का उत्पादन किया जा चुका है। यह उपलब्धि किसानों के सहयोग, जिला प्रशासन के मार्गदर्शन और कारखाने की बेहतर कार्यक्षमता का संयुक्त परिणाम मानी जा रही है।

किसानों एवं श्रमिकों के हित में निरंतर कार्य

भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना क्षेत्र के किसानों की आर्थिक और सामाजिक उन्नति का मजबूत आधार बना हुआ है। कारखाने द्वारा स्त्रक्क के अतिरिक्त रिकवरी राशि का भुगतान, शासन द्वारा प्रदत्त बोनस, रियायती दर पर शक्कर वितरण, उन्नत बीज उपलब्ध कराना, किसानों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम निरंतर संचालित किए जा रहे हैं। इसके साथ ही कारखाना परिसर में किसानों के लिए सर्वसुविधायुक्त बलराम सदन, तथा मात्र 5 में गरम भोजन की कैंटीन सुविधा सामाजिक उत्तरदायित्व का उत्कृष्ट उदाहरण है।

कारखाने के प्रमुख योगदान

कारखाने के द्वारा स्थापना के समय से आज तक किसानों की आर्थिक एवं सामाजिक उन्नति में महत्वपूर्ण योगदान दिया गया है तथा प्रारंभ से ही जिले की अर्थव्यवस्था के इंजन के रूप में कार्य किया जा रहा है। गन्ने की फसल के लिए किसानों को शासन द्वारा निर्धारित मूल्य की गारंटी प्रदान करना, जिससे उनका आर्थिक हित सुरक्षित बना रहे। प्रदेश में फसल विविधता को बनाए रखने तथा शासन की नीति अनुसार धान के बदले अन्य फसलों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका।

शहर के निराश्रित पेंशन भोगी पाई -पाई के लिए मोहताज

■ **निगम के नेता प्रतिपक्ष पिल्ले ने ट्रिपल इंजन की सरकार को धिक्कारा**

राजनांदगांव/भाजपा वह हाथी है जिसके खाने की और दिखाने के दांत अलग-अलग है यह पार्टी कुछ और है कहती कुछ और है यह बात कहते हुए नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष संतोष पिल्ले ने ट्रिपल इंजन की सरकार को धिक्कारा है। उन्होंने कहा कि अंत्योदय की बात करने वाली भाजपा अंतिम छोरकर व्यक्ति अर्थात निराश्रित पेंशन भोगियों तक को एक-एक पैसे के लिए मोहताज कर रखा है।

उन्होंने निराश्रित पेंशन भोगियों को जल्द से जल्द पेंशन दिलाने की मांग आयुक्त को ज्ञापन सौंप कर की है साथ ही चेतावनी दी है कि अगर उन्हें जल्द से जल्द पेंशन नहीं मिला तो कांग्रेस सड़क की लड़ाई लड़ेगी। नगर निगम आयुक्त अतुल विश्वकर्मा को सौंपे गए ज्ञापन में बताया गया कि दिसंबर माह से अब तक पेंशन की राशि हितग्राहियों के खातों में नहीं पहुंची है। इस कारण से बुजुर्गों और निराश्रितों को रोजमर्रा की जरूरतों के लिए भी संघर्ष करना पड़ रहा है। ज्ञापन में तत्काल पेंशन भुगतान की मांग करते हुए कहा गया कि यह समस्या गंभीर सामाजिक और आर्थिक संकट का रूप ले रही है। श्री पिल्ले ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही पेंशन का भुगतान नहीं किया गया तो भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर सड़क पर उतरकर आंदोलन करेगी।

जले आस्था के ज्योत-देवी मंदिरों में एक हजार से अधिक मनोकामना ज्योति प्रज्वलित

खैरागढ़/नवप्रदेश। चैत्र नवरात्रि पर गुरूवार को शहर सहित इलाके के सभी देवी मंदिरो मे आस्था के मनोकामना ज्योत जगमगा उठे । शहर के ही प्रमुख देवी मंदिरों रिसायतकालीन दंतेश्वरी मंदिर, ईतवारीबाजार के शीतला मंदिर, महामाया मंदिर, दाउचौरा के शीतला धाम, पूराना बस स्टैण्ड के बम्लेश्वरी मंदिर,धरमपूरा स्थित शनिधाम मे ही एक हजार से अधिक भक्तों ने मनोकामना ज्योतिकलश प्रज्वलित कराए है । गुरूवार को दोपहर बाद से ज्योति कलश प्रज्वलित किए जाने का सिलसिला दिनभर चला । देरशाम

नौ दिन चलेगा आस्था का रेला, पहले दिन ही भीड़

गुरूवार को शुरू हुए आस्था के पर्व नवरात्रि पर अब नौ दिन विभिन्न देवी मंदिरों मे आस्था का रेला चलेगा । पहले दिन ही देवी मंदिरो मे हवन पूजन सहित ज्योत प्रज्वलन के लिए भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी । देवी मंदिर परिसरो मे इस दौरान भीड़ भाड़ के चलते व्यापक व्यवस्था बनाई गई है । रंगरोगन के बाद आकर्षक साज सज्जा के साथ मंदिरो मे विशेष इंतजाम किए गए है । सोमवार को देवी मंदिरो मे नवरात्रि की पंचमी की व्यापक तैयारी की गई है ।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग की कार्रवाई

■ **खाद्य हिन्द पानी पाउच के कुल 606 बोरी को नमूना संकलन कर किया गया जप्त**

राजनांदगांव / नव प्रदेश। कलेक्टर के निर्देशानुसार खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम द्वारा जनसामान्य तक सही गुणवत्ता की खाद्य सामग्री पहुंचाने के लिए खाद्य प्रतिष्ठानों का लगातार निरीक्षण कर कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्रीमती साधना चंद्राकर के नेतृत्व में खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम द्वारा डोंगरगढ़ तहसील के ग्राम नागतराई में संचालित फर्म हाइड्रावेडॉ एक्वा का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जांच करने बिना अनुज्ञप्ति के प्रतिष्ठान का संचालन, प्रतिष्ठान में विनिर्मित पानी के लेबल पर विनिर्माता का पता मिथ्या एवं भ्रामक तथा विनिर्मित पानी का लेबल नियमानुसार नहीं पाया गया। टीम द्वारा मौके पर विनिर्मित एवं विक्रय हेतु भंडारित खाद्य हिन्द पानी पाउच (200 मिली प्रति पाउच) के कुल 606 बोरी को नमूना संकलन कर जप्त किया गया। सक्षम न्यायालय के समक्ष प्रकरण को लैब की जांच रिपोर्ट एवं विवेचना पूर्ण कर शीघ्र ही प्रस्तुत किया जाएगा।

प्रेस क्लब के तीसरी बार अध्यक्ष बने सचिन अग्रहरि का भव्य सम्मान

राजनांदगांव /नव प्रदेश। प्रेस क्लब राजनांदगांव के अध्यक्ष पद पर ऐतिहासिक तीसरी बार निर्वाचित होने पर श्री सचिन अग्रहरि जी, सचिव श्री अनिल त्रिपाठी जी एवं कोषाध्यक्ष श्री बसंत शर्मा जी का जिला साहू संघ के अध्यक्ष श्री भागवत साहू के नेतृत्व में भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। यह गरिमामयी कार्यक्रम जिला साहू संघ, साहू सदन के सभागार में सम्पन्न हुआ।कार्यक्रम का शुभारंभ संत शिरोमणि भक्त कर्मा माता जी के तैल चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर पूजा-अर्चना के साथ किया गया। इस अवसर पर प्रेस क्लब अध्यक्ष श्री सचिन अग्रहरि, सचिव श्री अनिल त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष श्री बसंत शर्मा एवं जिला अध्यक्ष श्री भागवत साहू विशेष रूप से उपस्थित रहे।

आठ माह से नहीं हुई सामान्य सभा की बैठक

■ **नगरपालिका का हाल, हर दो माह मे बैठक के सरकारी आदेश के बाद भी**

आठ माह से पालिका मे सामान्य सभा की बैठक नही

खैरागढ़/नवप्रदेश। पिछले आठ माह से नगरपालिका मे सामान्य सभा की बैठक नही होने के चलते पालिका सहित नगर के कई प्रस्तावों पर मुहर नही लग पाई है । अगस्त 25 मे हुई सामान्य सभा की बैठक के बाद अब तक इसकी बैठक नही हूई है । बीच मे केवल नवंबर माह मे पीआईसी की एक बैठक हो पाई है । सामान्य सभा की बैठक नही होने से पेंशन, सहायता राशि, बीपीएल कार्ड, जाति प्रमाणपत्र सहित पालिका के कई विकास कार्यो के प्रस्ताव अटके पड़े है । सबसे ज्यादा दिक्कत सभा की आस मे अपने प्रस्ताव और आवेदन देकर बैठे शहर के हितग्राहियों को है । विभिन्न वार्डो के कई हितग्राहियों ने राशनकार्ड बनाने, बीपीएल मे नाम जोड़ने, राष्ट्रीय परिवार सहायता पेंशन, जाति प्रमाणपत्र जारी किए जाने जैसे आवेदन महीनो से दे रखे है ।

इन सभी प्रस्तावो पर सामान्य सभा मे चर्चा उपरांत निर्णय होता है । इसी तरह पालिका के विभिन्न निर्माण कार्यो की सहमति और स्वीकृति भी इसी सभा की बैठक मे निर्णय के बाद दी जाती है । लेकिन आठ माह से सामान्य सभा की बैठक नही होने से सभी कार्य कागजो मे अटके है ।

निर्धारित तिथियों पर राजस्व न्यायालय की सुनवाई सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

संभागायुक्त सत्यनारायण राठौर ने राजस्व अधिकारियों की ली बैठक

■ **तहसीलवार राजस्व प्रकरणों की गहन समीक्षा की, दिए निर्देश**

कवर्धा/नवप्रदेश। दुर्ग संभाग आयुक्त सत्यनारायण राठौर ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में राजस्व अधिकारियों की बैठक लेकर जिले के तहसीलवार राजस्व प्रकरणों की गहन समीक्षा की। इस दौरान कलेक्टर गोपाल वर्मा उपस्थित रहे। संभाग आयुक्त ने समय सीमा से अधिक लंबित प्रकरणों पर नाराजगी जताई और अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसे सभी मामलों का जल्द से जल्द निराकरण किया जाए। उन्होंने कहा कि लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर लेते हुए तय समय सीमा के भीतर पूरा करना जरूरी है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जनता से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता के साथ काम करें, ताकि लोगों को भटकना ना पड़ें। आम जनता की समस्याओं का समय पर समाधान करना प्रशासन की जिम्मेदारी है। संभाग आयुक्त ने यह भी निर्देश दिए कि सभी अधिकारी अपने-अपने कार्यों की नियमित समीक्षा करें और किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें। उन्होंने कहा कि सभी प्रकरणों का त्वरित व प्रभावी निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

संभाग आयुक्त श्री राठौर ने त्रुटि-सुधार प्रकरणों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि त्रुटि सुधार शासन की प्राथमिकताओं में शामिल है, इसलिए इस कार्य में विशेष सावधानी बरती जाए। उन्होंने कहा कि कई प्रकरण अपील स्तर तक पहुंच रहे हैं, अतः सभी मामलों में नियमानुसार सुनवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि प्रत्येक प्रकरण में संबंधित पक्षकारों को अनिवार्य रूप से नोटिस जारी किए जाएं, ताकि समयबद्ध सुनवाई एवं निराकरण संभव हो सके और आम जनता को अनावश्यक भटकना न पड़े। पट्टा संबंधी मामलों पर उन्होंने कहा कि इस विषय में अनेक शिकायतें प्राप्त हो रही हैं, जिनकी गंभीरता से जांच आवश्यक है। आवश्यकता पड़ने पर ग्राम सभा के माध्यम से प्रस्ताव पारित कर समस्याओं का समाधान किया जाए। संभाग आयुक्त ने सीमांकन एवं नक्शा बटांकन की धीमी प्रगति पर नाराजगी जाहिर करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस दिशा में तेजी लाई जाए। उन्होंने कहा कि इन मामलों में अक्सर विवाद की स्थिति उत्पन्न होती है, जिसका समय पर निराकरण करना राजस्व अधिकारियों की जिम्मेदारी है।

वित्तीय वर्ष के अंतिम अवकाश दिनों में भी खुलेंगे शासकीय कार्यालय

खैरागढ़/नवप्रदेश। वित्तीय वर्ष के समापन पर आम जनता की सुविधा एवं शासन के राजस्व संग्रहण को सुचारू बनाए रखने विशेष व्यवस्था के तहत 31 मार्च मंगलवार को महावीर जयंती के अवसर पर शासकीय अवकाश होने के बावजूद संबंधित कार्यालय रात दस बजे तक खुले रहेंगे। जिले के सभी कोषालय एवं उप-कोषालय अधिकारियों तथा स्टॉक होल्डिंग को उक्त दिवस में आवश्यक मुद्रांक की उपलब्धता सुनिश्चित करने, बैंक अधिकारियों को रात दस बजे तक 1मुद्रांक एवं पंजीयन शुल्क के रूप में जमा होने वाले सभी चालानों को स्वीकार करने के निर्देश दिए गए है ।

न्यूज गैलरी

पति और जेठ ने मिलकर पीटा

महासमुंद/नवप्रदेश। पटेवा पुलिस ने मारपीट के मामले में आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। पुलिस को छिंदौली निवासी पूर्णिमा जोगी ने बताया कि 18 मार्च को घर में करीब 11.30 बजे वह बच्चों को खाना दे रही थी, उसी समय जेठ घनश्याम जोगी आया और घरेलू बात को लेकर गाली-गलौज करने लगा। इसी दौरान पति ने हमारे सामने जुबान चलाती हो कहकर गाली गलौज की। बाद पति देवकुमार जोगी हाथ मुक्का से तथा जेठ घनश्याम जोगी ने खपरैल से मारपीट की। पुलिस ने रिपोर्ट पर आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 115(2), 296, 3(5), 351(2) के तहत अपराध कायम किया गया है।

नवोदय और सैनिक विद्यालय के लिए छात्रों का चयन

महासमुंद/नवप्रदेश। आइडियल कॉन्वेंट स्कूल घोड़ारी के विद्यार्थियों ने इस वर्ष उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए नवोदय एवं सैनिक विद्यालय के लिए चयनित हुए हैं। विद्यालय से 1 विद्यार्थी का चयन जवाहर नवोदय विद्यालय छिंदपाली तथा दूसरे छात्र का चयन सैनिक विद्यालय में सत्र 2026-27 के लिए हुआ है। जानकारी के अनुसार, 13 दिसंबर को आयोजित राष्ट्रीय स्तर की जवाहर नवोदय चयन परीक्षा एवं 18 फरवरी को आयोजित सैनिक विद्यालय चयन परीक्षा में छात्रों ने हिस्सा लिया था। इनमें जवाहर नवोदय विद्यालय के लिए मोहम्मद आतिफअली, सैनिक विद्यालय के लिए आलोक परमार व मोहम्मद आतिफअली अंसारी ने सफलता हासिल की। विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती जगजीत कौर व शिक्षक स्टाफने चयनित विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

बिजली के बकायेदार छूट के लिए पंजीयन 29 जून तक

महासमुंद/नवप्रदेश। सरायपाली विद्युत संभाग के बीपीएल उपभोक्ताओं के लिए राहत भरी खबर है। कुल 28,655 उपभोक्ताओं पर 49 करोड़ रुपए के बकाया को देखते हुए समाधान योजना लागू की गई है, जिसके तहत समय पर पंजीयन करने पर 42.33 करोड़ रुपए तक की छूट मिल सकती है।

योजना के अंतर्गत उपभोक्ताओं को केवल 7.05 करोड़ रुपए का भुगतान करना होगा। यह छूट विशेष रूप से छुईपाली, बलौदा, बसना ग्रामीण, सरायपाली ग्रामीण, गढ़फुलझर एवं भंवरपुर क्षेत्रों के उपभोक्ताओं को बड़ा लाभ देगी। निष्क्रिय बीपीएल उपभोक्ताओं को मूल बकाया में 75त्न और अधिभार में 100त्न छूट, जबकि अन्य घरेलू व कृषि उपभोक्ताओं को भी आकर्षक राहत दी जा रही है। शेष राशि अधिकतम 6 किस्तों में जमा की जा सकती है। कार्यपालन अभियंता टी.के. पटेल ने बताया कि योजना में पंजीयन की अंतिम तिथि 30 जून 2026 है। उपभोक्ता 'मोर बिजली बिल' मोबाइल एप या नजदीकी कार्यालय में आसानी से पंजीयन कर सकते हैं। विभाग द्वारा गांव-गांव में शिविर लगाकर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि योजना का लाभ न लेने वाले उपभोक्ताओं के बिजली कनेक्शन काटे जा सकते हैं, इसलिए समय रहते पंजीयन कर लाभ उठाना जरूरी है।

महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भरता का दिया प्रशिक्षण

महासमुंद/नवप्रदेश। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के तहत महासमुंद जिले की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। 30 चयनित महिला हितग्राहियों को उन्नत प्रशिक्षण के लिए दुर्ग जिले के अंजोरा स्थित कामधेनु विश्वविद्यालय भेजा गया।

17 से 19 मार्च तक चले इस विशेष प्रशिक्षण में महिलाओं को आधुनिक बकरी पालन तकनीक, व्यवसाय प्रबंधन और उद्यमिता कौशल की गहन जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों ने विशेषज्ञ वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन में क्षेत्र भ्रमण कर व्यावहारिक अनुभव भी प्राप्त किया। यह पहल न केवल महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाएगी, बल्कि उन्हें सफल उद्यमी बनने की दिशा में प्रेरित कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान करेगी।

झूलेलाल के पावन पर्व पर जुंबा डांस कर स्वस्थ जीवन का दिया मैसेज

कुरूद/नवप्रदेश। सिंधी समाज ने चेटीचंड महोत्सव भगवान झूलेलाल जयंती बल्कि और अधिक भव्यता के साथ आगे बढ़ रही है। इस बार शुक्रवार को चेटीचंड महोत्सव पर शहर में प्रात: जुंबा एक्सरसाइज एंड एक्टिविटी के साथ की। इसके साथ ही समाज के युवाओं और युवतियों ने कुरूद नगर भर में झूलेलाल के जयकारे के साथ बाइक स्कूटी रैली भी। निकाल कर नगर में चेट्टी चंड़ पर्व को मनाया। चेट्टी चंड के पावन पर्व पर भगवान झूलेलाल जी की महाआरती, भजन कीर्तन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सिंधी समाज के द्वारा बताया गया कि लेकिन इस उत्सव के पीछे एक ऐसी प्रेरक गाथा छिपी है, जो संघर्ष, एकता और सतत प्रगति की मिसाल है। इस अवसर पर मुरलीधर शादीजा ,मोहन सुखरामणि, नरेश बजाज, नरेश सचदेवा , राजेश बजाज, प्रकाश चेनवानी, लक्ष्य सुखरामनी, महेंद्र चेनवानी ,वैशाली रमणी,साक्षी सुखरामणी,खुशी सुखरामणी,अलका बजाज,अनीता चैनवाणी,माही शादिजा, मधु बजाज सुमन बजाज ,कीर्ति चैनवाणी आदि मौजूद रहे।

कमलाकांत शुक्ला इंस्टीट्यूट में विज्ञान संकाय का परीक्षाफल शत प्रतिशत

भाटापारा/नवप्रदेश। कमलाकांत शुक्ला इंस्टीट्यूट भाटापारा (पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर) से संबंधित बीएससी, प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर परीक्षा परिणाम सत् प्रतिशत रहा । महाविद्यालय में अध्ययनरत् बीएससी तृतीय सेमेस्टर की

छात्रा रिमझिम 76 प्रतिशत के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया, आकांक्षा द्वितीय स्थान 75 प्रतिशत अमृता तृतीय स्थान 72 प्रतिशत प्राप्त किये* इसके अलावा प्रथम सेमेस्टर से खिलेश 67 प्रतिशत से प्रथम पूजा घृतलहरे 65 द्वितीय व पूजा निषाद 64 तृतीय स्थान प्राप्त किया । कक्षा के सभी छात्र छात्राएं अच्छे अंकों से उत्तीण हुए । छात्रों के उत्कृष्ट परिणाम पर महाविद्यालय के संचालक मनीष शुक्ला, प्राचार्य डॉ वंदना चौहान आगे के समेस्टर हेतु प्रोत्साहित किये और अच्छे परीक्षा परिणाम के लिए बधाई दी।

गणगौर की भव्य शोभायात्रा के साथ गणगौर पर्व की शुरुआत

कुरुद/नवप्रदेश। वैसे तो होली के अगले दिन से ही शुरू हो जाती है और 16 दिनों तक चलती है. लेकिन चैत्र शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि पर इस पर्व का खास महत्व होता है. इस वर्ष गणगौर पूजा शनिवार, 21 मार्च 2026 को की जाएगी।

गणगौर शब्द का अर्थ शिव और गौरी से मिला हुआ ८ है. इसलिए यह पर्व पति-पत्नी के प्रेम, वैवाहिक जीवन और समर्पण को दर्शाता है. इस दिन सुहागिन महिलाएं पति की लंबी आयु की कामना और सुखी वैवाहिक जीवन के लिए व्रत रखकर पूजा-पाठ करती हैं. साथ ही कुंवारी कन्याएं भी योग्य जीवनसाथी के लिए यह व्रत रखकर शिव-गौरी की पूजा करती हैं। इसी कड़ी में माहेश्वरी महिला संगठन कुरूद द्वारा माहेश्वरी समाज की महिलाओं एवं युवतियों ने नगर की आराध्य देवी चंडी मंदिर से पवित्र गणगौर पूजा का पर्व बड़े ही श्रद्धा, भक्ति और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर सुहागिन महिलाओं एवं युवतियों ने माता गणगौर (गौरी) एवं भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि, सौभाग्य एवं अखंड सौभाग्य की कामना की। प्रात:काल से ही महिलाओं ने व्रत रखकर घरों एवं मंदिरों में सुंदर साज-सज्जा की तथा मिट्टी की गणगौर प्रतिमाओं का निर्माण कर उन्हें आकर्षक वस्त्रों एवं आभूषणों से सजाया। पारंपरिक गीतों एवं लोकनृत्य के माध्यम से पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। महिलाएं एवं युवतियों ने अलग अलग परिधानों से सुसज्जित होकर पारंपरिक वेशभूषा में सम्मिलित हुईं। गणगौर पर्व नारी शक्ति, सौभाग्य एवं संस्कृति का प्रतीक है, जो समाज में पारंपरिक मूल्यों एवं आपसी भाईचारे को सुदृढ़ करता है। शाम 6 बजे चंडी मंदिर महेश चौक से गणगौर की भव्य शोभा यात्रा बैंड बाजे के साथ निकाली गई । जिसमें चंदा केला,रश्मि केला , बिमला केला,पूनम केला, अंजू केला ,प्रतिभा केला,प्रीति केला,मनीषा केला,नीतू केला दीपाली केला, सेजल, चेतना, पाखी, सुभानी, पीहू,राधिका, भाविका, सिद्धि, सौम्य, अर्चिता, प्रियल, पल्लवी, कनक, इनाया, सौम्य केला, चंदा केला , हनी केला,कोमल केला, शिल्पा केला, रोशनी केला, हेमा केला, सीमा राठी,दुर्गा केला,प्रीति केला, रेखा चांडक,चंचल केला,पुष्पा केला , हनी केला, आदि उपस्थित थे!

बैंक फ्राड से प्रभावित लोगों ने बैंक में तालाबंदी कर जताया विरोध

■ **आखिरी बार शाखा प्रबंधक एवं थाना प्रभारी के आश्वासन पर दो दिन का मोहलत**

धरसीवां / कूंरा/नवप्रदेश। बैंक फ्राड के शिकार हुए प्रभावित लोगों का धैर्य जवाब देने लगा है आक्रोश में फ्राड के शिकार हुए प्रभावित सुबह से 9बजे पहुंच कर आक्रोश में बैंक में तालाबंदी कर दिए 1घंटे तक विरोध करते रहे आखिर में शाखा प्रबंधक एवं थानेदार धरसीवा के समझाइश पर दो दिन का मोहलत देकर चेतावनी देते हुए निर्णय लिए है कि अगर 2दिन में लिखित आश्वासन नहीं मिलने पर सोमवार को तालाबंदी कर बैंक फ्राड प्रभावित लोगों द्वारा बैंक के सामने प्रदर्शन करने का निर्णय लिए है थाना प्रभारी एवं शाखा प्रबंधक ने बताए कि जांच अधिकारी बांबे से आ रहे है शिकायत के बाद आईडीबीआई बैंक द्वारा शाखा चरोदा धरसीवां की जांच किया गया है जांच अधिकारी द्वारा बताया गया कि

शिकायतकर्ता से भी पूछ ताछ करेंगे एवं प्रभावितों को राहत देने की बात किए है ।

प्रभावित लोगों द्वारा निर्णय लिया गया है कि राहत मिलने तक आंदोलन जारी रहेगा आज पुन:धरसिवा निवासी कौशल्या यादव का भी 400000लाख रु का फ्राड होने की जानकारी हुए है ये जानकारी सुधांशु वर्मा ने दिया है।

पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष उधोराम वर्मा ने मांग किया है आईडीबीआई बैंक पूरी जिम्मेदारी ले साथ ही प्रशासन भी फ्राड में शामिल लोगों के खिलाफ कार्यवाही कराए एवं प्रभावित लोगों की राशि का वापस दिलाए पुलिस विभाग भी कड़ाई से जांच कर दोषी सभी लोगों के ऊपर कड़ी कार्यवाही करे।राहत जब तक नहीं मिलती तब तक आंदोलन का साथ देंगे।आज के आंदोलन में कांग्रेस का भी समर्थन रहा पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष उधोराम वर्मा,ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष आशीष वर्मा,दुर्गेश वर्मा पूर्व अध्यक्ष ,सरपंच एवं मंडल अध्यक्ष साहिल खान,प्रभावित लोगों मे शेषणारायण देवागान, देव शनि लहरी,नरेंद्र वर्मा,मनीषा वर्मा, गोवर्धन दीवान, शकुंतला दिवान, किरण बाई वर्मा,कुसुम साहू,रानी यादव, रीना वर्मा,सुनीता वर्मा, गोविंदा सेन,रामनारायण गुप्ता, उर्वशी ध्रुव, स्वाति वर्मा,कमल साहू,लक्ष्मण प्रसाद वर्मा,जितेंद्र कुमार साहू,प्रहलाद निर्मलकर उपस्थित रहे।

अजय चंद्राकर करेंगे वन विभाग के कार्यालय और 'स्मार्ट लाइब्रेरी' का भव्य लोकार्पण

कुरुद/नवप्रदेश। नगर के विकास और सुशासन की दिशा में 22 मार्च (रविवार) का दिन ऐतिहासिक होने जा रहा है। कुरुद विधायक एवं पूर्व मंत्री श्री अजय चंद्राकर के मुख्य आतिथ्य में एक ही मंच से दो बड़े प्रकल्पों का शुभारंभ होगा। जहाँ एक ओर वन विभाग की नई विंग का आगाज होगा, वहीं दूसरी ओर नगर पालिका द्वारा आधुनिक सुविधाओं से लैस 'स्मार्ट लाइब्रेरी' जनता को समर्पित की जाएगी।

ज्ञान का नया मंदिर: नगर पालिका की 'स्मार्ट लाइब्रेरी'

नगर पालिका परिषद कुरुद द्वारा तैयार की गई यह लाइब्रेरी केवल पुस्तकों का संग्रह नहीं, बल्कि युवाओं के सपनों को उड़ान देने वाला एक डिजिटल हब है। अत्याधुनिक सुविधाओं, ई-लर्निंग संसाधनों और शांतिपूर्ण वातावरण से सुसज्जित यह लाइब्रेरी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए मील का पत्थर साबित होगी।

प्रकृति और विज्ञान का मेल: अनुसंधान एवं विस्तार कार्यालय वीर सावरकर संकुल (डिपो गार्डन) में शुरू होने जा रहा सहायक वन संरक्षक कार्यालय, क्षेत्र में वैज्ञानिक वानिकी के नए युग की शुरुआत करेगा। यहाँ पौधों के उन्नत शोध और वानिकी विस्तार की योजनाओं पर काम होगा, जिससे न केवल हरियाली बढ़ेगी बल्कि पर्यावरण संरक्षण को तकनीकी मजबूती मिलेगी। इस खास अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में कुरुद विधायक एवं पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर उपस्थित रहेंगे, जिनके कर-कमलों द्वारा कार्यालय की पट्टिका का अनावरण किया जाएगा। कार्यक्रम की विशिष्टता को बढ़ाने के लिए क्षेत्र के प्रमुख जनप्रतिनिधि भी शिरकत करेंगे, जिनमें: ज्योति भानू चंद्राकर (अध्यक्ष, नपा कुरूद कुरुद) गौकरण साहू (उपाध्यक्ष, जिला पंचायत धमतरी) गीतेश्वरी साहू ज्योति हरखचंद जैन सतीश जैन इस गौरवपूर्ण क्षण के साक्षी बनने के लिए वनमंडलाधिकारी रायपुर एवं वनमंडलाधिकारी रायपुर ने समस्त क्षेत्रवासियों और प्रकृति प्रेमियों को सादर आमंत्रित किया है।

पेंशनर्स और रिटायर्ड इंजीनियर्स का बड़ा प्रदर्शन

5 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदेशभर में धरना

गरियाबंद/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में पेंशनर्स और रिटायर्ड डिप्लोमा इंजीनियर्स ने अपनी लंबित मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। 20 मार्च 2026 को प्रदेशभर में जिला एवं तहसील स्तर पर एक दिवसीय धरना.प्रदर्शन आयोजित किया गयाए जिसमें बड़ी संख्या में पेंशनर्स शामिल हुए।

यह आंदोलन छत्तीसगढ़ पेंशनर्स समाज और फोरम ऑफ रिटायर्ड डिप्लोमा इंजीनियर्स के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। प्रदर्शन के बाद मुख्यमंत्री के नाम जिलाधीश के माध्यम से ज्ञापन सौंपा गया। पेंशनर्स ने आरोप लगाया कि राज्य पुनर्गठन अधिनियम 2000 की धारा 49;6 का हवाला देकर मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ सरकार पिछले 26 वर्षों से पेंशन भुगतान में अनावश्यक सहमति प्रक्रिया लागू कर रही हैए जिससे करीब 5 से 6 लाख पेंशनर्स प्रभावित हो रहे हैं। प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांगों में इस सहमति प्रक्रिया को समाप्त करनाए राहत पेंशन का भुगतान केंद्र सरकार की तय तिथि 1 जनवरी और 1 जुलाई से करनाए छठवें वेतनमान के तहत 32 माह का एरियर और सातवें वेतनमान के अनुसार 27 माह का एरियर भुगतान करना शामिल है। इसके अलावा पेंशनर्स ने कैशलेस चिकित्सा सुविधा और पेंशन कल्याण निधि से इलाज के खर्च का भुगतान सुनिश्चित करने की मांग भी उठाई है।

प्यासे परिंदों के लिए 'चकोरा' अभियान की शुरुआत

डोंगरगांव/ नवप्रदेश। तेज धूप और झुलसाती गर्मी के बीच जब इंसान तक पानी के लिए परेशान हो उठता है, तब नन्हे पक्षियों की हालत कितनी कठिन होती होगी—इसी संवेदनशील सोच के साथ डोंगरगांव में एक सराहनीय पहल की गई है। पक्षियों की प्यास बुझाने के लिए विभिन्न शासकीय कार्यालयों और सार्वजनिक स्थलों पर चकोरा (पानी के बर्तन) रखे जा रहे हैं, ताकि कोई भी परिंदा प्यासा न रहे।

इस पुनीत कार्य की शुरुआत अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कार्यालय से की गई, जहां से अभियान का शुभारंभ हुआ। इसके बाद तहसील कार्यालय, थाना परिसर, विश्राम गृह, विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय तथा मोंगरा कॉलोनी स्थित जल संसाधन विभाग और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र , कृषि उपज मंडी, वन विभाग,में भी चकोरा रखे जाएंगे। इस संवेदनशील पहल में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्रीकांत कोराम, तहसीलदार कमल किशोर साहू, वरिष्ठ पत्रकार घनश्याम साव एवं पर्यावरण प्रेमी व जल प्रहरी भोज साहू की सक्रिय भागीदारी रही। सभी ने मिलकर यह संदेश दिया कि प्रकृति और जीव-जंतुओं के प्रति हमारी जिम्मेदारी सिर्फ शब्दों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उसे व्यवहार में भी उतारना जरूरी है। अभियान के दौरान यह भाव स्पष्ट रूप से झलक रहा था कि छोटे-छोटे प्रयास भी बड़ी राहत बन सकते हैं।

सड़क-नाली निर्माण से बदलेगी तस्वीर 33 लाख के कार्यों का भूमिपूजन

बागबाहरा/नवप्रदेश। नगर पालिका परिषद बागबाहरा क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न वार्डों में करीब 33 लाख रुपए की लागत से होने वाले विकास कार्यों का भूमिपूजन आज विधि-विधान एवं मंत्रोच्चार के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में नगरपालिका अध्यक्ष खिलेश्वरी ताम्रध्वज बघेल व पार्षदों के हाथों कार्यों की शुरुआत की गई।जानकारी के अनुसार वार्ड क्रमांक 04 में कुंदकेश्वर महादेव मंदिर से लालपुर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य 10.34 लाख रुपए की लागत से किया जाएगा। वहीं वार्ड क्रमांक 05 में अशोक होटल से चौहान घर तक, राजा तांडी घर से मुख्य नाली तक, सोहन घर से सकुन घर तक, मुर्रा फैक्ट्री से मेन नाली तक तथा पाल बाबू घर से मेन नाली तक आरसीसी नाली निर्माण कार्य 6.30 लाख रुपए की लागत से होगा। इसी प्रकार वार्ड क्रमांक 06 में हरिसिंह घर से बृजभान घर तक 3 लाख रुपए की लागत से नाली निर्माण तथा डीला साहू घर से कुमार घर तक 4.27 लाख रुपए की लागत से आरसीसी नाली निर्माण कार्य कराया जाएगा। वार्ड क्रमांक 11 में कमलेश बघेल घर से नया चंडी मार्ग तक 5.51 लाख रुपए की लागत से आरसीसी नाली निर्माण एवं पानी टंकी के पास 4.01 लाख रुपए की लागत से शेड निर्माण कार्य भी शामिल है।

गरियाबंद में चेटीचंड की गूंज, झूलेलाल के जयकारों से माहौल

सिंधी समाज ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

गरियाबंद/नवप्रदेश। शहर के मेन रोड स्थित पुराने एसपी ऑफिस के सामने चेटीचंड महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया, जहां सिंधी समाज के सभी वर्गों के लोगों ने उत्साह और श्रद्धा के साथ भागीदारी निभाई। कार्यक्रम में भगवान झूलेलाल की विधिवत पूजा-अर्चना की गई, जिसके बाद मीठे शरबत और प्रसाद का वितरण कर आपसी भाईचारे का संदेश दिया गया। पूरे आयोजन स्थल पर भक्ति, उल्लास और एकता का अद्भुत संगम देखने को मिला।

चेटीचंड पर्व सिंधी समाज के आराध्य देव भगवान झूलेलाल के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है और इसी दिन से सिंधी नववर्ष की भी शुरुआत होती है। यह पर्व चैत्र शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को मनाया जाता है। मान्यता है कि भगवान झूलेलाल का अवतार समाज में प्रेम, सद्भावना और भाईचारा स्थापित करने के लिए हुआ था।

पौराणिक कथाओं के अनुसार, मिरखशाह नामक अत्याचारी शासक सिंधी समाज पर जबरन धर्म परिवर्तन का दबाव बना रहा था। इससे मुक्ति पाने के लिए समाज के लोगों ने वरुण देवता की आराधना की। 40 दिनों की कठोर तपस्या के बाद वरुण देव ने झूलेलाल के रूप में अवतार लेकर समाज को अन्याय और अत्याचार से मुक्ति दिलाई। इसी कारण इस दिन भगवान झूलेलाल की विशेष पूजा की जाती है। सिंधी समाज के प्रदेश उपाध्यक्ष अजय रोहरा ने कहा कि चेटीचंड केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा और एकता का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि भगवान झूलेलाल ने समाज को अन्याय के खिलाफ खड़े होने और आपसी भाईचारे के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। आज के दौर में भी यह संदेश उतना ही प्रासंगिक है।उन्होंने आगे कहा कि प्राचीन समय में जब सिंधी व्यापारी जलमार्ग से लंबी यात्राएं करते थे।

पेज 1 का शेष...

प्रदेश के विकास में सबसे ...

प्रवास के अनुभव साझा करते हुए राज्य की भौगोलिक, सांस्कृतिक और प्रशासनिक विशेषताओं की सराहना की। उन्होंने मुख्यमंत्री को सैन्य स्मृति चिन्ह भी भेंट किया।

विदेशी मेहमानों ने कहा - अद्भुत है छत्तीसगढ़, सुंदर स्मृतियों के साथ पूरी हुई यात्रा

अध्ययन दल में शामिल विदेश के सैन्य अधिकारियों ने छत्तीसगढ़ प्रवास को अद्भुत और यादगार बताते हुए कहा कि राज्य भौगोलिक विविधताओं और उर्वर भूमि से समृद्ध है। उन्होंने विशेष रूप से बस्तर क्षेत्र की जनजातीय संस्कृति और प्राकृतिक सौंदर्य की प्रशंसा की। एयर कमोडोर अजय कुमार चौधरी ने कहा कि स्पष्ट नेतृत्व और सशक्त नीति के कारण प्रदेश में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सुरक्षाबलों का मनोबल बढ़ा है जिससे नक्सलवाद के खिलाफ प्रभावी कार्य हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि राज्य और केंद्र सरकार की योजनाओं—जैसे महिला सशक्तिकरण और आवास योजनाओं—का जमीनी स्तर पर सकारात्मक असर दिखाई दे रहा है। उन्होंने छत्तीसगढ़ के समग्र विकास को कुशल नेतृत्व का परिणाम बताया।

प्रीमियम पेट्रोल दो ...

109.59 रुपये प्रति लीटर हो गई। अंतर्राष्ट्रीय तेल कीमतें गुरुवार, 19 मार्च 2026 को 119 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थीं, बाद में ये लगभग 108 डॉलर प्रति बैरल पर वापस आ गईं।

खाड़ी देशों में 6 भारतीयों की मौत, 1 लापता

मिडिल ईस्ट में जारी जंग के चलते खाड़ी देशों 6 भारतीय नागरिकों की मौत हो गई है, जबकि एक व्यक्ति अब भी लापता है। यह जानकारी विदेश मंत्रालय ने दी है। एमईए के अतिरिक्त सचिव (गल्फ) असीम आर महाजन ने बताया कि सऊदी अरब, ओमान, इराक और यूएई में भारतीय मिशन स्थानीय प्रशासन के संपर्क में हैं, ताकि लापता व्यक्ति का पता लगाया जा सके और मृतकों के शव भारत लाए जा सकें।

जोमैटो से खाना ...

20 से 25 लाख ऑर्डर डिलीवर करता है।

'एक महीने तक हवाई ...

भेजने पर विचार कर रहे हैं।

जल क्रांति का नया ...

विस्तारित चरण, जल जीवन मिशन 2.0 को मंजूरी दी है।

इस चरण में जल सेवा वितरण प्रणाली को मजबूत करने के साथ-साथ जनभागीदारी को भी सुनिश्चित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य में अब तक 41 लाख 30 हजार से अधिक ग्रामीण परिवारों, यानी लगभग 82.66 प्रतिशत घरों को नल कनेक्शन उपलब्ध कराया जा चुका है। श्री साय ने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत दूरस्थ, वनांचल और आदिवासी क्षेत्रों तक शुद्ध पेयजल पहुंचने से महिलाओं को बड़ी राहत मिली है, जिन्हें पहले पानी के लिए दूर-दूर तक जाना पड़ता था।

छत्तीसगढ़ परीक्षा गड़बड़ी ...

10 साल तक की जेल और 10 लाख रुपए तक का जुर्माना लगाया जाएगा। वहीं, गंभीर उल्लंघन जैसे पेपर लीक, अवैध प्रवेश या रिकॉर्ड में छेड़छाड़ के मामलों में 1 से 5 साल तक की जेल और 5 लाख रुपए तक का जुर्माना लगेगा।

बाप-बेटों को बंधक...

की गई है। घटना में ग्रामीणों ने बाप-बेटों को पहले बंधक बनाकर पीटा था, फिर उन्हें अर्धनग्न अवस्था में घुमाया गया था।

पूरी रात बंधक बनाकर रखा

मामला रायपुर जिले के अभनपुर थाना क्षेत्र का है। 13 मार्च 2025 को तिलक साहू पर ग्रामीणों ने काला जादू करने का आरोप लगाकर मारपीट शुरू कर दी, जब पिता अमर सिंह साहू और भाई नरेश साहू उन्हें बचाने पहुंचे, तो भीड़ ने तीनों को ही निशाना बना लिया। ग्रामीणों ने तीनों को बुरी तरह पीटा, अर्धनग्न कर गांव में घुमाया, चेहरे पर कालिख पोती और जूतों की माला पहनाई। इतना ही नहीं, उन्हें चौराहे पर पूरी रात बंधक बनाकर रखा गया।

दो पुलिस अधिकारियों पर कार्रवाई

मामले में तत्कालीन थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सिद्धेश्वर प्रताप सिंह और सब-इंस्पेक्टर नरसिंह साहू के खिलाफविभागीय जांच के आदेश दिए गए हैं और उन्हें चार्जशीट भी जारी की गई है।

पुलिस पर लापरवाही के आरोप

इस घटना की जानकारी डायल- 112 पर दी गई, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। आरोप है कि पुलिस ने पीड़ितों से कागज पर हस्ताक्षर कराए, जिसमें शिकायत न करने की बात लिखी थी और उन्हें गांव के बाहर छोड़ दिया।

रेलवे ने यात्री राजस्व में 1359.04 करोड़ अर्जन का बनाया नया कीर्तिमान

बिलासपुर/नवप्रदेश। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में यात्री राजस्व अर्जन में उपलब्धि हासिल करते हुए अब तक का सर्वाधिक ऑरिजिनेटिंग पैसेंजर रेवेन्यू अर्जित किया है।

17 मार्च तक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने यात्री यातायात से 1359.04 करोड़ का राजस्व अर्जन किया है, जो पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 के 1330.70 करोड़ के यात्री यातायात से प्राप्त राजस्व अर्जन से अधिक है। यह उपलब्धि न केवल दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की उत्कृष्ट कार्यप्रणाली को दर्शाती है, बल्कि यात्रियों को बेहतर सेवाएं प्रदान करने की प्रतिबद्धता का भी प्रमाण है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2025-26 के लिए निर्धारित आंतरिक लक्ष्य 1348.06 करोड़ को भी पार कर लिया गया है। राजस्व वृद्धि में अनारक्षित श्रेणी के लिए यात्रा का विशेष योगदान रहा है, जिसमें 55 करोड़ (18.7%) की वृद्धि दर्ज की गई है, जो भारतीय रेल में सर्वाधिक वृद्धि प्रतिशत में से एक है। वहीं, आरक्षित श्रेणी में यात्रा के लिए 26 करोड़ (2.8%) की वृद्धि दर्ज की गई है। कुल मिलाकर 82 करोड़ (6.6%) की वृद्धि की तुलना में तथा 65 करोड़ (5%) की वृद्धि

आनुपातिक लक्ष्य की तुलना में हासिल की गई है। यात्रियों की बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा वर्तमान वित्तीय वर्ष में स्पेशल ट्रेनों का भी सफलतापूर्वक संचालन किया गया। इस दौरान टीओडी (ट्रेन ऑन डिमांड) के तहत 116 ट्रिप (26 आरक्षित ट्रेनें) एवं 36 ट्रिप (8 अनारक्षित ट्रेनें) चलाई गईं। यह उल्लेखनीय उपलब्धि तरुण प्रकाश, महाप्रबंधक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के कुशल नेतृत्व, मार्गदर्शन एवं प्रेरणा के साथ-साथ अधिकारियों एवं कर्मचारियों की समर्पित कार्यशैली, प्रभावी प्रबंधन तथा यात्री सुविधाओं में निरंतर सुधार का परिणाम है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे प्रशासन, महाप्रबंधक तरुण प्रकाश के नेतृत्व में, भविष्य में भी यात्रियों को सुरक्षित, सुगम एवं उच्च गुणवत्ता की सेवाएं प्रदान करने के लिए सतत प्रतिबद्ध है।

अलीपुर द्वार और नागपुर के मध्य एक फेरे के लिए स्पेशल ट्रेन का परिचालन

रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने तथा उन्हे सुगम, सुरक्षित एवं आरामदायक यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अलीपुर द्वार और नागपुर के मध्य एक फेरे के लिए स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जा रहा है। इस गाड़ी का वाणिज्यिक ठहराव दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायगढ़, बिलासपुर, रायपुर, गोंदिया एवं नागपुर स्टेशनों पर दिया गया है। गाड़ी संख्या 05472 अलीपुर द्वार-नागपुर स्पेशल ट्रेन 21 मार्च (शनिवार) 2026 को अलीपुर द्वार से 06.30 बजे रवाना होगी तथा दलगाँव आगमन 08.10 बजे, प्रस्थान 08.12 बजे, न्यू माल आगमन 09.15 बजे, प्रस्थान 09.17 बजे, सिलीगुड़ी आगमन 11.18 बजे, प्रस्थान 11.20 बजे, न्यू जलपाईगुड़ी आगमन 11.45 बजे, प्रस्थान 11.55 बजे, आलुआबाड़ी रोड आगमन 12.38 बजे, प्रस्थान 12.40 बजे, किशनगंज आगमन 13.03 बजे, प्रस्थान 13.05 बजे, बारसोई आगमन 13.50 बजे, प्रस्थान 13.52 बजे, मालदा टाउन आगमन 16.05 बजे, प्रस्थान 16.15 बजे, रामपुर हाल्ट आगमन 18.25 बजे, प्रस्थान 18.27 बजे, बोलपुर(शांति निकेतन) आगमन 19.07 बजे, प्रस्थान 19.12 बजे, बर्द्धमान आगमन 21.10 बजे, प्रस्थान 21.15 बजे, डानकुनि आगमन 22.07, प्रस्थान 22.12 बजे दूसरे दिन (रविवार) को खड़गपुर आगमन 01.55 बजे, प्रस्थान 02.00 बजे, टाटानगर आगमन 04.05 बजे, प्रस्थान 04.15 बजे, चक्रधरपुर आगमन 05.15 बजे, प्रस्थान 05.20 बजे, राउरकेला आगमन 06.50 बजे, प्रस्थान 07.00 बजे, झारसुगुड़ा आगमन 09.25 बजे, प्रस्थान 09.30 बजे, रायगढ़ आगमन 10.28 बजे, प्रस्थान 10.30 बजे, बिलासपुर आगमन 12.50 बजे, प्रस्थान 13.00 बजे, रायपुर आगमन 15.00 बजे, प्रस्थान 15.05 बजे, गोंदिया आगमन 18.10 बजे, प्रस्थान 18.15 बजे होते हुये 21.00 बजे नागपुर स्टेशन पहुंचेगी।

न्यूज गैलरी

अग्निवीर भर्ती के लिए ऑनलाईन आवेदन 1 अप्रैल तक

बिलासपुर/नवप्रदेश। भारतीय थल सेना (अग्निवीर) में भर्ती के लिए इच्छुक एवं पात्र युवाओं से 1 अप्रैल तक ऑनलाईन आवेदन मंगाये गये है। पुरूष अभ्यर्थी जनरल, तकनीकी, लिपिक, स्टोरकीपर, ट्रेडमैन एवं महिला अभ्यर्थी सेना पुलिस तथा स्थायी कैडर नर्सिंग असिस्टेंट, नर्सिंग असिस्टेंट वेट और सिपाही फार्मा के लिए आवेदन कर सकते हैं।

ट्रांसफॉर्मर लगाने के एवज में मांगी थी घूस, बिलासपुर एसीबी ने जांजगीर में किया ट्रैप

एई-डीई सहित 3 अधिकारियों को 35 हजार रिश्वत लेते एसीबी की टीम ने किया गिरफ्तार

बिलासपुर/नवप्रदेश। बिलासपुर एसीबी की टीम ने जांजगीर में ट्रांसफॉर्मर लगाने के एवज में 35 हजार रिश्वत लेते 3 अधिकारियों को ट्रैप किया है। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के सहायक अभियंता विजय नोर्गे, उप अभियंता राजेंद्र शुक्ला और सहायक ग्रेड-1 देवेंद्र राठौर को घूस लेते रंगे हाथ पकड़ा गया। डीएसपी अजितेश सिंह ने बताया कि, जांजगीर निवासी प्रदीप यादव ने एसीबी बिलासपुर में शिकायत की थी।

भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज

एसीबी ने आरोपियों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 7 और 12 के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। एसीबी ने लोगों से अपील की है कि यदि कोई भी अधिकारी या कर्मचारी रिश्वत की मांग करता है तो इसकी सूचना तुरंत एसीबी को दें।

शिकायत में बताया गया था कि, वह ग्राम खोखसा में फ्लाई ऐश ब्रिक्स का प्लांट लगाना चाहता है। इसके लिए ट्रांसफॉर्मर लगाने का आवेदन सीएसपीडीसीएल कार्यालय जांजगीर में दिया गया था। डिमांड नोट भी जमा कर दिया गया था। इसके बावजूद ट्रांसफार्मर और मीटर लगाने के लिए अधिकारियों ने 35 हजार रुपए रिश्वत की मांग की थी। वहीं, नवागढ़ नगर पंचायत के लेखापाल प्रकाश जायसवाल को भी 8 हजार रुपए रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है। शिकायत का सत्यापन करने पर आरोप सही पाए गए, जिसके बाद एसीबी टीम ने ट्रैप की योजना बनाई। 20 मार्च को शिकायतकर्ता को रिश्वत राशि देने के लिए सीएसपीडीसीएल कार्यालय भेजा गया।

चेक जारी कराने के एवज में मांगी थी रिश्वत

डीएसपी अजितेश सिंह ने बताया कि, नवागढ़ निवासी अब्दुल वहाब ने एसीबी बिलासपुर में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि उनकी फर्म ने नगर पंचायत नवागढ़ क्षेत्र में वित्त वर्ष 2024-25 में अधोसंरचना और मरम्मत से संबंधित काम किया था। इस काम की करीब 2 लाख 3 हजार रुपए की बिल राशि का चेक जारी करने के लिए लेखापाल 16 हजार रुपए रिश्वत मांग रहा था। शिकायतकर्ता के अनुसार, आरोपी लेखापाल पहले ही 6 हजार रुपए ले चुका था और शेष 10 हजार रुपए की मांग कर रहा था। हालांकि सत्यापन के दौरान मोलभाव होने पर आरोपी 10 हजार की जगह 8 हजार रुपए लेने के लिए तैयार हो गया।

रंगे हाथ पकड़ा गया

शिकायत सही पाए जाने के बाद एसीबी टीम ने ट्रैप की योजना बनाई। 20 मार्च को शिकायतकर्ता को रिश्वत की रकम देने भेजा गया। आरोपी ने 8 हजार रुपए लेकर अपनी कार में रखे ही थे कि पहले से घात लगाए एसीबी की टीम ने उसे ग्राम सेमरा के पास शाह क्रशर के नजदीक पकड़ लिया। आरोपी के पास से रिश्वत की राशि बरामद कर ली गई है।

टीम ने तीनों को दबोचा

रिश्वत की राशि देने के बाद संकेत मिलते ही आसपास मौजूद एसीबी टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को पकड़ लिया। आरोपियों के पास से कुल 35 हजार रुपए बरामद किए गए हैं।

नाम-परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं जय कुमार पारख जैन पिता आसकरण जैन निवासी- 286, शनिचरी बाजार, आपापुरा वार्ड 31, दुर्ग तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.) 491001 यह शपथ करती हूँ कि मैने अपना पूर्व अर्थात् पुराना नाम जय पारख को त्याग कर नया नाम जय कुमार पारख जैन रख लिया है अतः आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्द्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नये नाम जय कुमार पारख जैन से ही जाना व पहचाना जावे।

शपथकर्ता
जय कुमार पारख जैन
पिता आसकरण जैन
निवासी- 286, शनिचरी बाजार, आपापुरा वार्ड 31 दुर्ग,
तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)
पिन. 491001

नाम-परिवर्तन

मैं निशा चेलक (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) पति स्व. आशीष कुमार चेलक निवासी मकान नं. 600, जयस्तंभ चौक, देवबलौदा, चरोदा भिलाई, तह. पाटन, जिला-दुर्ग (छ.ग.) ने अपना नाम टुरभी चेलक (TURBHI CHELAK) माता मिशा चैलक (NISHA CHELAK) (पुराना नाम) से बदल कर दुरभी चेलक (TURBHI CHELAK) माता आशा चेलक (ASHA CHELAK) (नया नाम) रख लिया है।

शपथकर्ती
निशा चेलक
पति स्व. आशीष कुमार चेलक
निवासी मकान नं. 600, जयस्तंभ चौक, देवबलौदा, चरोदा भिलाई,
तह. पाटन, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

नाम-परिवर्तन

मैं एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि सतबाई पति एस. कुमार चनाप (SATBAI W./o S. KUMAR CHANNAP) उम्र 76 वर्ष, निवासी-वार्ड नंबर-10, संजय नगर आदर्श पारा. सुपेला, भिलाई, तहसील व जिला-दुर्ग (छ.ग.) की हूं। मेरी जन्मतिथि 13.02.1951 तथा मेरा आधार कार्ड नंबर-3256 2569 2713 है जो कि सत्य व सहीं है। मेरा प्रचलित नाम सतबाई पिता पचकौड़ है जो कि मेरे स्कूली दस्तावेज जो कि पैतृक ग्राम से संबंधित नाम एवं पता है। मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम त्रुटिवश सत्यवती पति एस. कुमार जन्मतिथि 01.01.1949 दर्ज हो गया है। मेरा सहीं व वास्तविक नाम सतबाई पति एस. कुमार चनाप (SATBAI W./o S. KUMAR CHANNAP) जन्मतिथि 13.02.1951 है। तथा अब मैं अपने परिवर्तित नाम व जन्मतिथि से जानी, पहचानी जाती हूं। अतः मेरा प्रचलित नाम सतबाई पिता पचकौड़ है जो कि मेरे स्कूली दस्तावेज जो कि पैतृक ग्राम से संबंधित नाम एवं पता है। मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम त्रुटिवश सत्यवती पति एस. कुमार जन्मतिथि 01.01.1949 को विलोपित कर मेरा सही व वास्तविक नाम सतबाई पति एस. कुमार चनाप (SATBAI W./o S. KUMAR CHANNAP) जन्मतिथि 13.02.1951 लिखवाना चाहती हूं।

शपथकर्ती
सतबाई पति एस. कुमार चनाप
निवासी-वार्ड नंबर-10, संजय नगर आदर्श पारा. सुपेला, भिलाई,
तहसील व जिला-दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
ईश्तहार

क्र./प्र.02/तह./वर्ष 2024-25

प्रति,
हल्का पटवारी ग्राम सिकोला तह. व जिला दुर्ग
विषय :- जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने बाबत्।

विषयांतर्गत संबंध में लेख है कि आवेदक नीलाभ उल्हास ठोके पिता यू.एस. ठोके निवासी हरी नगर कातुलबोड़ दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम सिकोला स्थित भूमि खसरा नंबर 202/248 का टुकड़ा रकबा 0.023 हे./2520 वर्गफीट भूमि को आवेदक की माता श्रीमती उषा ठोके पति यू.एस. ठोके के द्वारा विकेता इन्द्रजीत प्रेमचंद जोतवानी पिता स्व. प्रेमचंद जोतवानी निवासी औद्योगिक क्षेत्र धमधा नाका दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग से पंजीकृत बैनामा दिनांक 27/03/2009 को कय किया गया है। किन्तु आवेदक की माता द्वारा आवेदित भूमि का नामांतरण भूलवश नहीं कराया गया, तथा आवेदक की माता की मृत्यु दिनांक 06/11/2016 को हो जाने पर आवेदित भूमि को पंजीकृत बैनामा के आधार पर प्रमाणीकरण करते हुये माता की मृत्यु हो जाने पर उसके सभी विधिक वारिसानों का नाम राजस्व अभिलेख में दर्ज किये जाने बाबत् आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतः आप आवेदित भूमि के संबंध में विस्तृत रूप से जांच कर जांच प्रतिवेदन इस न्यायालय में दिनांक 19.03.2026 तक अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करें।

पेशी दिनांक 02.04.2026

मुहर

तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

नाम-परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं महावीर चंद जैन, पिता ताराचंद जैन निवासी, म. नं. 34/के, गयाबाई स्कूल के पीछे, गयानगर, दुर्ग, (छ.ग.) यह शपथ करता हूं कि मैंने अपना यह पुराना नाम महावीर चंद जैन को त्याग कर नया नाम महावीर जैन रख लिया हूं। अतः आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नये नाम महावीर जैन से ही जाना पहचाना जावे।

शपथकर्ता
महावीर जैन
म.नं. 34/के, गयाबाई स्कूल के पीछे, गयानगर, दुर्ग, (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई के न्यायालय में मामला

क्रमांक: 202603101000115
/अ-6अ/सन्- 2025-26

मामले की श्रेणी-राजस्व

कोहका प.ह.न. 00045 हे.
पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार- कैलाश
अनावेदक पक्षकार-

ईश्तहार

आवेदक कैलाश पिता/पति/विभाग भीमराव पता पुष्पक नगर दुर्ग ग्राम कोहका प.ह.न. 45 रा.नि.म. कोहका, तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नं. 2631/141 रकबा 0.01 हे/1210.5 वर्गफीट भूमि को विक्रेता ओम शंकर मिश्रा आ. एल.पी. मिश्रा से क्रय किया गया था। नामांतरण पश्चात ऋण पुस्तिका में आवेदिका का नाम दर्ज है, किन्तु वर्तमान अभिलेख में आवेदक श्रीमती संध्या धाडसे पति कैलाश के स्थान पर संध्या थाड्से दर्ज हो गया है, जो की त्रुटी है। जिसे त्रुटी सुधार किये जाने हेतु न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 10.04.2026 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयवधि पश्चात आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 18.03.2026 को जारी किया जाता है।

मुहर

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाईनगर (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई के न्यायालय में मामला

क्रमांक: 202602101000211
/अ-6अ/सन्- 2025-26

मामले की श्रेणी-राजस्व

कोहका प.ह.न. 00045 हे.
पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार- राम खिलावन जंघेल/ अनावेदक पक्षकार-

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राम खिलावन जंघेल पिता/ पति/विभाग बलिराम जंघेल पता कोहका तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम कोहका प.ह.नं. 45 स्थित भूमि खसरा नं 1531 रकबा 0.010 हे. भूमि में हुए त्रुटी को सुधार कर रिकार्ड अद्यतन किये जाने बाबत् आवेदन पत्र संबंधित दस्तावेजों को संलग्न कर इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

उपरोक्त भूमि का नामान्तरण किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति-संस्था को उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनाक 24.03.2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निधारत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 25.02.2026 को जारी किया जाता है।

मुहर

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाईनगर (छ.ग.)

नाम-परिवर्तन

मै शपथकर्ता रजत कुमार जैन (RAJAT KUMAR JAIN) पिता जितेन्द्र कुमार जैन (JITENDRA KUMAR JAIN) उम्र.31 निवासी 103 अम्बेडकर नगर वैशाली नगर सुपेला भिलाई दुर्ग छत्तीसगढ़ 490023 दुर्ग जिला दुर्ग छ.ग. निम्नलिखित कथन शपयपुर्वक करती हूं कि मेरे आधार में मेरा नाम मयंक जैन (MAYANKA JAIN) पिता जितेन्द्र कुमार जैन (JITENDRA KUMAR JAIN) को पुर्णतः त्यागता हुँ परित्याग करता हूँ। उसके स्थान पर इस विलेख कि तारीख से अपना नाम पूर्व के दस्तावेज के आधार पर मेरा नाम रजत कुमार जैन (RAJAT KUMAR JAIN) जितेन्द्र कुमार जैन (JITENDRA KUMAR JAIN) निवासी 103 अम्बेडकर नगर वैशाली नगर सुपेला भिलाई दुर्ग छत्तीसगढ़ 490023 दुर्ग जिला - दुर्ग छ.ग. से जाना जावे व पहचाना जावे और पुकारा जावें। यह कि अपने इस निश्चय को प्रकट करने के प्रयोजनार्थ घोषणा करता हूँ कि मैं अपने नाम इसके बाद समस्त समयो पर अभिलेखो, विलेखों में और समस्त कार्यवाहियों तथा संव्यवहारों से चाहे वे प्रायवेट हो या सरकारी हो या समस्त अवसरों पर मेरे आधार कार्ड मयंक जैन (MAYANKA JAIN) के स्थान पर मेरा नाम अन्य दस्तावेजों में दर्ज नाम रजत कुमार जैन (RAJAT KUMAR JAIN) का उपयोग करेगी और इसी नाम से हस्ताक्षर करेगा। यह कि समस्त व्यक्तियों को आगे व्यक्तिगत रूप से प्राधिकृत करती हुँ तथा निवेदन करती हूँ कि इसके पश्चात् समस्त समयों पर मेरा नाम अंगीकृत संशोधित नाम मेरा नाम -मयंक जैन (MAYANKA JAIN) के स्थान पर मेरा नाम अन्य दस्तावेजों में दर्ज नाम रजत कुमार जैन (RAJAT KUMAR JAIN) से ही दर्ज करें।

शपथकर्ता
रजत कुमार जैन
पिता जितेन्द्र कुमार जैन
निवासी 103 अम्बेडकर नगर वैशाली नगर सुपेला भिलाई दुर्ग (छत्तीसगढ़)

नाम-परिवर्तन

मै शपथकर्ता चैनदास (CHAINDAS) पिता लाला (LALA) उम्र. निवासी पता 86 वार्ड नं. 33 गुरु घासी दास नगर सेक्टर 11 जोन 2 खुर्सीपार भिलाई दुर्ग छत्तीसगढ़ तहसील व जिला दुर्ग छ.ग. निम्नलिखित कथन शपथपूर्वक करती हूं कि मेरी नाम पुराना नाम नैनदास सोनवानी (NAINDAS SONWANI) पिता लाला (LALA) को पुर्णतः त्यागती/त्यागता हूँ परित्याग करता हैं। उसके स्थान पर इस विलेख कि तारीख से अपना नाम पूर्व के दस्तावेज के आधार पर चैनदास (CHAINDAS) पिता लाला (LALA) निवासी पता 86 वार्ड न 33 गुरु घासी दास नगर सेक्टर 11 जोन 2 खुर्सीपार भिलाई दुर्ग छत्तीसगढ़ अंगीकार किये जायें व नाम चैनदास (CHAINDAS) पिता लाला (LALA) से जाना जावे व पहचाना जावे और पुकारा जावे। यह कि अपने इस निश्चय को प्रकट करने के प्रयोजनार्थ घोषणा करता हुँ, कि मैं अपने नाम इसके बाद समस्त समयो पर अभिलेखो, विलेखों में और समस्त कार्यवाहियों तथा संव्यवहारों से चाहे वे प्रायवेट हो या सरकारी हो या समस्त अवसरों पर मेरे आधार एवं मार्कशीट में कार्ड में दर्ज नाम नैनदास सोनवानी (NAINDAS SONWANI) पिता लाला (LALA) के स्थान पर मेरा नाम अन्य दस्तावेजों में दर्ज नाम चैनदास (CHAINDAS) पिता लाला (LALA) का उपयोग करेगी और इसी नाम से हस्ताक्षर करेगी। यह कि समस्त व्यक्तियों को आगे व्यक्तिगत रूप से प्राधिकृत करती हुँ तथा निवेदन करती हूँ कि इसके पश्चात् समस्त समयों पर मेरा नाम अंगीकृत संशोधित नाम चैनदास (CHAINDAS) पिता लाला (LALA) से ही दर्ज करें।

शपथकर्ता
चैनदास पिता लाला
निवासी पता 86 वार्ड नं. 33
गुरु घासी दास नगर सेक्टर 11
जोन 2 खुर्सीपार भिलाई
तह. व जिला दुर्ग (छत्तीसगढ़)

न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग-03 जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा-पत्र

मा.क्र./अ-6(अ)/ वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदिका सुनीत बाई सिन्हा पिता/पति गुमान सिन्हा निवासी वार्ड 18 थनौद तह. व जिला दुर्ग के द्वारा इस न्यायालय में आवेदन पेश किया गया है कि उनके पति एवं अन्य के नाम पर ग्राम थनौद प.ह.न 24 तह. व जिला दुर्ग में स्थित भूमि खसरा नं. 1013, 1014, 2826, 1053, 2325/1, 2624, 2626/1 रकबा 0.05, 0.08, 0.31, 0.06, 0.15, 0.35, 0.61 हे. भूमि एकल खाता/शामिल खाता में दर्ज है। खातेदार/ सहखातेदार गुमान पिता गणेश राम की मृत्यु होने से उनका नाम विलोपित कर वारिसान हक में मृतक खातेदार के विधिक वारिसानों का नाम दर्ज करने हेतु आवेदन इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः जिस किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था को इस संबंध में आपत्ति दावा या उजर पेश करना हो तो पेशी दिनांक 30.03.2026 तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति/आक्षेप पेश कर सकते है। बाद में प्राप्त आपत्ति आवेदन पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 13.03.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पद मुद्रा से प्रकाशन हेतु जारी किया जाता है।

मुहर

नायब तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा

रा.प्र.क्र./वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक शेख साजिद बक्स पिता शेख नासिर बक्स निवासी पचरीपारा दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा शेख साजिद बक्स पिता/पति शेख नासिर बक्स की जन्म/मृत्यु दिनांक 10.09.1983 को हो जाने पर जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र शपथ पत्र, पार्षद प्रमाण पत्र व अन्य दस्तावेज संलग्न कर इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 30.03.2026 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 20.03.2026 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
जिला दुर्ग (छ.ग.)

नाम परिवर्तन/ सूचना

मैं कांति यादव पिता रामप्यारे, क्रांति रामप्यारे यादव पति दीपक यादव उम्र 26 वर्ष, निवासी मकान क्रमांक 409, नयापारा वार्ड नं. - 01, तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.) ने अपना नाम कांति यादव पिता रामप्यारे, क्रांति रामप्यारे यादव पति दीपक यादव (पुराना नाम) से बदलकर कांति यादव पति दीपक यादव (नया नाम) रख लिया है।

तदानुसार सूचना जाने।

शपथकर्ता
कांति यादव पिता रामप्यारे,
क्रांति रामप्यारे यादव पति दीपक यादव निवासी- मकान क्रं. 409,
नयापारा वार्ड नं. - 01,
तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.)

कार्यालय संपदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.)
फोन नं.- 0771.4903223
Email: eocghbzone02@gmail.com

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि अटल आवास योजनांतर्गत मुनगी फेस-01, जिला-रायपुर में स्थित भवन क्रमांक **420, श्री रामाधार वर्मा पिता श्री भगवाती प्रसाद वर्मा** के नाम से स्ववित्तिय आधार पर आबंटित है। आबंटी द्वारा उक्त भवन की लीजडीड दिनांक **16.06.2010** पंजीकृत कराने उपरान्त भवन की पूर्ण राशि जमाकर दिनांक 10.12.2013 को आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया है, वर्तमान में आबंटी **श्री रामाधार वर्मा पिता श्री भगवाती प्रसाद वर्मा** निवासीः ग्राम मुनगी पोस्ट चंदखुरी तह. आरंग, जिला रायपुर (छ.ग.) के द्वारा उक्त भवन को **श्री मनोज कुमार सेन पिता श्री कमल नारायण सेन** निवासीः-478 वार्ड नं.-14 मुनगी पोस्ट चंदखुरी तह. आरंग, जिला रायपुर (छ.ग.) के नाम से विक्रय करने के लिये इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत कर अनापत्ति प्रमाण पत्र (NOC) की मांग की गई है।

अतः उक्त भवन के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति, शासकीय व अर्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तिय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-2, रायपुर

समक्षः श्री मान अनुविभागीय दण्डाधिकारी नगरी जिला धमतरी छ0ग0

मैं अशोक कुमार मरकाम उम्र 53 वर्ष पिता स्व0 गजरूराम मरकाम जाति गोंड़ निवासी ग्राम-अमाली थाना नगरी तहसील नगरी जिला धमतरी.... ....शपथकर्ता

शपथ-पत्र

मै शपथकर्ता निम्नानुसार शपथ-पत्र प्रस्तुत कर रहा हूं -

1. यह कि मेरा नाम पता एवं अन्य विवरण उपरोक्तानुसार है जो सत्य है।
2. यह कि मेरी पुत्री के नाम से जारी आधार कार्ड क्रमांक 4312 7604 8452 में मेरी पुत्री का नाम अजश्वी मरकाम AJASHWI MARKAM अंकित है जो त्रुटिपूर्ण है।
3. यह कि मेरी पुत्री का वास्तविक नाम यजस्वी मरकाम पिता अशोक कुमार मरकाम (YAJASHWI MARKAM D/O ASHOK KUMAR MARKAM) जो सत्य एवं सही है।
4. यह कि मेरी पुत्री के उक्त आधार कार्ड में अंकित त्रुटिपूर्ण नाम अजश्वी मरकाम AJASHWI MARKAM के स्थान पर वास्तविक एवं सही नाम यजस्वी मरकाम पिता अशोक कुमार मरकाम (YAJASHWI MARKAM D/O ASHOK KUMAR MARKAM) अंकित किया जाये।
5. यह कि उक्त शपथ पत्र में मेरी पुत्री का नाम आधार कार्ड में सुधार करने के समर्थन में प्रस्तुत कर रहा हूँ।

सत्यापन - मैं शपथकर्ता उपरोक्तानुसार यह सत्यापित करता हूं कि कंडिका 1 से 5 तक वर्णित जानकारी मेरे ज्ञान एवं विश्वास से सत्य है अतएव आज दिनांक को नगरी में अपना हस्ताक्षर किया।

सत्यापनकर्ता
अशोक कुमार मरकाम

न्यायालय तहसीलदार, देवकर जिला-बेमेतरा (छ.ग.)
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, आवेदक मुकेश कुमार अग्रवाल पिता रामचन्द्र अग्रवाल जाति बनिका निवासी वार्ड नम्बर 13, मकान नंबर 92 कचहरी पारा बैंकुठपुर जिला कोरिया (छ.ग.) के द्वारा इस आशय से आवेदन पेश किया गया है. कि ग्राम लालपुर प.ह.न. 12 तहसील देवकर जिला बेमेतरा (छ.ग.) स्थित वाद भूमि ख.न. 809/2, 812/2, 813/2, 815/2, 820/2, 820/3, 820/4, 820/5, 821/1, 821/2, 821/3, 821/4, 825/1, 8252, 825/3, 825/24, 826, 827/1, 827/1, 827/2, 827/3, 828, 829/1, 829/3, 829/4 कुल ख.न. 25 कुल रकबा 5.10 हे. भूमि जो वर्तमान में ओम फार्म हाउस पार्टनर अनिल कुमार पाठक पिता सुखदेव पाठक, किरण पाठक पति अनिल पाठक पता मकान नं. 42/10 नेहरू नगर भिलाई, के नाम से वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदक के द्वारा उक्त वाद भूमि पर वर्तमान भूमि स्वामी ओम फर्म हाउस पार्टनर अनिल कुमार पाठक पिता सुखदेव पाठक, किरण पाठक पति अनिल पाठक के द्वारा त्याग पत्र के माध्यम से फर्म हट गये है। आवेदक के द्वारा उक्त आवेदन के माध्यम से वर्तमान पार्टनर का नाम विलोपित कर नये पार्टनर मुकेश कुमार अग्रवाल पिता रामचन्द्र अग्रवाल, श्वेता अग्रवाल पति मनीष अग्रवाल का नाम दर्ज करने के लिये आवेदन प्रत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतएव उपरोक्त संबध में किसी भी व्यक्ति/संस्था/समुदाय को कोई उजर दावा/आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 24/03/2026 को न्यायालय में उपस्थित होकर स्वयं / अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से उजर दावा/आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत दिनांक के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 09/03/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

जारी दिनांक - 09/03/2026
नियत दिनांक - 24/03/2026

मुहर

तहसीलदार
देवकर, जिला बेमेतरा (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा

रा.प्र.क्र./वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राशीद बक्स पिता नासिर बक्स निवासी पचरीपारा दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा राशीद बक्स पिता/पति नासिर बक्स की जन्म/मृत्यु दिनांक 14.11.1977 को हो जाने पर जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र शपथ पत्र, पार्षद प्रमाण पत्र व अन्य दस्तावेज संलग्न कर इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 30.03.2026 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 20.03.2026 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
जिला दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर जिला दुर्ग (छ.ग.)
ईश्तहार

रा.प्र.क्र. 202603101000128
/अ-06/वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्रकरण का सार है कि आवेदक गोपाल पोद्दार पिता दुलाल पोद्दार निवासी भिलाई द्वारा ग्राम कुरूद प.ह.नं. 46 स्थित भूमि खसरा नं. 1575/48 रकबा 0.020 हे. भूमि आवेदक के पिता के नाम पर दर्ज है भूमिस्वामी की मृत्यु हो जाने से भूमिस्वामी का नाम विलोपित कर उनके विधिक वारीसानो का नाम दर्ज किये जाने के संबंध में आवेदन-पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 09.04.2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या आने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदक पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 17.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर के साथ जारी किया गया है।

मुहर

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाईनगर (छ.ग.)

नाम-परिवर्तन

मैं शपथकर्ता विवेक चंद्र ताण्डी पिता श्री जगदीश ताण्डी, उम्र 29 वर्ष, निवासी शिव मंदिर चर्च के पास, वार्ड नंबर 47 मकान नंबर 47/802, रायपुर नाका राजीव नगर दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग छ.ग. का हूं जो कि निम्नलिखित कथन शपथ पूर्वक पेश करता हूं कि :- यह कि मैं उपरोक्त पते का निवासी हूं। यह कि मेरे पुत्र का नाम युजिथ तांडी है जिसकी जन्मतिथि 28.09.2025 को हुआ है जिसका जन्म प्रमाण पत्र मेरे द्वारा जिला चिकित्सालय दुर्ग से बनवाया गया है जिसका पंजीयन कमांक बी. 202522901710006812 पंजीयन दिनांक 08.10.2023 है, कि मेरे पुत्र का मेरे द्वारा जन्म प्रमाण पत्र बनवायवा गया है जिसमें मेरे पुत्र का नाम युजिथ ताण्डी दर्ज कर दिया गया है। जिसको परिवर्तन करवाकर उसका नाम अब मैं यर्थाथ ताण्डी दर्ज करवाना चाहता हूं एवं यही नाम मेरे पुत्र के भविष्य के समस्त दस्तावेजो में दर्ज किया जायेगा। यह कि मैं उपरोक्त नाम छत्तीसगढ़ राजपत्र में प्रकाशन करवाना चाहता हूं जिस बावबत यह शपथ पत्र दी गई जानकारी सही व सत्य होने के प्रमाण में श्रीमान सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत है। अतः यह शपथ पत्र पेश है।

शपथकर्ता
विवेक चंद्र ताण्डी
पिता श्री जगदीश ताण्डी,
निवासी शिव मंदिर चर्च के पास,
वार्ड नंबर 47 मकान नंबर 47/802,
रायपुर नाका राजीव नगर दुर्ग
तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.)

सी आई एन. U40108CT2003SGC015820 GST IN-22AADCC5773E1ZX

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड
(छत्तीसगढ़ शासन का एक उपक्रम)

क्र./का.यं./अ.उ.दा. (नि.) / 1239 रायपुर, दिनांक 20.03.2026

आवश्यक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि छ.ग. स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड द्वारा विद्यमान 132 के. व्ही. बारसुर-किरंदुल लाइन से टेपिंग कर 132 के.व्ही. सब-स्टेशन एनएमडीसी बचेली तक 132 के.व्ही. बिजली आपूर्ति हेतु ई.एच.व्ही. लाईन का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। यह विद्युत लाईन ग्राम-बड़े बचेली तहसील-बड़े बचेली, जिला-दंतेवाड़ा से होकर गुजरती है।

उपरोक्त उल्लेखित लाईन में नियमित रूप से विद्युत प्रवाह दिनांक 22/03/2026 या उसके पश्चात् कभी भी चालू किया जा सकता है।

अतः आम जनता से अनुरोध है, कि इस विद्युत लाईन के पास न जावें तथा विद्युत लाईन से किसी तरह की छेड़छाड़ न करें। ऐसा करना जानलेवा साबित हो सकता है।

विद्युत लाईन से छेड़छाड़ एवं विद्युत लाईन को नुकसान पहुंचाना भारतीय विद्युत अधिनियम 1910, भारतीय विद्युत आपूर्ति अधिनियम-1956 एवं विद्युत अधिनियम-2003 के अंतर्गत दण्डनीय अपराध है।

"स्वहित एवं राष्ट्रहित में विद्युत की बचत कीजिये"

(इंजी. उमाकांत यादव)
कार्यपालन यंत्री
अति उच्च दाब (निर्माण) संभाग
सीएसपीटीसीएल, रायपुर।

संवाद- 47264/2

MUNICIPAL CORPORATION, RAIPUR

e-Procurement Tender Notice
Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in
(1stCall)

NIT NO:-83/RMC/ZONE 08/2026 **RAIPUR DATED-19.03.2026**

Online bids are invited for the following works up to **13.04.2026** at 17:30 hours.

Sr. No.	System Tender No.	Name of work/Description of work	Probable amount of contract (In Lacs)
1	187443	वीरसावरकर नगर वार्ड क्र.-01 अंतर्गत हाउसिंगबोर्ड कालोनी में प्रेरणा ब्लाईंड स्कूल के पास स्थित हीरापुर सामुदायिक भवन में अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य	25.00
2	187445	संत रविदास वार्ड क्र.-70 अंतर्गत ग्राम सरोना गौठान (दैहान) में मंच (स्टेज) तथा शेड निर्माण कार्य	13.72
3	187446	रामकृष्ण परमहंस वार्ड अंतर्गत कोटा स्थित सामुदायिक भवन में अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य	25.00

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh-Procurement Portal https://eproc.cgstate.gov.in from **19.03.2026 17.30 Hours** (IST) on wards.

For more details on the tender and bidding process you may please visit the above-mentioned portal NIT Details and other documents.

NOTE: - 1. All eligible/interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal.
2. Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic Procurement System. **Help Desk at Toll Free No. 18004199140** or through Email ID **helpdesk.eproc@cgswan.gov.in**

घरो से निकलने वाले सूखा और गीला कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

ZONE COMMISSIONER
ZONE 08
MUNICIPAL CORPORATION RAIPUR (C.G)

सुंदर संस्कृति, कला और परंपराओं वाला मनोरम प्रदेश है छत्तीसगढ़ : रक्षा विशेषज्ञ

■ *राज्यपाल डेका ने रक्षा विशेषज्ञों को छत्तीसगढ़ की विशेषताओं से कराया अवगत*

■ *राज्यपाल रमेन डेका से रक्षा महाविद्यालय नई दिल्ली के अध्ययन दल ने की सौजन्य भेंट*

रायपुर/नवप्रदेश। राज्यपाल रमेन डेका से आज रक्षा महाविद्यालय नई दिल्ली के अध्ययन दल ने सौजन्य भेंट की। रक्षा महाविद्यालय द्वारा "National Security and Strategic Studies" विषय पर Understanding India Study Tour (UIST) के अंतर्गत 16 सदस्यों का दल 15 से 20 मार्च तक छत्तीसगढ़ भ्रमण पर था। अपनी यात्रा के अंतिम दिन आज इस दल ने राज्यपाल डेका से मुलाकात की। अध्ययन दल में भारतीय सशस्त्र सेनाओं के वरिष्ठ अधिकारीगण, मित्र देशों के सेनाधिकारी तथा कुछ सिविल सेवाओं के अधिकारीगण शामिल थे। इस दल ने छत्तीसगढ़ के विभिन्न पर्यटक स्थलों, जैसे-बारनवापारा अभ्यारण्य, ट्राइबल म्यूजियम, पुरखैती मुक्तांगन, बस्तर के विभिन्न जलप्रताप, कोन्डागांव के शिल्पग्राम इत्यादि का भ्रमण किया। राज्यपाल डेका ने अध्ययन दल के सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ एक सुंदर प्रदेश है। आप सभी दोस्तों और परिवार के सदस्यों को अपने भ्रमण और छत्तीसगढ़ की खूबसूरती के बारे में बताएं, ताकि वे भी पर्यटक के रूप में यहां आ सकें। उन्होंने छत्तीसगढ़ की विशेषताओं के बारे में अध्ययन दल से चर्चा की। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा कहा जाता है और यहां पर धान की प्रजातियों को संरक्षित करके रखा गया है। उन्होंने छत्तीसगढ़ की शिल्प कला जैसे ढोकरा आर्ट, वुडन आर्ट, बैम्बु आर्ट के बारे में भी चर्चा की। इस प्रदेश में प्रतिभाशाली लोगों की भी कमी नही है, अमेरिका के ह्यूस्टन में छत्तीसगढ़ के हजारों सॉफ्टवेयर इंजीनियर अपनी सेवाएं दे रहे है। इसके अलावा अमेरिका में बसे छत्तीसगढ़ के प्रवासी लोगों की संस्था नार्थ अमेरिका छत्तीसगढ़ एसोसिएशन अमेरिका में स्वदेशी मेले का आयोजन करते है, जहां पर छत्तीसगढ़ की कला, संस्कृति और परंपराओं का प्रदर्शन किया जाता है। उन्होंने इस दौरान ऊर्जा के नवीनीकृत स्त्रोतों को बढ़ावा देने, स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने की बात कही। डेका ने छत्तीसगढ़ सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों के बारे में भी अध्ययन दल को अवगत कराया। अध्ययन दल के सदस्यों ने अपने अनुभव साझा करते हुए छत्तीसगढ़ की सुंदर, संस्कृति, कला और परंपराओं की सराहना की। अध्ययन दल ने छत्तीसगढ़ के आतिथ्य की तारीफकरते हुए कहा कि यहां के लोग सीधे सरल और आत्मीय है।

न्यूज गैलरी

धर्म स्वातंत्र्य विधेयक भाजपा का राजनैतिक प्रोपोगंडा मात्र

रायपुर/नवप्रदेश। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने पत्रकारो से चर्चा करते हुये कहा कि धर्म स्वातंत्र्य विधेयक भाजपा का राजनैतिक प्रोपोगंडा मात्र है। इस विधेयक के कानून बन जाने के बाद भी भाजपा धर्मांतरण के मामले में केवल राजनीति करेगी। 2006 में भाजपा ने रमन सरकार के समय भी धर्मांतरण को लेकर विधेयक विधानसभा में पारित कराया था। 20 सालों तक वह राजभवन में कैद रहा, जबकि अनेक वर्षों तक केंद्र, राज्य में भाजपा की सरकारें थी। भाजपा केवल जनता को दिखाने के लिए कानून बनाने का स्वांग रचती है। हकीकत में वह धर्मांतरण को बढ़ावा देती है ताकि वह ध्रुवीकरण की राजनीति कर सके। भाजपा गारंटी देगी क्या अबकी बार का विधेयक फिर राजभवन में कैद नहीं रहेगा? प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि दुर्ग बलरामपुर के बाद अब रायगढ़ के तमनार थाना क्षेत्र के आमघाट गांव में अफीम खेती का मामला सामने आया है। मादक पदार्थ अफीम की खुले आम खेती प्रदेश के सभी क्षेत्रों में हो रही है। इसका सीधा मतलब है कि इस खेती के पीछे सरकार का संरक्षण है। जो मामले पकड़ा रहे वह जनजागरूकता के कारण पकड़ा रहे सरकार अफीम की खेती करने वालो को संरक्षण दे रही है। दुर्ग में अफीम खेती का सरगना विनायक ताम्रकार के भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के साथ मधुर संबंध थे। भाजपा के राष्ट्रीय प्रभारी अजय जामवाल, बीएल संतोष, केन्द्रीय मंत्री तोखन साहू, केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, दुर्ग सांसद विजय बघेल, कृषि मंत्री रामविचार नेताम, शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव, गृह मंत्री विजय शर्मा भाजपा संगठन के दर्जनों नेताओं के साथ उसकी फोटो तथा भाजपा के कार्यक्रमो में उसकी सक्रिय सहभागिता बताती है। अफीम की खेती के पीछे विनायक ताम्रकार एक छोटा मोहरा है। असली में पूरी भाजपा को उसका संरक्षण मिला हुआ है। इस काले धंधे में सभी शामिल थे। भाजपा ने विनायक ताम्रकार को केवल निलंबित किया है, निष्कासित नहीं। उसे कौन बचा रहा है? विनायक ताम्रकार पुलिस ने मुख्य अभियुक्त क्यों नहीं बनाया, सरकार उसे क्यों बचा रही है?

अफीम की खेती में कार्यवाही पर सरकार गंभीर नहीं : कांग्रेस

रायपुर/नवप्रदेश। अफीम की खेती पर सरकार में बैठे हुए लोग टालमटोल वाला रवैया अपना रहे है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि मुख्यमंत्री ने कलेक्टरों को निर्देश दिया है कि वे अपने जिलों में अफीम की खेती पर नजर रखे, कलेक्टरों ने अपने जिले के एसडीएम को निर्देश दे दिया कि वे निगरानी करे। एसडीएम ने अपने क्षेत्र के तहसीलदारों को निर्देश दे दिया कि वे अफीम की खेती की निगरानी करे। तहसीलदारों ने सभी सरपंचों को निर्देशित कर दिया कि उनके क्षेत्र में अफीम की खेती की वे निगरानी करे। यदि अफीम की खेती उनके गांव में होगी तो वे जिम्मेदार होंगे। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि पूरा सरकारी अमला, सरकार से लेकर कलेक्टर, एसडीएम, तहसीलदार तक सभी अपने जिम्मेदारी से भाग रहे है। अफीम की खेती रोकने की अभी तक सरकार की तरफ से कोई कार्ययोजना नहीं बनाई गयी है। कोई भी अपनी जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है। यह बताता है कि छत्तीसगढ़ में अफीम की खेती सरकार के संरक्षण में सुनियोजित तरीके से हो रही, कोई भी इसको रोकने की कोशिश नहीं करना चाहता। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अयक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि प्रदेश में अफीम की खेती में भाजपा का पूरा शीर्ष नेतृत्व शामिल है। दुर्ग में अफीम खेती का सरगना विनायक ताम्रकार के भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के साथ मधुर संबंध थे। भाजपा के राष्ट्रीय प्रभारी अजय जामवाल, बीएल संतोष, केन्द्रीय मंत्री तोखन साहू, केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, दुर्ग सांसद विजय बघेल, कृषि मंत्री रामविचार नेताम, शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव, गृह मंत्री विजय शर्मा भाजपा संगठन के दर्जनों नेताओं के साथ उसकी फोटो तथा भाजपा के कार्यक्रमो में उसकी सक्रिय सहभागिता बताती है। अफीम की खेती के पीछे विनायक ताम्रकार एक छोटा मोहरा है। असली में पूरी भाजपा को उसका संरक्षण मिला हुआ है। इस काले धंधे में सभी शामिल थे।

पीएम सड़क योजना में 228 करोड़ के नियम विरुद्ध भुगतान की होगी जांच

रायपुर/नवप्रदेश। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में जीएसटी परफॉर्मेंस सिक्योरिटी व सुरक्षा निधि के तहत कथित रूप से नियमों के विपरीत किए गए 228 करोड़ रुपये के भुगतान का मामला विधानसभा में गूंजा। मामले के तूल पकड़ने के बाद पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री विजय शर्मा ने सदन में विभागीय जांच कराने की घोषणा की है। मंत्री ने बताया कि प्रारंभिक जांच विशेष सचिव स्तर के अधिकारी से कराई जाएगी और जांच प्रतिवेदन के आधार पर दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी। प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस विधायक जनकराम ध्रुव ने वर्ष 2024-25 और 2025-26 में 139.80 करोड़ रुपये के भुगतान को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि यह राशि किन मदों से और किसकी अनुमति से जारी की गई। साथ ही आरोप लगाया कि विभागीय अधिकारी मंत्री को गलत जानकारी दे रहे हैं। बहस के दौरान मंत्री ने स्वीकार किया कि वर्ष 2023-24 और उससे पहले के वर्षों में बिना बजट प्रावधान और वित्त विभाग की मंजूरी के टेंडर जारी कर कार्य शुरू कर दिए गए थे। इन कार्यों पर करीब 228 करोड़ रुपये खर्च किए गए। मंत्री के अनुसार यह राशि जीएसटी मद की थी, जिसे ठेकेदारों के भुगतान में उपयोग किया गया। मामले में कांग्रेस विधायक द्वारिकाधीश यादव ने सीबीआई जांच की मांग की, जबकि देवेन्द्र यादव ने जांच की समय-सीमा तय करने की बात कही। इस पर मंत्री ने कहा कि जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। मंत्री ने यह भी कहा कि नई सरकार बनने के बाद वित्त विभाग से अनुमति लेकर ठेकेदारों को भुगतान किया गया। उन्होंने स्वीकार किया कि जिस राशि का उपयोग किया गया, वह सीधे तौर पर सरकार की निधि नहीं थी, बल्कि उसे सरकारी कार्यों में उपयोग कर लिया गया, जिसकी जानकारी उस समय के अधिकारियों और मंत्रियों को भी नहीं थी।

मगरमच्छ संरक्षण, पर्यटन और रोजगार से बदली कोटमीसोनार की तस्वीर

■ **केन्द्र का उद्देश्य मगरमच्छों का संरक्षण और संवर्धन**

वन्यजीव संरक्षण एवं ग्रामीण विकास पर्यटन का सफल उदाहरण

रायपुर/नवप्रदेश। मगरमच्छों के संरक्षण और पुनर्वास इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इसके तहत वन्यजीवों की सुरक्षा के प्रति हमारी जिम्मेदारी और मगरमच्छ के संरक्षण को बढ़ावा दिया जा रहा है। छत्तीसगढ के जांजगीर-चांपा वनमण्डल के अंतर्गत स्थापित मगरमच्छ संरक्षण आरक्षिती केन्द्र, कोटमीसोनार आज वन्यजीव संरक्षण के साथ-साथ ग्रामीण विकास और पर्यटन का सफल उदाहरण बनकर उभर रहा है। इस केन्द्र का निर्माण मगरमच्छों के संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से किया गया है।

मगरमच्छ की सभी प्रजातियाँ लुप्तप्राय नहीं हैं, लेकिन कुछ प्रजातियों की आबादी बहुत कम हो जाने के कारण, उनके प्रबंधन और सुरक्षात्मक कानूनों की आवश्यकता है। मगरमच्छ संरक्षण परियोजना भारत में वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 भारत सरकार द्वारा शुरू की गई थी। इसका प्रमुख उद्देश्य प्राकृतिक आवासों की रक्षा करना, कैप्टिव ब्रीडिंग के माध्यम से मगरमच्छों की संख्या को बढ़ावा देना और प्राकृतिक वातावरण में नवजात शिशु के जीवित रहने की कम दर का समाधान करना है।

वन विभाग द्वारा मगरमच्छ संरक्षण के लिए जांजगीर-चांपा जिला के ग्राम कोटमीसोनार स्थित मुड़ातालाब को चिन्हित कर जिले के विभिन्न तालाबों से मगरमच्छों को यहां लाकर सुरक्षित वातावरण में छोड़ा गया। वर्तमान में यहां लगभग 250 मगरमच्छ संरक्षित हैं। इस परियोजना की शुरुआत 9 मई 2006 को तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह द्वारा शिलान्यास के साथ हुई, जबकि 23 अगस्त 2008 को तत्कालीन वन मंत्री बृजमोहन अग्रवाल द्वारा इसका लोकार्पण किया गया। करीब 57.037 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले इस केन्द्र में 34 हेक्टेयर कोर जोन और 23.037 हेक्टेयर बफर जोन निर्धारित किया गया है। वन विभाग ने इसे पर्यटन की दृष्टि से भी विकसित किया है, जहां पर्यटकों के लिए पैगोडा, वॉच टावर, इंटरप्रिटेशन सेंटर, कैफेटेरिया, चिल्ड्रन पार्क, ऊर्जा पार्क और 3-डी मिनी थिएटर जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। उल्लेखनीय है कि 1 नवम्बर 2015 से यहां पर्यटन शुल्क लागू किया गया है। पर्यटकों की बढ़ती संख्या के कारण कोटमीसोनार गांव अब एक छोटे बाजार के रूप में विकसित हो रहा है, जिससे स्थानीय ग्रामीणों को नियमित रोजगार के अवसर मिल रहे हैं। मगरमच्छ संरक्षण आरक्षिती केन्द्र, कोटमीसोनार न केवल वन्यजीवों के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, बल्कि पर्यटन के माध्यम से स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी सशक्त बना रहा है। कोटमीसोनार स्थित मुड़ातालाब मगरमच्छ संरक्षण-पर्यटन केन्द्र तक पहुंच भी सुगम है।

भाजपा चुनावी राज्यों में भेज रही है एलपीजी : कांग्रेस

रायपुर/नवप्रदेश। रसोई गैस संकट पर सरकार के दावों को हवाहवाई करार देते हुए प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने मोदी सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि गैर चुनावी राज्यों की हिस्सा की एलपीजी को चुनावी राज्यों को भेजा जा रहा है, ताकि वहाँ रसोई गैस संकट से जनता की भाजपा के खिलाफ गुस्सा को कम किया जाये और चुनाव में भाजपा को होने वाले नुकसान से बचा जा सके। दुर्भाग्यजनक है प्रदेश की सरकार मौन है। इसलिए यहां मांग के अनुसार जनता को रसोई गैस नहीं मिल पा रहा है। प्रदेश सरकार ने षड्यंतपूर्वक शहर के लाखों गैस उपभोक्ताओं को ग्रामीण उपभोक्ता घोषित कर दिया ऐसे शहरी उपभोक्ताओं को अब रसोई गैस नही मिलेगा। उज्ज्वला योजना के लाखों हितग्राहियों के कनेक्शन को केवाईसी अपडेट के नाम से ब्लाक कर दिया गया अब उन्हें रसोई गैस नही मिलेगा। सरकार रसोई गैस संकट का हल करने के बजाये जिम्मेदारी से भाग रही है। एलपीजी संकट से निपटने के बजाये उपभोक्ताओं को परेशान कर रही है। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि रसोई गैस की संकट पर सरकार सब कुछ बेहतर होने का दावा कर रही है, लेकिन रसोई गैस लेने के लिए एजेंसियों के बाहर जनता की लंबी लम्बी लाईन सरकार की दावों के विपरीत है। प्रदेश के कई गैस एजेंसी में तालाबंदी हो चुकी है, स्टाक नही होने का बोर्ड लग गया है, कई एजेंसियों की बुंकिंग सिस्टम बंद हो गई है, फोन नही उठाने की शिकायत आ रही है। इधर जनता लाईन में खड़ी है, उधर रसोई गैस की ब्लैक मार्केटिंग हो रही है, 900 रु. के रसोई गैस 3 हजार रु. से अधिक दाम में बेचा जा रहा है। कमर्शियल गैस की संकट से कई रेस्टोरेंट बंद हो चुके है वहाँ काम कर रहे कर्मचारी बेरोजगार हो गये है। सरकार बताये जब रसोई गैस की कोई कमी नही है तो रसोई गैस जनता को मिल क्यो नही रहा है?रसोई गैस कहाँ रखा गया है?

सफाई कर्मचारियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्रथमिकता होनी चाहिएः हरदीप सिंह

रायपुर/नवप्रदेश। राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के उपाध्यक्ष हरदीप सिंह गिल ने रेडक्रॉस सभाकक्ष में बैठक ली। गिल ने संबोधित करते हुए कहा कि । उनके कल्याण के लिए भारत सरकार और राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग प्रतिबद्ध है। उन्होंने रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल में हुई घटना के बारे में प्रत्यक्षदर्शी, परिजन, हॉस्पिटल प्रबंधन एवं प्रशासन से जानकारी ली और कहा कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय और भारत सरकार की गाइडलाइन के अनुसार मैनुअल स्कैवेजिंग पूर्ण रूप से प्रतिबंध है। ऐसा कराए जाने पर जिम्मेदार लोगों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। यदि किसी संस्था में सीवेज सफाई कराई जानी है तो नगर निगम प्रशासन को सूचित करें और सुरक्षा के सभी मानकों का अनिवार्य रूप से पालन करें। उन्होंने कहा कि रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल में हुए हादसे में मृतकों के परिजनों को हर संभव सहायता दिलाई जाएगी एवं न्याय मिलेगा और घटना के दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक के दौरान मृतकों को श्रद्धांजली देने के लिए 2 मिनट का मौन रखा गया। गिल ने कहा न्यूनतम वेतन से कम किसी भी सफाईकर्मी को मजदूरी राशि प्रदान नहीं की जानी चाहिए, इसे कड़ाई से लागू किया जाए। उन्होंने कहा कि जागरूकता कैंप का आयोजन किया जाए और सफाईकर्मियों को सुरक्षा के मानकों के प्रति जागरूक किया जाए।

वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश, 3 आरोपी गिरफ्तार, 11 दोपहिया वाहन बरामद

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी रायपुर में वाहन चोरी की बढ़ती घटनाओं पर अंकुश लगाते हुए पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। थाना खम्हारडीह पुलिस ने दो शातिर वाहन चोरों और एक अवैध चाबी निर्माता को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 11 दोपहिया वाहन बरामद किए हैं। जब्त वाहनों की कुल कीमत करीब 4.40 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस के अनुसार आरोपी अलग-अलग थाना क्षेत्रों से प्रोफेशनल तरीके से दोपहिया वाहन चोरी करते थे और बाद में उन्हें बेचने की फिराक में रहते थे। पुलिस को 19 मार्च को सूचना मिली कि कचना स्थित शराब दुकान के पास कुछ लोग चोरी के वाहन बेचने के लिए ग्राहक तलाश रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी कर तीनों आरोपियों को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपियों ने वाहन चोरी करना स्वीकार किया। उन्होंने बताया कि चोरी किए गए वाहनों की चाबी मोवा निवासी एक व्यक्ति से अवैध तरीके से बनवाई जाती थी। आरोपियों की निशानदेही पर अलग-अलग स्थानों से 11 दोपहिया वाहन बरामद किए गए। गिरफ्तार आरोपियों में कुलदीप गेंडरे उर्फ जानू (21) निवासी बलौदाबाजार, करण साहू उर्फ बाका (20) निवासी कचना रायपुर और शेख स्वालेह (40) निवासी मोवा रायपुर शामिल हैं। इस कार्रवाई के तहत थाना खम्हारडीह में एक प्रकरण में धारा 303(2) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया गया है, जबकि अन्य बरामद वाहनों के संबंध में पृथक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

नेशनल ट्राइबल गेम्सः रायपुर में पांच खेलों के मुकाबले

■ **जगदलपुर-अंबिकापुर में भी आयोजन**

KHELO INDIA TRIBAL GAMES 2026 CHHATTISGARH

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में आयोजित हो रहे खेलो इंडिया नेशनल ट्राइबल गेम्स में देशभर के जनजातीय खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। इस प्रतियोगिता में 32 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के करीब 3000 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। आयोजन में छत्तीसगढ़ के 164 खिलाड़ी भी भाग ले रहे हैं, जिनमें 86 पुरुष और 78 महिला खिलाड़ी शामिल हैं। रायपुर के पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय फुटबॉल मैदान एवं स्वामी विवेकानंद एथलेटिक्स स्टेडियम, कोटा में फुटबॉल मैच खेले जाएंगे। सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में हॉकी प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी।

तीन शहरों में होंगे आयोजन

नेशनल ट्राइबल गेम्स के तहत राजधानी रायपुर में हॉकी, फुटबॉल, तैराकी, तीरंदाजी और वेटलिफ्टिंग की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। वहीं बस्तर संभाग मुख्यालय जगदलपुर में एथलेटिक्स और सरगुजा संभाग मुख्यालय अंबिकापुर में कुश्ती प्रतियोगिता होगी।

इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय स्विमिंग पूल में तैराकी, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के ओपन मैदान में तीरंदाजी तथा पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के ओपन ग्राउंड में वेटलिफ्टिंग की स्पर्धाएं होंगी।

जगदलपुर के धरमपुरा क्रीड़ा परिसर में एथलेटिक्स और अंबिकापुर के गांधी स्टेडियम में कुश्ती प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। खेलो इंडिया नेशनल ट्राइबल गेम्स में पारंपरिक खेलों को भी बढ़ावा दिया गया है।

गोबरा नवापारा के व्यापारियों के लिए 22 मार्च को खाद्य लाइसेंस शिविर

रायपुर/नवप्रदेश। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा व्यापार मंडल के सहयोग से गोबरा नवापारा क्षेत्र के स्थानीय खाद्य व्यापारियों के लिए 22 मार्च 2026 को एक दिवसीय खाद्य लाइसेंस एवं पंजीयन शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर गंज रोड स्थित सिंधी गुरुद्वारा, गोबरा नवापारा में आयोजित होगा, जो प्रातः 10 बजे से शाम 4 बजे तक संचालित रहेगा। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य गोबरा नवापारा क्षेत्र के उन छोटे-बड़े खाद्य व्यवसायियों को सुविधा प्रदान करना है, जो तकनीकी जानकारी के अभाव में अब तक अपना पंजीयन या लाइसेंस नहीं बनवा सके हैं। शिविर में क्षेत्र के ही छोटे दुकानदार, रेहड़ी-पटरी संचालक, होटल व्यवसायी एवं अन्य खाद्य विक्रेता मौके पर ही अपना आवेदन पूर्ण कर सकेंगे।

अन्य राज्यों से आए 30 टूर ऑपरेटर एवं ट्रैवल एजेंट्स ने लिया भाग

छत्तीसगढ़ में 6 दिवसीय फेम ट्रिप सफलतापूर्वक संपन्न

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल एवं राज्य सरकार के संयुक्त प्रयासों से राज्य के पर्यटन स्थलों के व्यापक प्रचार-प्रसार तथा प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक धरोहर को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने के उद्देश्य से 13 से 18 मार्च तक आयोजित 6 दिवसीय विशेष फेम ट्रिप सफलतापूर्वक संपन्न हो गई। यह आयोजन राज्य सरकार की दूरदर्शी सोच और पर्यटन को आर्थिक विकास के प्रमुख साधन के रूप में विकसित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस ट्रिप में देश के विभिन्न राज्यों–दिल्ली, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, ओडिशा, चेन्नई, बेंगलुरु एवं अंडमान-निकोबार से आए लगभग 30 टूर ऑपरेटर एवं ट्रैवल एजेंट्स ने भाग लिया। इन प्रतिभागियों को दो समूहों में विभाजित कर उत्तर एवं दक्षिण छत्तीसगढ़ के प्रमुख पर्यटन स्थलों का भ्रमण कराया गया, जिससे उन्हें राज्य की विविध पर्यटन संभावनाओं का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त हुआ। उत्तर छत्तीसगढ़ में अंबिकापुर, मैनपाट, रामगढ़ और जशपुर जैसे स्थलों की प्राकृतिक सुंदरता एवं इको-टूरिज्म संभावनाओं से प्रतिभागियों को अवगत कराया गया। वहीं दक्षिण छत्तीसगढ़ में कांगेर घाटी, कोंडागांव, जगदलपुर, चित्रकोट, दंतेवाड़ा, बारसूर एवं धुडमारास जैसे स्थलों के माध्यम से बस्तर की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, ऐतिहासिक धरोहर और प्राकृतिक वैभव का अनुभव कराया गया। फेम ट्रिप के दौरान बस्तर स्थित विश्व प्रसिद्ध चित्रकोट जलप्रपात ने प्रतिभागियों को विशेष रूप से आकर्षित किया, जहां उन्होंने बोटिंग के साथ प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लिया। चित्रकोट के प्राचीन शिव मंदिर में दर्शन कर उन्होंने आध्यात्मिक अनुभव भी प्राप्त किया। इसके अलावा स्थानीय हाट-बाजारों का भ्रमण कर प्रतिभागियों ने जनजातीय जीवनशैली, पारंपरिक आयोजनों और सांस्कृतिक विविधता को करीब से समझा, जो छत्तीसगढ़ की विशिष्ट पहचान है। ऐतिहासिक नगरी बारसूर के बत्तीसा मंदिर एवं प्राचीन गणेश प्रतिमाओं का अवलोकन कर राज्य की गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत की झलक देखने को मिली।

चाकूबाजी भाजपा ने राजधानी की नीयती बना दी : कांग्रेस

रायपुर/नवप्रदेश। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि राजधानी में नशे का सामान नहीं मिलने पर चाकूबाजी की घटना चिंता का विषय है। प्रदेश में रोज-रोज हो रही आपराधिक घटनाएं, हत्या, बलात्कार, चाकूबाजी की घटनाएं अब डराने लगी है। राज्य की राजधानी में औसतन रोज एक से दो हत्याएं हो रही है। प्रदेश का कोई शहर नहीं बचा है, जहां हत्या, बलात्कार, चाकूबाजी की घटनाएं रोज न हो रही हो। सड़े आम नशेड़ी चाकू चला रहे है। भाजपा सरकार के 2 साल के कार्यकाल में प्रदेश में ड्रग्स, अफीम, गांजा, हीरोइन, नकली शराब, अवैध शराब बिना रोक-टोक के गली-गली में बिक रहा है।

F-35 लाइटनिंग विमान पर इतिहास में पहला हमला

तेल अवीव। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने गुरुवार को सुबह 2:50 बजे मध्य ईरान के हवाई क्षेत्र में एक अमेरिकी एफ-35 स्टील्थ लड़ाकू विमान को निशाना बनाने का दावा किया। आईआरजीसी के अनुसार, विमान के क्रैश होने की बहुत ज्यादा संभावना है। दूसरी तरफ सीएनएन रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी रक्षा अधिकारियों ने बताया कि ईरानी मिसाइलों के हमले के बाद एक एफ-35 विमान को इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के प्रवक्ता कैप्टन टिम हॉकिन्स ने पुष्टि की कि विमान ईरान के ऊपर एक मिशन पर था। उन्होंने बताया कि विमान सुरक्षित उतर गया है और पायलट की हालत स्थिर है। फिलहाल इस घटना की जांच चल रही है। बतादें कि, एफ-35 दुनिया के सबसे महंगे विमानों में से एक है और इसकी कीमत 100 मिलियन डॉलर से भी ज्यादा है। अगर ईरान का यह दावा पूरी तरह सच साबित होता है, तो यह इस युद्ध की सबसे बड़ी सैन्य उपलब्धि होगी। ब्लूमबर्ग और सीएनएन रिपोर्ट के मुताबिक ईरान के साथ युद्ध में अमेरिका को भारी नुकसान हुआ है।

ऐसा-वैसा फाइटर जेट नहीं है एफ-35

इस फाइटर जेट के कई वेरिएंट हैं। युद्ध की हर कलाओं में यह माहिर है। इसके छिपकर उड़ने की क्षमता, हाईटेक सेंसर और नेटवर्क आधारित युद्ध क्षमता किसी भी हवाई युद्ध के रुख को बदलने में सक्षम हैं। इस फाइटर जेट के मूल में है स्टील्थ तकनीक. इस विमान को इसके आकार, इस्तेमाल की गई सामग्री और अंदरूनी हथियारों के चैंबर के जरिए रडार की पकड़ से बचने के लिए डिजाइन किया गया है। इससे यह भारी सुरक्षा वाले हवाई क्षेत्र के काफी अंदर तक जाकर भी काम कर सकता है. कुल मिलाकर दुश्मन के एयर डिफेंस सिस्टम के लिए इसे ट्रैक करना या निशाना बनाना बेहद मुश्किल बना देता है. जी हां, इसलिए इसके हिट होने पर पूरी दुनिया में हल्ला मचा है।

अमेरिकी को हुए कई बड़े नुकसान

इस युद्ध के दौरान अमेरिकी सेना को कुछ और नुकसान भी उठाने पड़े हैं। रिपोर्ट के अनुसार, कुवैत के एयर डिफेंस सिस्टम ने गलती से अमेरिका के तीन एफ-15 ईगल विमानों को मार गिराया। हालांकि, इन विमानों के सभी छह क्रू सदस्य सुरक्षित बच गए। इसके अलावा, पिछले हफ्ते इराक में अमेरिका का एक केसी-135 स्ट्रैटोटैंकर विमान क्रैश हो गया था। इस हादसे में विमान में सवार सभी छह सदस्यों की मौत हो गई। अमेरिकी सेना ने कहा है कि यह क्रैश किसी दुश्मन के हमले की वजह से नहीं हुआ था।

अमेरिका ने 19 देशों को इस फाइटर जेट को बेचा है। यह दुनिया का सबसे व्यापक रूप से तैनात पांचवीं पीढ़ी का फाइटर जेट है। इन तमाम घटनाओं के बावजूद अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने दावा किया है कि अमेरिका निर्णायक रूप से जीत रहा है। उन्होंने कहा कि ईरान का एयर डिफेंस सिस्टम पूरी तरह ध्वस्त हो चुका है। इस बीच सीएनएन की रिपोर्ट में अमेरिकी अधिकारी के हवाले से बताया था गया कि, अमेरिका ने क्षेत्र में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए ओकिनावा से मरीन एक्सपेडिशनरी यूनिट और त्रिपोली एम्फीबियस रेडी ग्रुप को तैनात करने का फैसला किया है। अमेरिकी युद्धपोत यूएसएस त्रिपोली को हाल ही में सिंगापुर के पास देखा गया था।

न्यूज गैलरी

केंद्रीय राज्यमंत्री जयंत चौधरी को जान से मारने की धमकी

नई दिल्ली/ए.। केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी को एक अज्ञात कॉलर से जान से मारने की धमकी मिली है। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि इस मामले में शिकायत दर्ज होने के बाद उनकी सुरक्षा की समीक्षा की गई है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। कौशल विकास और उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) चौधरी को 18 मार्च को सुबह करीब 11 बजे एक अज्ञात नंबर से धमकी भरा फोन आया था। तुगलक सड़क पुलिस स्टेशन में दर्ज शिकायत के अनुसार, कॉलर ने मंत्री को जान से मारने की धमकी दी। उसने एके जैसी बंदूकों का भी जिक्र किया। कॉलर ने मंत्री से कुछ भेजे गए दस्तावेजों के बारे में भी पूछा। कॉल कटने से पहले उसने बार-बार धमकी दी। बाद में उसी नंबर से मंत्री के ÷दौरा कार्यक्रम÷ की यात्रा सूची पर धमकी भरे संदेश मिले। इन संदेशों में स्थान विवरण और धमकियों को दोहराने वाले वॉयस नोट भी शामिल थे।

तेलंगाना में 3.24 लाख करोड़ का भारी-भरकम बजट पेश

नई दिल्ली(वार्ता)। तेलंगाना की कांग्रेस सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए बजट पेश कर दिया है। इस बार बजट राज्य के उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने पेश किया है। उन्होंने विधानसभा में 3.24 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश करते हुए ग्रामीण विकास, कृषि और बुनियादी ढांचे पर सबसे बड़ा दांव लगाया है। इस बजट के आंकड़ों को देखें तो साफ है कि सरकार जमीनी स्तर पर बदलाव लाना चाहती है। बजट के तकनीकी पहलुओं पर गौर करें तो राज्य सरकार ने कुल 3.24 लाख करोड़ रुपये के व्यय में से 2,34,406 करोड़ रुपये 'राजस्व व्यय' के लिए रखे हैं। यह राशि वेतन, पेंशन और सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में खर्च होगी। वहीं, राज्य के भविष्य के निर्माण के लिए 47,267 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। यह निवेश नए पुल, सड़कें और स्थाई संपत्तियों के निर्माण के लिए किया जाएगा। सरकार ने इस बार 'अन्नदाता' की झोली भरने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। इस बार बजट में किसानों के लिए सरकार ने खजाना खोल दिया है। रेवंत सरकार ने कृषि क्षेत्र के लिए 23,179 करोड़ रुपये का विशाल फंड आवंटित किया है। उम्मीद है यह राज्य में कृषि संकट को दूर करने और नई तकनीक को बढ़ावा देने में सहायक होगा।

मैं अभी जिंदा हूं : नेतन्याहू ने अपनी मौत की अफवाहों का उड़ाया मजाक

यरुसलेम(वार्ता)। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने घोषणा की है कि अब ईरान के पास यूरेनियम संवर्धन और बैलिस्टिक मिसाइल बनाने की क्षमता नहीं बची है। ऑपरेशन रोरिंग लायन' के 20 दिन पूरे होने पर यहां विदेशी पत्रकारों को संबोधित करते हुए श्री नेतन्याहू ने अपनी मौत की अफवाहों का भी मजाक उड़ाया और कहा, "मैं जिंदा हूं और आप सभी इसके गवाह हैं।" उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन रोरिंग लायन' का उद्देश्य अयातुल्ला शासन से पैदा हुए अस्तित्वगत खतरों को समाप्त करना है।

युद्ध स्वार्थ का नतीजा, दुनिया को संघर्ष नहीं सद्भाव चाहिए' : मोहन भागवत

नागपुर/वार्ता। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने दुनिया में बढ़ते तनाव को लेकर बयान दिया है। नागपुर में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि आखिर क्यों दुनिया में शांति नहीं हो पा रही है। भागवत ने स्वार्थ और दूसरों पर काबू पाने की इच्छा को इन विवादों की जड़ बताया। उन्होंने कहा कि जब तक लोग अपनी सोच नहीं बदलेंगे, तब तक शांति संभव नहीं है। भारत के प्राचीन ज्ञान को उन्होंने दुनिया की समस्याओं का समाधान बताया। उनका कहना है कि पूरी दुनिया को एक परिवार की तरह देखना ही सुख का रास्ता है।आरएसएस प्रमुख शुक्रवार को नागपुर में विश्व हिंदू परिषद के नए दफ्तर के भूमि पूजन कार्यक्रम में बोल रहे थे। मोहन भागवत ने कहा कि पिछले दो हजार वर्षों से दुनिया में शांति के लिए कई प्रयोग किए गए। लेकिन इनमें से कोई भी पूरी तरह सफल नहीं हुआ। आज भी धार्मिक कट्टरता और जबरन धर्म परिवर्तन जैसी समस्याएं मौजूद हैं। लोग खुद को दूसरों से बड़ा और दूसरों को छोटा समझते हैं। यही वजह है कि दुनिया में लगातार संघर्ष और विवाद बने हुए हैं। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि दुनिया में संघर्षों की जड़ स्वार्थ एवं वर्चस्व की चाह है और स्थायी शांति केवल एकता, अनुशासन और धर्म के पालन से ही हासिल की जा सकती है. मोहन भागवत ने आचरण के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि धर्म केवल शास्त्रों तक सीमित नहीं रह सकता बल्कि यह लोगों के व्यवहार में भी दिखना चाहिए। उन्होंने कहा कि अनुशासन और नैतिक मूल्यों के पालन के लिए निरंतर अभ्यास की जरूरत होती है और इसमें अक्सर व्यक्तिगत कठिनाई भी झेलनी पड़ती हैं. भागवत ने कहा कि भारत मानवता में विश्वास करता है जबकि अन्य देश अस्तित्व के लिए संघर्ष और ताकतवर के टिके रहने के सिद्धांत को मानते हैं. उन्होंने कहा कि दुनिया को संघर्ष नहीं, बल्कि सौहार्द की जरूरत है।

दुनिया को टकराव की जगह आपसी मेलजोल की जरूरत

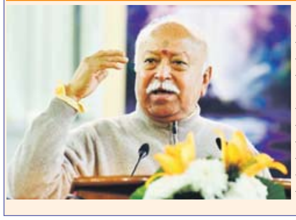

भागवत ने कहा कि भारत का प्राचीन ज्ञान सिखाता है कि हम सब एक हैं और आपस में जुड़े हुए हैं। दुनिया को अब टकराव छोड़कर तालमेल और सहयोग की तरफ बढ़ना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि अब आधुनिक विज्ञान भी धीरे-धीरे इसी बात को मान रहा है। भारत मानवता के नियम का पालन करता है, जबकि दूसरे 'सर्वाइवल ऑफ द फिटेस्ट' में विश्वास करते हैं। यही वजह है कि दुनिया के कई हिस्से केवल ताकतवर के जीवित रहने की बात करते हैं। दुनिया को संघर्ष की नहीं बल्कि आपसी मेलजोल की जरूरत है।

धर्म केवल किताबों में नहीं, लोगों के व्यवहार में दिखना चाहिए: भागवत

संघ प्रमुख ने कहा कि शांति केवल बातों से नहीं आएगी। इसके लिए एकता, अनुशासन और धर्म के रास्ते पर चलना होगा। उन्होंने कहा कि धर्म केवल किताबों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। इसे लोगों के व्यवहार और आचरण में दिखना चाहिए। अनुशासन और नैतिक मूल्यों का पालन करने के लिए मेहनत और त्याग की जरूरत होती है। जब तक समाज में अनुशासन नहीं होगा, तब तक हम एक बेहतर दुनिया की कल्पना नहीं कर सकते।

केरल को लॉटरी और शराब पर निर्भर नहीं रखा जा सकता

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने शुक्रवार को कहा कि केरल में वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार राज्य को प्रवासियों की ओर से भेजे गए पैंसे (रेमिटेंस), लॉटरी और शराब पर निर्भर बनाए रख रही है। इस तरह की व्यवस्था आगे नहीं चल सकती। उन्होंने कहा, संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के लिए यह एक अहम मुद्दा है, जो पिछले एक दशक से सत्ता से बाहर है। उन्होंने एलडीएफ सरकार पर कुप्रबंधन का आरोप लगाया। थरूर ने कहा कि राज्य सरकार के पास सितंबर तक वेतन देने के लिए पैसे खत्म हो जाते हैं और उसे भुगतान करने के लिए कर्ज लेना पड़ता है। जब पूछा गया कि क्या कांग्रेस का मुख्य मुद्दा पिनरई विजयन सरकार के खिलाफ सत्ता की नाराजगी होगा, तो शशि थरूर ने कहा, नहीं, मुझे लगता है कि हमारा मुद्दे इससे कहीं ज्यादा बेहतर और आगे की सोच वाला है। यह केरल 2.0 के बारे में है। थरूर ने कहा, हां, सरकार के खिलाफ लोगों में कुछ नाराजगी है। हमारे अभियान के प्रमुख नारों में से एक यह है कि अब समय आ गया कि सरकार ने जो भी गलत काम किए हैं, उनका हिसाब लिया जाए। इसके अलावा हमारे पास एक बहुत ही सकारात्मक संदेश भी है। उदाहरण के लिए , महिलाओं के लिए बसों में मुफ्त यात्रा से लेकर बेहतर पेंशन भुगतान तक हमने पांच खास गारंटी देने की बात की है, जिसे वाम मोर्चा सरकार लगातार पूरा करने में असफल रही है। 149 सीटों वाली केरल विधानसभा के लिए नौ अप्रैल को चुनाव होंगे। तिरुवनंतपुरम से सांसद शशि थरूर ने कहा कि पार्टी का घोषणापत्र जारी होना अभी बाकी है। लेकिन जिन बातों पर वे जोर दे रहे हैं, उनमें राज्य में कारोबार के लिए माहौल और खुला और अनुकूल बनाना शामिल है। कांग्रेस नेता ने कहा, केरल में हम हमेशा प्रवासी लोगों से आने वाले पैसे, लॉटरी और शराब पर निर्भर नहीं रह सकते, जबकि फिलहाल यही चीजें राज्य को चला रही हैं।

'कांग्रेस में सियासी खींचतान चरम पर, मुख्यमंत्री बदलना तय' : भाजपा

बंगलूरू/वार्ता। कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने शुक्रवार को दावा किया कि राज्य में सत्ताधारी कांग्रेस के भीतर सत्ता संघर्ष और अंदरूनी कलह चरम पर पहुंच गई है और मुख्यमंत्री बदलना अब तय है। विजयेंद्र ने यह भी विश्वास जताया कि 9 अप्रैल को होने वाले उपचुनावों में भाजपा बागलकोट और दावणगेरे दक्षिण, दोनों विधानसभा सीटों पर जीत दर्ज करेगी। उन्होंने कहा कि राज्य की कांग्रेस सरकार के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर है और जनता में नाराजगी भी है। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा, 'कांग्रेस सरकार में चल रहे संकट को देखते हुए मुख्यमंत्री बदलना अब तय है।' कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष ने कहा, 'हाल ही में विधानसभा में मेरी बातचीत कुछ सत्तारूढ़ दल के विधायकों से हुई, उन्होंने बताया कि जल्द ही कुछ परिणाम सामने आएंगे और मुख्यमंत्री इस्तीफा देंगे। लेकिन अगला मुख्यमंत्री कौन होगा, इसका जवाब उन्हें खोजना होगा।' विजयेंद्र ने कहा कि गरीब, किसान और युवा सभी सरकार से नाराज हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार की नीतियां जनविरोधी हैं।

'कांग्रेस की अंदरूनी खींचतान चरम पर पहुंची'

बी वाई विजयेंद्र ने कहा, 'कांग्रेस में सत्ता संघर्ष और अंदरूनी खींचतान अब चरम पर पहुंच चुकी है। अगर उपचुनाव घोषित नहीं होते, तो स्थिति मौजूदा विधानसभा सत्र के तुरंत बाद अंतिम चरण में पहुंच जाती। उपचुनावों के कारण इसमें करीब पंद्रह दिन की देरी हो सकती है।'

स्वास्थ्य मंत्री के इस्तीफे की मांग पर विधानसभा में हंगामा

भुवनेश्वर/ए.। ओडिशा विधानसभा में शुक्रवार को जमकर हंगामा हुआ। दरअसल कटक के अस्पताल में आग और उसमें 12 मरीजों की मौत के मुद्दे पर बीते चार दिनों से ओडिशा विधानसभा में विपक्षी विधायक नारेबाजी और विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। विपक्षी विधायक इस घटना को लेकर स्वास्थ्य मंत्री मुकेश महालिंग के इस्तीफे की मांग पर अड़े हैं। इस मुद्दे पर शुक्रवार को भारी बवाल हो गया और विपक्षी विधायकों ने सभापति के आसन तक पहुंचने की कोशिश की। विधानसभा में जैसे ही प्रश्नकाल शुरू हुआ, वैसे ही विपक्षी विधायकों ने हंगामा शुरू कर दिया। बीजू जनता दल और कांग्रेस के विधायकों ने हाथों में प्लेकार्ड लेकर सरकार विरोधी नारेबाजी की। इस दौरान विपक्षी विधायक वेल में पहुंच गए और पोडियम तक चढ़ने की कोशिश की।

सैमसंग अगले सप्ताह भारत में लॉन्च करेगा गैलेक्सी ए57-गैलेक्सी ए37

गुरुग्राम/ए.। सैमसंग भारत में अपनी अगली पीढ़ी के गैलेक्सी ए सीरीज़ स्मार्टफोन्स लॉन्च करने के लिए पूरी तरह तैयार है। ये नए स्मार्टफोन्स ङ्क गैलेक्सी ए 57 5 जी और गैलेक्सी ए 37 5 जी ङ्क अगले सप्ताह की शुरुआत में ही लॉन्च किए जा सकते हैं। इन नए स्मार्टफोन्स की सबसे बड़ी खासियत कम रोशनी में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए उन्नत कैमरा क्षमताएं होंगी। इन दोनों स्मार्टफोन्स में नए ए आई फीचर्स मिलने की भी संभावना है, जिन्हें सैमसंग ऑसम इंटेलिजेंस कहता है।

गैलेक्सी ए 57 5 जी और गैलेक्सी ए 37 5 जी को धूल और पानी से सुरक्षा के लिए आई पी 68 ड्यूरेबिलिटी के साथ लॉन्च किया जा सकता है। उन्हें लंबे समय तक सिक्योरिटी अपडेट और ओ एस अपग्रेड मिलने की भी संभावना है, जो सैमसंग गैलेक्सी स्मार्टफोन्स की एक प्रमुख पहचान है। गैलेक्सी ए 57 5 जी और गैलेक्सी ए 37 5 जी सैमसंग नॉक्स वॉल्ट के साथ आएंगे, जो ए आई के इस दौर में बेहतर डेटा सुरक्षा के लिए एक हार्डवेयर-आधारित तकनीक है। बेहतर परफॉर्मेंस के लिए गैलेक्सी ए 57 5 जी और गैलेक्सी ए 37 5 जी में अपग्रेडेड प्रोसेसर, वाई फाई 6 ई और ब्लूटूथ 6 मिलने की संभावना है। ये नए डिवाइस किफायती कीमतों पर प्रीमियम फीचर्स लाने की सैमसंग की ग्राहकों के अनुकूल रणनीति को प्रदर्शित कर सकते हैं। गैलेक्सी ए सीरीज़ भारत में सैमसंग की सबसे लोकप्रिय स्मार्टफोन सीरीज़ में से एक है, जिसकी देश में अब तक की कुल बिक्री 10 करोड़ यूनिट्स के करीब है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी
खण्ड बीजापुर (छ0ग0)
(जल जीवन मिशन)
" ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना " (निविदा आमंत्रण सूचना)

जिला बीजापुर के विभिन्न विकासखण्डों के ग्रामों में नलजल प्रदाय योजना अन्तर्गत कार्य - पाईप लाईन एवं घरेलू नल कनेक्शन के लिए एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अन्तर्गत उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु प्रपत्र " ए" में ऑनलाईन (Online) निविदा (प्रमुख अभियंता, लो. स्वा.यां. विभाग रायपुर छ0ग0 के **यु.एस.ओ.आर. दिनांक** 01.06.2020 पर आमंत्रित की जा रही है। निविदाएँ पूर्व में कार्यादेशित ठेकेदार के द्वारा कार्य पूर्ण नहीं कर पाने के कारण कार्य निरस्त कर पुनः शेष बचे कार्यो पर आधारित है। ठेकेदार निविदाएँ साईट में अपलोड ड्राफ्ट एन.आई.टी. के नियम एवं शर्तो के आधार पर ही निविदा में भाग लेवें। आमंत्रित निविदाएँ निम्नानुसार है - (Risk & Cost)

क्र.	निविदा क्रमांक / दिनांक	सिस्टम क्रमांक	विकास खण्ड	ग्राम	कार्य की लागत (रू.लाख)	निविदा कॉल	अमानत राशि (रू. में)
1	2	3	4	5	6	7	8
1	107/ 18.03.2026	187381	BIJAPUR	TOYNAR	23.11	1st Call	17333/-

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की अंतिम तिथि दिनांक (Bid due date) 17.04.2026 तक आमंत्रित की जाती है। निविदाएँ डाउनलोड करने की तिथि (Bid start date) 20.03.2026 से है। निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता / सदस्य सचिव,
जिला जल एवं स्वच्छता मिशन
लोक लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड बीजापुर

जी- 252607315/2

कार्यालय जिला बाल संरक्षण अधिकारी जिला राजनांदगांव

दावा-आपत्ति

1. बच्चे का नाम - आकांक्षा ठाकुर
2. बच्चे का प्राप्ति दिनांक - 06/08/2024
3. रंग - सांवला
4. उम्र - 10 वर्ष (लगभग)
5. संस्था - स्नेह सर्वोदय सेवा संस्था बालगृह (बालिका) राजनांदगांव (छ0ग0)

1. बच्चे का नाम - वंश ठाकुर
2. बच्चे का प्राप्ति दिनांक - 06/08/2024
3. रंग - सांवला
4. उम्र - 04 वर्ष (लगभग)
5. संस्था - विशेषीकृत दत्तक ग्रहण एजेंसी (सेवा भारती मातृछाया) राजनांदगांव (छ0ग0)

उपरोक्त बालक एवं बालिका को दिनांक 08.08.2024 को बालक कल्याण समिति राजनांदगांव (छ.ग.) के आदेश क्रमांक 100/ बा.क.स./2024-25 राजनांदगांव दिनांक 08.08.2025 से अस्थाई संरक्षण हेतु स्नेह सर्वोदय सेवा संस्था बालगृह (बालिका) राजनांदगांव (छ0ग0) एवं विशेषीकृत दत्तक ग्रहण एजेंसी (सेवा भारती मातृछाया) राजनांदगांव (छ0ग0) में संरक्षण प्राप्त है। उपरोक्त बालकों का अभिभावक श्री अनिल ठाकुर पता ग्राम बोरतलाव थाना व तहसील डोंगरगढ़ जिला राजनांदगांव (छ.ग.) जो कि पालन-पोषण में असक्षम है। बालकों के वैधानिक पालक/अभिभावक होने का दावा अपत्ति दर्ज कराना चाहते है, तो प्रकाशन दिनांक से 30 दिवस के भीतर जिला बाल संरक्षण इकाई, महिला एवं बाल विकास, संयुक्त कलेक्ट्रेट भवन कक्ष क्रमांक 11 कलेक्ट्रेट परिसर जिला राजनांदगांव अथवा स्नेह सर्वोदय सेवा संस्था बालगृह (बालिका) राजनांदगांव (छ0ग0) अथवा समन्वयक, सेवा भारती मातृ-छाया विशेषीकृत दत्तक ग्रहण एजेंसी राजनांदगावं (छ0ग0) में दर्ज करा सकते हैं। उक्त समयावधि के पश्चात् प्राप्त दावा-आपत्तियों पर विचार नही किया जायेगा तथा दत्तक ग्रहण की कार्यवाही की जायेगी।

यह विज्ञापन मेरे द्वारा जारी किया गया।

जिला बाल संरक्षण अधिकारी
जिला बाल संरक्षण इकाई (मबावि)
जिला-राजनांदगांव (छ.ग.)

जी-252607309/3

हिंसा की राह छोड़, उम्मीदों की दौड़, बस्तर नई पहचान की ओर

- **शांति, विश्वास और विकास- बस्तर हेरिटेज मैराथन एक मज़बूत संदेश**
- **बस्तर की वादियों में गूँजेगी बदलाव की नई आहट, बस्तर हेरिटेज मैराथन को लेकर पुनर्वासित जनों में अभूतपूर्व उत्साह**

रायपुर/नवप्रदेश। बस्तर में आपका स्वागत है, जहाँ विरासत जीवंत है और प्रकृति साँस लेती है। बस्तर हेरिटेज मैराथन में प्राचीन वन, जीवंत आदिवासी संस्कृति और मनमोहक परिदृश्य समाहित हैं। धावक साल के पेड़ों से घिरे सुरम्य मार्गों और प्राचीन गाँवों से गुजरेंगे, और हर कदम पर बस्तर की सुंदरता का अनुभव करेंगे। छत्तीसगढ़ के बस्तर में रोमांच और प्रकृति के बीच एक खास आयोजन होने जा रहा है। 22 मार्च 2026 को बस्तर हेरिटेज मैराथन 2026 का आयोजन किया जाएगा, जिसमें देशभर के धावक हिस्सा ले सकेंगे। इस मैराथन की शुरुआत हगदलपुर के लाल बाग मैदान से होगी और फिनिश लाइन एशिया के नियाग्रा कहे जाने वाले चित्रकोट जलप्रपात पर होगी। खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने 25 लाख रुपये की पुरस्कार राशि की घोषणा की गई है।

बस्तर की शांत वादियों में इस बार केवल प्रकृति का संगीत नहीं, बल्कि बदलाव और विकास के संकल्प की एक अभूतपूर्व गूँज सुनाई देने वाली है। इस मैराथन की सबसे गौरवशाली और मानवीय तस्वीर उन आत्म-समर्पित माओवादियों के रूप में उभर कर सामने आ रही है, जो कभी दुर्गम जंगलों के अंधेरों में भटकते थे, लेकिन अब समाज की मुख्यधारा का अभिन्न हिस्सा बनकर इस खेल महाकुंभ में अपनी शारीरिक शक्ति और जीवटता का परिचय देने को बेताब हैं। हिंसा का मार्ग त्याग कर शांति की राह चुनने वाले इन युवाओं का यह उत्साह इस बात का पुख्ता प्रमाण है कि बस्तर अब पुराने संघर्षों के साये से बाहर निकलकर खेल, साहस और शौर्य के वैश्विक मंच पर अपनी एक नई और सकारात्मक पहचान गढ़ रहा है। इस मैराथन में 42 कि.मी., 21 कि.मी., 10 कि.मी. और 5 कि.मी. जैसी अलग-अलग कैटेगरी रखी गई हैं, ताकि हर स्तर के रनर्स इसमें भाग ले सकें। प्रतियोगिता में 25 लाख रुपये की पुरस्कार राशि भी रखी गई है और बस्तर संभाग के धावकों के लिए अलग से पुरस्कार की व्यवस्था की गई है। यह आयोजन बस्तर की प्राकृतिक खूबसूरती, संस्कृति और खेल भावना को एक साथ जोड़ने का खास मौका बनने जा रहा है।

बस्तर की फिज़ाओं में अब हिंसा के बारूद की नहीं, बल्कि उम्मीदों और सपनों की उड़ान की खुशबू तैर रही है। कभी जिन हाथों में बंदूकें हुआ करती थीं और जो पैर घने जंगलों की खाक छानते थे, वे अब बस्तर मैराथन के ट्रैक पर अपनी किस्मत आजमाने और एक नई पहचान बनाने को पूरी तरह तैयार हैं। दंतेवाड़ा के लोन वर्राटू (घर वापस आइए) अभियान और पूना मारगेम÷ (पुनर्वास से पुनर्जीवन) जैसे प्रभावी पुनर्वास कार्यक्रमों के माध्यम से दर्जनों पूर्व नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता छोड़ मुख्यधारा में शामिल होने का ऐतिहासिक फैसला किया है। शासन की कल्याणकारी पुनर्वास नीति के तहत ये युवा अब अपनी ऊर्जा का सकारात्मक उपयोग कर रहे हैं और जंगल की संकरी पगडंडियों पर छिपने के बजाय मैराथन की फिनिशिंग लाइन को छूने का लक्ष्य लेकर कड़ी ट्रेनिंग ले रहे हैं।

न्यूज गैलरी

पति-पत्नी पर कहर बनकर झूम पड़े मधुमक्खियों का झुंड, एक की मौत

बालोद/नवप्रदेश। जिले में मधुमक्खियों के हमले से बुजुर्ग की मौत हो गई। महुआ बीनने जंगल गए दंपति पर मधुमक्खियों के झुंड ने अचानक हमला कर दिया, जिससे पति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। पूरा मामला डौंडी थाना क्षेत्र के गोटूलमुड़ा गांव का है। जानकारी के अनुसार, 65 वर्षीय चम्पूलाल गोयल अपनी पत्नी सुमित्रा के साथ जंगल में महुआ बीनने गए थे। इसी दौरान मधुमक्खियों का झुंड उन पर टूट पड़ा। हमले में दोनों बुरी तरह घायल हो गए। किसी तरह पत्नी सुमित्रा ने अपनी जान बचाई, लेकिन चम्पूलाल गोयल की मौके पर ही मौत हो गई। घायल महिला को तुरंत जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

नवरात्रि मेले में यात्रियों को राहत 23 से 28 मार्च तक मेमू स्पेशल ट्रेन

रायपुर/नवप्रदेश। चैत्र नवरात्रि मेले में बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे ने यात्रियों के लिए विशेष इंतजाम किए हैं। कोरबा-इतवारी रूट पर 23 से 28 मार्च तक रोजाना मेमू पैसेंजर स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी, जिससे डोंगरगढ़ जाने वाले श्रद्धालुओं को राहत मिलेगी। रेलवे द्वारा ट्रेन संख्या 06883/06884 फेस्टिवल मेमू स्पेशल को दोनों दिशाओं में प्रमुख और लोकल स्टेशनों पर पैसेंजर हॉल्ट दिया गया है, जिससे नवरात्रि मेले में डोंगरगढ़ जाने वाले श्रद्धालुओं को विशेष सुविधा मिलेगी। इसके अलावा 19 से 27 मार्च तक गोंदिया-दुर्ग मेमू का विस्तार रायपुर तक और रायपुर-डोंगरगढ़ मेमू का विस्तार गोंदिया तक किया गया है। डोंगरगढ़ दुर्ग के बीच अतिरिक्त मेमू स्पेशल ट्रेन भी चलाई जा रही है। ट्रेन संख्या 06883 इतवारी से सुबह 5 बजे रवाना होकर दुर्ग, रायपुर, तिल्दा-नेवरा, भाटापारा और बिलासपुर होते हुए शाम 7.30 बजे कोरबा पहुंचेगी। वहीं 06884 कोरबा से सुबह 5.10 बजे चलकर इसी मार्ग से होकर रात 7.30 बजे इतवारी पहुंचेगी।

अश्लील गाने पर विवाद: एफआईआर की मांग, थाने में की शिकायत

रायपुर/नवप्रदेश। फिल्म केडी-द डेविल के एक गाने को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। अधिवक्ता अनुराग गुप्ता ने थाने में शिकायत देकर गाने को अश्लील बताते हुए एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। शिकायत में कहा गया है कि गाने में कलाकार नोरा फतेही और संजय दत्त नजर आ रहे हैं तथा इसके बोल द्विअर्थी और आपत्तिजनक हैं। उनका आरोप है कि इस तरह की सामग्री से बच्चों व युवाओं पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। आवेदन में कलाकार, गीतकार, निर्माता-निर्देशक और यू-ट्यूब प्लेटफॉर्म को भी जिम्मेदार ठहराया गया है।

लिंक पर क्लिक करते ही चार लाख की ठगी, 66 हजार होल्ड

रायपुर/नवप्रदेश। डीडीयू नगर थाना क्षेत्र में एक सेवानिवृत्त बुजुर्ग से ऑनलाइन ठगी का मामला सामने आया है। बुजुर्ग के खाते से 3.94 लाख रुपए पार हो गए। हालांकि शिकायत के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 66 हजार रुपए होल्ड करा लिए हैं। पुलिस के मुताबिक पीड़ित विष्णु दत्त बघेल के मोबाइल पर कई संदिग्ध लिंक आए थे। इनमें से एक लिंक पर क्लिक करते ही उनके खाते से अलग-अलग खातों में रकम ट्रांसफर हो गईं। ट्रांजेक्शन का मैसेज मिलने पर उन्हें ठगी का एहसास हुआ। इसके बाद उन्होंने तत्काल पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

दो आरोपी को 15-15 साल, एक को 10 साल की कैद

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी की एनडीपीएस कोर्ट ने नशीले पदार्थों की तस्करी के दो मामलों में तीन आरोपियों को सजा सुनाई है। कोर्ट ने दो आरोपियों को 15-15 साल और एक को 10 साल कैद की सजा दी है, साथ ही उन पर जुर्माना भी लगाया गया है। पहले मामले में सरस्वती नगर पुलिस ने अगस्त 2024 में कुकुरबेड़ा स्थित एक घर से 864 नशीली कैप्सूल बरामद की थी। इस मामले में आरोपी मनीष चंद्राकर और देवेंद्र मांझी को गिरफ्तार किया गया था। कोर्ट ने दोनों को 15-15 साल कैद और 1.50-1.50 लाख रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई। दूसरे मामले में कबीरनगर थाना पुलिस ने बंगाली होटल के पास से आरोपी धरम सिंह को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 9.50 ग्राम कोकीन जब्त की थी। इस मामले में कोर्ट ने आरोपी को 10 साल कैद और 1 लाख रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई है।

नशे के लिए मांगे 2000 नहीं देने पर चाकू से हमला

रायपुर/नवप्रदेश। डीडीनगर थाना क्षेत्र के गोल चौक इलाके में नशे के लिए पैसे नहीं देने पर 12वीं के छात्र पर चाकू से हमला कर दिया गया। हमले में छात्र के पीठ और सिर पर चोटें आई हैं। पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक घायल छात्र भविष्य सोनी अपने दोस्त शिवम शुक्ला से मिलने गोल चौक मैदान पहुंचा था। वहां शिवम के साथ हर्ष बजरी, गौरव रात्रे, जतिन पटेल, करण पांडे और उदय साहू मौजूद थे। इसी दौरान करण पांडे और उदय साहू ने छात्र से नशे के लिए 2 हजार रुपए मांगे। छात्र द्वारा पैसे नहीं होने की बात कहने पर आरोपियों ने मारपीट शुरू कर दी।

चार सड़क हादसे में 7 की मौत

- **रफ्तार से आ रही कार ने सड़क किनारे खड़ी दो महिलाओं को कुचला**

सूरजपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले के खड़गवां क्षेत्र में तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। जहां लापरवाही ने दो जिंदगियां छीन लीं। सड़क किनारे खड़ी महिलाओं को एक बेकाबू कार ने जोरदार टक्कर मार दी, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। मिली जानकारी के अनुसार, पति-पत्नी और एक अन्य महिला एक ही स्कूटी में सवार होकर चंद्रपुर से अंबिकापुर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान खड़गवां में पति स्कूटी रोककर कुछ सामान लेने चला गया। तभी सड़क किनारे खड़ी दोनों महिलाओं और स्कूटी को अंबिकापुर की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी।

हादसे के बाद चालक कार छोड़कर फरार

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि, दोनों महिलाओं की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतक महिलाएं चंद्रपुर और केरता की निवासी बताई जा रही हैं। घटना के बाद कार चालक मौके से वाहन छोड़कर फरार हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। यह पूरा मामला खड़गवां चौकी क्षेत्र का है। फिलहाल, पुलिस आरोपी चालक की तलाश में जुटी हुई है।

मां और बेटी की सड़क हादसे में मौत

कांकेर/नवप्रदेश। जिले के नरहरपुर मार्ग पर गुरुवार शाम हुए एक भीषण सड़क हादसे ने एक परिवार की खुशियों को पल भर में मातम में बदल दिया। जिस घर में कुछ ही दिनों बाद शादी की तैयारियां चल रही थीं, वहां अब शोक का माहौल है। इस दर्दनाक हादसे में मां और बेटी की मौत हो गई, जबकि परिवार का एक सदस्य गंभीर रूप से घायल है। यह हादसा जुनवानी चौक के आगे चनार मोड़ के पास हुआ, जहां तेज रफ्तार बोलेरो ने एक बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। जानकारी के अनुसार ग्राम बनसागर निवासी विकास शोरी अपनी भाभी शिवकुमारी शोरी और भतीजी प्रीति शोरी के साथ बाइक से कांकेर जा रहे थे। शाम करीब 7 बजे कांकेर की ओर से आ रही बोलेरो ने लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तीनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों की मदद से उन्हें तत्काल कोमलदेव अस्पताल, कांकेर पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने शिवकुमारी शोरी को मृत घोषित कर दिया। वहीं गंभीर रूप से घायल प्रीति शोरी को बेहतर उपचार के लिए रायपुर रेफर किया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसने भी दम तोड़ दिया। घटना में विकास शोरी को सिर, दोनों पैर और शरीर में गंभीर चोटें आई हैं, जिनका इलाज जारी है। बताया जा रहा है कि परिवार पहले ही कई दुखों से गुजर चुका था। बचपन में पिता का साया उठ गया था और कुछ वर्ष पूर्व भाई की भी असमय मृत्यु हो चुकी थी। अब इस हादसे ने मां और बेटी को भी छीन लिया, जिससे परिवार पूरी तरह टूट गया है।

खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली बनी मौत का कारण

वहीं धमतरी जिले के ग्राम सिलौटी निवासी 55 वर्षीय राजमिस्त्री ठेकेदार अर्जुन राम साहू की बुधवार शाम सड़क हादसे में हुई मौत ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रथम दृष्टया यह हादसा लापरवाही का नजर आ रहा है, जिसमें सड़क किनारे खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली में जा टकराना मौत का कारण बन सकती है।

मिली जानकारी के अनुसार, अर्जुन राम साहू बुधवार को अपने गांव में संत माता कर्मा जयंती कार्यक्रम में शामिल हुए थे। इसके बाद शाम करीब 4 बजे वे अपने एक रिश्तेदार को छोड़ने पेंडरवानी (जिला बालोद) गए थे। वापसी के दौरान शाम लगभग 6:30 बजे ग्राम कंवर के पास उनकी मोटरसाइकिल सड़क किनारे खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि उनके सिर में गंभीर चोट आई और मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

पुलिस ने शव को परिजनों को सौंपा

हादसे के बाद राहगीरों ने तत्काल घटना की सूचना पुलिस चौकी कंवर को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए गुरुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। गुरुवार दोपहर पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। घटना की जानकारी उस समय और स्पष्ट हुई जब मृतक के एक रेजा (मजदूर) ने अगले दिन के काम की पुष्टि के लिए अर्जुन राम साहू के मोबाइल पर फोन किया। फोन पुलिस ने उठाया और हादसे की जानकारी दी, जिसके बाद यह खबर धीरे-धीरे परिजनों और ग्रामीणों तक पहुंची।

ग्रामीण इलाकों में लापरवाही बन रही जानलेवा

ग्रामीण क्षेत्रों में अक्सर देखा जाता है कि ट्रैक्टर-ट्रॉली, हार्वेस्टर, जेसीबी जैसे भारी वाहन सड़क किनारे या आधी सड़क पर ही खड़े कर दिए जाते हैं। कई बार इन पर न तो रिफ्लेक्टर होते हैं और न ही कोई चेतावनी संकेत, जिससे रात या शाम के समय ये वाहन नजर नहीं आते और हादसों का कारण बनते हैं।

प्रशासन और ग्रामीणों के लिए जरूरी काम

प्रशासन और ग्रामीणों के लिए यह जरूरी है कि, सड़क किनारे वाहन खड़े करते समय पर्याप्त दूरी और सुरक्षित स्थान का चयन किया जाए। वाहनों पर रिफ्लेक्टर, रेडियम टेप या चेतावनी संकेत अनिवार्य रूप से लगाए जाएं। रात के समय पार्किंग के दौरान इंडिकेटर या चेतावनी लाइट का उपयोग किया जाए।

मध्यप्रदेश में एक्सीडेंट, छत्तीसगढ़ के 2 लोगों की मौत

अनूपपुर/नवप्रदेश। जिले के कोतमा थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग 43 में सलीम ढाबा के पास के गुरूवार की रात सड़क हादसा हो गया। 4 ड्रम डीजल भर कर जा रहा ट्रैक्टर ट्राली के पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार क्रमांक सीजी 07 एम 1454 घुस गई। इस हादसे में कार सवार महिला और चालक की मौके पर ही मौत हो गई। कार में बैठे दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गये। वहीं ट्रैक्टर ट्राली सहित खेत में घुस गया। पुलिस ने दोनों वाहनों सहित डीजल को जब्त कर विवेचना में जुट गई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार रात में शहडोल से मनेंद्रगढ़ जा रही थी तेज रफ्तार कार ने सामने जा रहे ट्रैक्टर के पीछे जा घुसी जिससे कार में सवार 4 लोगों में चालक 40 वर्षीय दुलारे शर्मा एवं गीता पनिका की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दो घायलों में 64 वर्षीय हरिशंकर चतुर्वेदी एवं 33 वर्षीय मीना देवांगन सभी निवासी मनेंद्रगढ़ छत्तीसगढ़ बताये जा रहे हैं। घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा में भर्ती कराया गया जहां से प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को जिला चिकित्सालय अनूपपुर के लिए रेफर कर दिया गया। हादसे के बाद सड़क के दोनों तरफ कुछ देर के लिए जाम लग गया था। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर यातायात को बहाल कराया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

8 फीट से गिरा युवक, डायफ्राम फटा, एम्स में जटिल सर्जरी से बची जान

रायपुर/नवप्रदेश। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में एक गंभीर रूप से घायल युवक की सफल सर्जरी कर डॉक्टरों ने उसे नई जिंदगी दी। महासमुंद निवासी युवक 22 फरवरी की रात निर्माणाधीन भवन की पहली मंजिल (करीब 8 फीट) से गिर गया था, जिससे उसका डायफ्राम फट गया और पेट के अंग छाती तक पहुंच गए।

जानकारी के अनुसार गिरने के बाद युवक बेहोश नहीं हुआ और शरीर पर बाहरी चोट के गंभीर निशान भी नहीं थे। हालांकि अगले दिन सीने में दर्द बढ़ने पर उसे स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। बाद में सांस लेने में तकलीफ बढ़ने पर निजी अस्पताल में सीटी स्कैन कराया गया, जहां स्थिति गंभीर पाई गई और तत्काल एम्स रेफर किया गया। एम्स में जांच के दौरान डॉक्टरों ने पाया कि युवक के बाईं ओर डायफ्राम में लगभग 7x8 सेंटीमीटर का बड़ा छेद हो गया है। इसके कारण आमाशय, लीवर का हिस्सा और बड़ी आंत छाती के बाएं हिस्से में खिसक गए थे। इसके अलावा पसलियों और रीढ़ की हड्डी में भी फ्रैक्चर पाया गया।

तेंदुए की खाल तस्करी गिरोह का पर्दाफाश, 7 आरोपी गिरफ्तार

- **फरसगांव में वन विभाग की बड़ी कार्रवाई**

फरसगांव/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के फरसगांव में वन विभाग को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। केशकाल वनमण्डलाधिकारी दिव्या गौतम के मार्गदर्शन में राज्य स्तरीय उड़नदस्ता और वन विभाग की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। वन परिक्षेत्र बड़ेडोंगर के उप परिक्षेत्र भण्डारवंडी अंतर्गत ग्राम बैलगांव के समीप टीम ने घेराबंदी कर तेंदुए की खाल की तस्करी करते हुए 7 आरोपियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

मिली जानकारी के अनुसार, पकड़े गए आरोपियों में संहगो नेताम (ग्राम बनचपई), शंकर नेताम (ग्राम बनचपई), जंगा कर्मा (ग्राम दंतेवाड़ा), प्रदीप कुमार वेकू (ग्राम बाधमूंडी पनेड़ा, बस्तर), बामन मण्डावी (ग्राम पोंदूम, दंतेवाड़ा), सोनू कोर्राम (ग्राम चौडंग, थाना बेनूर) और संतोष कुमार कवासी (ग्राम बाघमूंडीपनेडा, थाना गीदम) शामिल हैं।

करंट से दंतैल हाथी की मौत

वहीं 15 मार्च को सूरजपुर जिले में नर दंतैल हाथी की करंट लगने से हुई मौत के मामले में वन विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। जांच में सामने आया कि, आरोपी ने अपने खेतों की सुरक्षा के नाम पर अवैध रूप से बिजली प्रवाहित कर रखी थी, जिसकी चपेट में आकर हाथी की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, प्रतापपुर वन परिक्षेत्र अंतर्गत करंजवार गांव में कुछ दिनों पहले एक नर दंतैल हाथी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। मामले की जांच में खुलासा हुआ कि, हाथी की मौत बिजली के करंट से हुई थी।

फरार आरोपियों की भी तलाश जारी

वन विभाग ने सभी आरोपियों के खिलाफ वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत मामला दर्ज कर लिया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। विभाग के अनुसार, इस मामले में कुछ अन्य मुख्य आरोपी अभी फरार हैं, जिनकी तलाश के लिए टीम गठित कर दी गई है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा।

बजट सत्र के बाद छत्तीसगढ़ में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल संभव

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में विधानसभा के बजट सत्र के बाद बड़े पैमाने पर प्रशासनिक फेरबदल की तैयारी के संकेत मिल रहे हैं। प्रस्तावित बदलाव में मंत्रालय में पदस्थ आईएएस अधिकारियों के प्रभार बदलने के साथ ही संभागायुक्त, कई जिलों के कलेक्टर और जिला पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों (सीईओ) को भी प्रभावित किया जा सकता है। सूत्रों के अनुसार कई जिलों में कलेक्टर लंबे समय से पदस्थ हैं, जबकि कुछ अधिकारियों की कार्यप्रणाली को लेकर शासन स्तर पर लगातार शिकायतें मिल रही हैं। ऐसे में कमजोर प्रदर्शन वाले अधिकारियों को हटाकर ऊर्जावान और बेहतर छवि वाले अफसरों को जिम्मेदारी सौंपने की तैयारी है।

पुलिस महकमे में भी बदलाव के संकेत

प्रशासनिक फेरबदल के साथ-साथ पुलिस विभाग में भी बड़े स्तर पर बदलाव संभव हैं। पुलिस मुख्यालय में बिना महत्वपूर्ण प्रभार के पदस्थ अधिकारियों को नई जिम्मेदारी दी जा सकती है। इसके अलावा कुछ रेंज के आईजी और जिलों के पुलिस अधीक्षकों (एसपी) के तबादले भी संभावित हैं। भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के साथ राज्य पुलिस सेवा के अधिकारियों को भी इधर-उधर किया जा सकता है।

संभागायुक्त और वरिष्ठ अधिकारियों के रिटायरमेंट

रायपुर संभाग के आयुक्त महादेव कावरे मई में सेवानिवृत्त होंगे, जबकि बस्तर संभाग के आयुक्त डोमन सिंह दिसंबर 2026 में रिटायर होंगे। वहीं, गरियाबंद कलेक्टर भगवान सिंह उइके भी इसी वर्ष दिसंबर में सेवानिवृत्त हो जाएंगे। इन पदों पर नई नियुक्तियां भी इस फेरबदल का हिस्सा होंगी। बताया जा रहा है कि कुछ अधिकारियों की कार्यप्रणाली के कारण सरकार की छवि पर भी असर पड़ा है। ऐसे में प्रशासनिक कसावट लाने और बेहतर परिणाम सुनिश्चित करने के लिए यह बड़ा फेरबदल अहम माना जा रहा है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक यशवंत धोटे* द्वारा मिनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नं. 74 सेक्टर-सी, उरला इंडस्ट्रीयल एरिया से मुद्रित कर रजबंधा मैदान प्रेस काम्पलेक्स रायपुर से प्रकाशित, समाचार संपादक-संदीप दीवान, RNI NO.CHHHIN/2012/41806
(पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए उत्तरदायी) फोन : 0771-3526755, 6262188999, Gmail: navpradesh@gmail.com